THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 126 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु. 6 2080 सोमवार, 24 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 : 8 रुपये

## मोदी कीर्तन से लेकर राखी तक का मेगा प्लान

**नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** भाजपा ने इस वर्ष होने वाले देश के पांच चुनावी राज्यों के लिए 'महिला, मोदी कीर्तन और राखी बांधों' प्लान बनाया है जिसे आने वाले दिनों में विभिन्न तरीकों से जमीनी धरातल पर उतारा जाएगा। दरअसल, इस वर्ष के अंत तक देश के जिन पांच राज्यों- राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में विधान सभा चुनाव होने हैं उनमें से दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस एवं तेलंगाना में बीआरएस की सरकार है। मध्य प्रदेश में वर्तमान में भाजपा की सरकार है तो वहीं मिजोरम में एनडीए गठबंधन की सरकार है और भाजपा के सहयोगी मिजो नेशनल फ्रंट के नेता जोरमथांगा राज्य के मुख्यमंत्री हैं।

आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानाती श्रीनिवासन ने बताया कि इन पांचों राज्यों में महिला वोटरों को भाजपा के साथ जोड़ने के लिए पार्टी ने एक मेगा प्लान तैयार किया है। उन्होंने बताया कि महिला मोर्चे की तरफ से इन पांचों राज्यों के लिए अलग-अलग 3-3 चुनाव प्रभारी बनाए गए हैं और पार्टी की ये 15 महिला नेता अपने-अपने दायित्व वाले प्रदेशों के महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षों से समन्वय बना कर मोर्चे की महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं को लेकर संगठन की योजना के मुताबिक महिला वोटरों को भाजपा से जोड़ने के लिए अभियान चलाएंगे।

वानाती श्रीनिवासन ने आगे बताया कि राष्ट्रीय महिला मोर्चा इन पांचों राज्यों में महिला मोर्चा संगठन को मजबूत बनाने पर खास ध्यान दे रहा है। इसके साथ ही मोर्चा नए महिला वोटरों को पार्टी से जोड़ने के लिए नया वोटर सम्मेलन जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन बूथ स्तर और शक्ति केंद्रों तक कर फर्स्ट टाइम महिला वोटर और अन्य महिला वोटरों तक मोदी सरकार की 9 साल की उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाएगा।

महिला मोर्चा ने नवरात्रि और रक्षा बंधन के त्योहार के लिए भी मोदी कीर्तन, स्नेह यात्रा और राखी बांधों अभियान सहित कई योजनाएं बनाई हैं। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानाती श्रीनिवासन ने आईएएनएस को बताया कि मोर्चा की महिला कार्यकर्ता नवरात्रि के समय मोदी कीर्तन के जरिए मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी महिला मतदाताओं तक पहुंचा कर उन्हें पार्टी के साथ जोड़ने की कोशिश करेंगे। इसके साथ ही रक्षाबंधन के समय रिक्शा एवं ऑटो वालों के साथ-साथ डिलीवरी बॉयज को राखी बांधकर उन्हें भी सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताएंगे। पार्टी ने इसे स्नेह यात्रा का नाम दिया है।

आपको बता दें कि, भाजपा महिला मोर्चा ने शुक्रवार को एक बड़ी बैठक कर इन चुनावी राज्यों की रणनीति को अंतिम रूप दिया। मोर्चे की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानाती श्रीनिवासन की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन पांचों चुनावी राज्यों के लिए नियुक्त की गईं चुनाव प्रभारी, सहप्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अन्य महत्वपूर्ण महिला नेता भी शामिल हुईं।

पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला मोर्चा प्रभारी दुष्यंत गौतम ने भी इन पांचों राज्यों में महिलाओं को पार्टी से जोड़ने के अभियान में शामिल इन महिला नेताओं को चुनावी अभियान के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स दिए।

### अफ्रीकन यूनियन को जी-20 में किया जा सकता है शामिल

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दिया है और उनके प्रस्ताव को सदस्य देशों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। अमिताभ कांत ने बताया कि भारत को पूरी उम्मीद है कि अफ्रीकन यूनियन को नई दिल्ली की अध्यक्षता में ही जी-20 की स्थायी सदस्यता मिल जाएगी। अफ्रीकन यूनियन एक प्रभावशाली संगठन है, जिसके सदस्य अफ्रीका के 55 देश हैं। बीते महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 देशों के नेताओं को पत्र लिखकर अफ्रीकन यूनियन को सितंबर में नई दिल्ली में होने वाले सम्मेलन में स्थायी सदस्य बनाने की अपील की थी।

### दिल्ली कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ किया 'मौन सत्याग्रह'

**नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने रविवार को मणिपुर संकट और राहुल गांधी को लोकसभा सदस्य के रूप में अयोग्य ठहराए जाने को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ 'मौन सत्याग्रह' (मौन विरोध) आयोजित किया। पार्टी के दिल्ली इकाई के प्रमुख अनिल कुमार चौधरी के नेतृत्व में बड़ी सख्या में कांग्रेस नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया।

चौधरी ने कहा, केंद्र सरकार की तानाशाही, मणिपुर में ढाई महीने से अधिक समय से चल रही सांप्रदायिक हिंसा और राहुल गांधी की गरीबों के लिए उठाई गई आवाज को दबाने की भाजपा की कोशिश के खिलाफ मौन सत्याग्रह किया गया। कांग्रेस, जो मौजूदा स्थिति के लिए मणिपुर में एन बीरेन सिंह सरकार को दोषी ठहरा रही है, ने सोशल मीडिया पर दो महिलाओं को निर्वस्त्र करने, परेड कराने और यौन उत्पीड़न का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा पर हमला तेज कर दिया है। मणिपुर पुलिस ने शनिवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया, जो किशोर है, इससे मणिपुर महिला उत्पीड़न मामले में गिरफ्तारियों की संख्या छह हो गई है। मार्च में, 2019 मानहानि मामले में गुजरात की एक अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी को लोकसभा सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

## न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने ली तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की शपथ

रविवार को राजभवन में न्यायमूर्ति आलोक अराधे को तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद का शपथ दिलाती हुईं राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन। मंचासीन हैं मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, मुख्य सचिव शांति कुमारी व अन्य।

**हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)।** न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। न्यायमूर्ति अराधे को रविवार को यहां राजभवन में राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन ने पद की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव, उनके कुछ मंत्री, विधायक, तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और मुख्य सचिव शांति कुमारी, डीजीपी अंजनी कुमार और अन्य सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हाल ही में तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किये जाने पर न्यायमूर्ति आलोक अराधे उनके स्थान पर तेलंगाना आए। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य संयुक्त उच्च न्यायालय का विभाजन 1 जनवरी, 2019 को हुआ। तेलंगाना उच्च न्यायालय की स्थापना के बाद से अब तक पांच व्यक्तियों ने सीजे के रूप में कार्य किया है।

न्यायमूर्ति आलोक अराधे अब तेलंगाना उच्च न्यायालय के छठे मुख्य न्यायाधीश हैं। पिछले चार वर्षों के दौरान न्यायमूर्ति राधाकृष्णन, न्यायमूर्ति राघवेंद्र सिंह चौहान, न्यायमूर्ति हिमा कोहली, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने तेलंगाना के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। इनमें जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां प्रमोशन पर सुप्रीम कोर्ट जज बनकर गए।

गौरतलब है कि 13 अप्रैल, 1964 को रायपुर में जन्मे आलोक अराधे ने 12 जुलाई, 1988 को वकील के रूप में नामांकन कराया।

न्यायमूर्ति आलोक अराधे जबलपुर में मध्य प्रदेश के उच्च न्यायालय में सिविल और संवैधानिक, मध्यस्थता और कंपनी मामलों से निपटने का अभ्यास किया। उन्हें 29 दिसंबर, 2009 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश और 15 फरवरी, 2011 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति आलोक अराधे ने 17 नवंबर, 2018 को कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली और 3 जुलाई, 2022 को कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला था।

## कुछ लोग कुछ नहीं कर रहे इसलिए सब सुचारू ढंग से चल रहा

### संघ प्रमुख मोहन भागवत का विपक्ष पर तंज

**मुंबई, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि देश में बुरी चीजों के मुकाबले अब अच्छी चीजों पर 40 गुना अधिक चर्चा हो रही है। उत्तरी मुंबई के कांदिवली में सुवर्णा अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद संघ प्रमुख ने यह बयान दिया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

भागवत ने कहा, कई बार नकारात्मक चर्चा सुनने को मिलती है। लेकिन जब हम देशभर में जाते हैं और देखते हैं तो हमें पता चलता है कि भारत में जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उस पर बुरी चीजों के मुकाबले 40 गुना अधिक बात हो रही है।

भागवत ने कहा कि आग के समय देश के उत्कर्ष का कारण सरकार की नीतियां और सरकार में मौजूद जिम्मेदार लोगों का काम है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि चीजें भी सुचारू ढंग से चल रही हैं क्योंकि कुछ लोग कुछ नहीं करते। अगर वे काम करेंगे तो जरूर दिक्कतें होंगी।

उन्होंने कहा, आज के समाज में सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य भी आवश्यक हो गए हैं। भागवत ने कहा, अच्छा या बुरा तय करने का पैमाना क्या है? कुछ ऐसा होता है जो दिखाई देता है और दूसरी ओर कुछ ऐसा होता है जो असल में होता है। कोई इसे ऐसे दिखा सकता है कि यह हो गया, भले ही वह न हुआ हो।

## चंद्रयान-3 की आज पहली बड़ी अग्नि परीक्षा

### चंद्रमा की ऑर्बिट में होना है दाखिल, सब सही रहा तो 23 अगस्त को लैंडिंग

**नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को लॉन्च किया गया था। वहीं अब यह चंद्रमा की ऑर्बिट में जाने वाला है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि आज (सोमवार) पृथ्वी का चक्कर लगाते हुए चंद्रमा की ऑर्बिट की तरफ बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह चंद्रमा की ऑर्बिट में जाएगा और उसके बाद यह सबसे इनर सरफेस में जाएगा।

**23 अगस्त को चंद्रयान 3 होगा लैंड**

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि चंद्रमा की ऑर्बिट में जा कर यह शिनाख्त करेगा कि साउथ पोल एरिया में कहां पर इसे लैंड होना है। जितेंद्र सिंह ने बताया कि अगस्त के पहले सप्ताह में यह चंद्रमा की ऑर्बिट में पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3, 23 अगस्त को साउथ पोल एरिया में एक जगह पर लैंड हो जाएगा।

पृथ्वी से चंद्रमा तक पहुंचने के लिए चंद्रयान-3 ने 5 बार अपने ऑर्बिट को बदला है। पृथ्वी और चंद्रमा के बीच का जो रास्ता है, उसे हाइवे कहा जाता है। चंद्रयान की पेरोजी और एपोजी भी बदली गई है। अब चंद्रयान 71,351 किलोमीटर की एपोजी और और 233 किलोमीटर की पेरोजी में चक्कर लगा रहा है।

बता दें कि 17 अगस्त को प्रोपल्शन सिस्टम लैंडर-रोवर से अलग होगा। मॉड्यूल के अलग होने के बाद लैंडर- रोवर को चंद्रमा की कक्षा में डाला जाएगा। इसे ऑर्बिट में लाने के लिए चंद्रयान-3 की डीबूस्टिंग की जाएगी। मतलब उसकी गति कम की जाएगी। 23 अगस्त को लैंडिंग की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

चंद्रयान-3 चांद की सतह पर लैंडिंग का प्रयास कर रहा है। ऐसी जगह पर यह लैंडिंग का प्रयास कर रहा है, जहां पर अब तक किसी भी देश ने लैंडिंग की कोशिश तक नहीं की है। दुनिया में 11 देश हैं, जिन्होंने अपने मून मिशन भेजे हैं। अगर भारत का यह मिशन सफल होता है, तो दक्षिणी ध्रुव के पास लैंडर उतारने वाला भारत पहला देश बन जाएगा। चंद्रयान-3 को दक्षिणी ध्रुव के पास उतारा जा रहा है न कि दक्षिणी ध्रुव पर। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के नजदीक स्थित मंजिनेस-ये क्रेटर के पास चंद्रयान-3 को उतार सकता है।

## राफेल में स्वदेशी हथियार चाहती है एयरफोर्स

### फाइटर जेट बनाने वाली कंपनी से कहा- स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन फिट करें, अस्त्र मिसाइल भी लगाएं

**नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** भारतीय वायुसेना ने फ्रांस की एविएशन कंपनी दसॉ से राफेल लड़ाकू विमान पर 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल जैसे स्वदेशी हथियारों को असेंबल करने कहा है। इस कदम को डिफेंस एरिया में 'मेक इन इंडिया' के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद भारत में बने हथियारों के लिए ग्लोबल मार्केट खुल जाएगा।

राफेल फाइटर प्लेन 2020 में एयरफोर्स में शामिल किया गया था। भारत के पास फिलहाल 36 राफेल हैं। दसॉ 90 देशों में 10 हजार से ज्यादा फाइटर प्लेन सप्लाई करती है। भारत के अलावा फ्रांस, मिस्र, कतर के पास भी राफेल हैं। वहीं, ग्रीस, क्रोएशिया, यूएई और इंडोनेशिया ने राफेल के लिए ऑर्डर दिए हैं।

**स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन लगाने की मांग**

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने दसॉ एविएशन से स्मार्ट एंटी एयरफील्ड वेपन (एसएएडब्ल्यू) और अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल जैसे भारत में बने हथियारों को राफेल के साथ असेंबल करने के लिए कहा है। इन हथियारों को डीआरडीओ ने बनाया है। इन मिसाइलों और बमों के अलावा आने वाले समय में प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों के लंबी दूरी के ग्लाइड बमों और कई स्वदेशी हथियारों को राफेल में फिट करने की प्लानिंग है।

**सुखोई में हो रहा है भारतीय हथियारों का इस्तेमाल**

इंडियन वेपन सिस्टम का इस्तेमाल पहले से ही सुखोई (एसयू-30 एमकेआई) और स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस में हो रहा है। अधिकारियों ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों ने ऐसी मिसाइलें और बम भी बनाए हैं, जो लंबी दूरी से वार कर सकते हैं और राफेल पर लगाए जा सकते हैं।

**एयरफोर्स के बाद नेवी के लिए भी खरीदे जा सकते हैं 26 राफेल**

भारत नेवी के लिए फ्रांस से 26 राफेल-एम यानी मैरीटाइम लड़ाकू विमान खरीद सकता है। नौसेना ने पिछले दिनों औपचारिक रूप से रक्षा मंत्रालय को 5 से 6 बिलियन डॉलर यानी 41 से 49 हजार करोड़ रुपये में राफेल-एम लड़ाकू विमान खरीदने के अपने इरादे के बारे में बताया था।

## मणिपुर वायरल वीडियो के बाद मिजोरम में दहशत

### मिजो नेशनल फ्रंट ने कहा- छोड़ दो राज्य

**इंफाल, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** मणिपुर में 4 मई को भीड़ ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया था। 19 जुलाई को इसका वीडियो सामने आने के बाद राज्य में हिंसा बढ़ गई है। अब पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी खतरा मंडरा रहा है। अंडरग्राउंड मिजो नेशनल फ्रंट के मिलिटेंट्स के संगठन पीस अकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन ने एक बयान जारी करके कहा कि मिजोरम में रहने वाले मैतेई लोगों को उनकी सुरक्षा के मद्देनजर राज्य छोड़ देना चाहिए। इस वक्त मीजो समुदाय की भावनाएं आहत हैं।

डर के कारण मैतेई समुदाय के 40 लोग शनिवार को मिजोरम राज्य छोड़कर मणिपुर की राजधानी इंफाल आ गए हैं।

>14

## 3 युवतियों को इस्लाम कबूल कराया

**अमृतसर, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समूहों पर जुर्म लगातार जारी है। बीते दिनों करोड़ों रुपये की प्रॉपर्टी के लिए मंदिर को तोड़ दिया गया था। हिंदू व सिख युवतियों का धर्म परिवर्तन करवाया जा रहा है। अल्पसंख्यक समूह के पीड़ित परिवारों ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट करके विदेश मंत्रालय से हस्ताक्षेप करने को कहा।

धर्म परिवर्तन की यह घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जिला रहीम यार खान की है। पंजाब प्रांत के सादिकाबाद में रहने वाले हिंदू लेहलाराम पन्हवर की 3 बच्चियां 16 व उससे कम उम्र की परमेश, रोशनी और चांदनी को अगवा कर लिया गया। उन्हें पहले ही शक था कि उनकी बेटियों का जब्री धर्म परिवर्तन करवाया जाएगा।

परिवार ने पुलिस से सहयोग मांगा, लेकिन कोई सहायता नहीं मिली, जिसके बाद परिवार को पता चला कि यह तीनों बच्चियां उनके जिले से 60 किलोमीटर दूर डहरकी में पीर मियां जावेद अहमद कादरी के घर पर कैद हैं। उनकी बेटियों की एक वीडियो भी वायरल हुई, जिनमें उनकी बच्चियों को जबरन इस्लाम कबूल करवाया जा रहा है। पाकिस्तान में पुलिस प्रशासन से मदद मांगने के बाद भी इंसाफ न मिलता देख लेहलाराम पन्हवर ने अब भारत सरकार से अपील की है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि परिवार उनके संपर्क में है। उन्होंने मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स से पाकिस्तान के इन अल्पसंख्यक परिवारों की मदद के लिए आगे आने की अपील की है।

## बरेली में कांवड़ियों पर पथराव

### वनखंडी नाथ मंदिर से 150 मीटर पहले फेंके गए पत्थर, 6 कांवड़िए घायल, 5 थाने की फोर्स पहुंची, हंगामा

**बरेली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** यूपी के बरेली में रविवार को कांवड़ियों पर पथराव कर दिया गया। जिससे अफरा-तफरी मच गई। पथराव में 6 कांवड़िए घायल हुए हैं। करीब 15 मिनट तक पथराव किया गया। हंगामे की सूचना मिलते ही 5 थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। इलाके में भारी तनाव है और मौके पर जमकर हंगामा हो रहा है। कांवड़िए धरने पर पर बैठ गए हैं।

कांवड़िए वनखंडी नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे थे। वे अभी मंदिर से 150 मीटर दूरी पर थे, तभी बारादरी इलाके में धार्मिक स्थल के पास अराजक तत्वों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ युवक पथराव करते दिखाई दे रहे हैं।

वहीं, घटना से कांवड़ियों में आक्रोश है। वे आरोपियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मौके पर एसएसपी प्रभाकर चौधरी और एसपी सिटी राहुल भाटी ने भी घटना की जानकारी ली। बता दें कि सावन का तीसरा सोमवार है। बड़ी संख्या में कांवड़िए मंदिर पहुंच रहे हैं।

**माहौल बिगाड़ने का प्रयास**

शहर में मोहर्रम और कांवड़ यात्रा के चलते अराजक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। पथराव के बाद पुलिस के सामने भी कुछ लोग हंगामा करते रहे। बताया जा रहा है कि तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। कांवड़िए जोगी नवादा में मस्जिद के पास ही पहुंचे थे कि अराजक तत्वों ने पथराव कर दिया।

**कांवड़ मार्ग और मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाई गई**

पथराव की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शहर में कांवड़ मार्ग और मुख्य मंदिरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मौके पर भारी भीड़ है, जहां कावड़ियों के अलावा हिंदू लोग भी पहुंचे हैं।

एसपी सिटी राहुल भाटी ने बताया कि बारादरी में गोसाई गौटिया मोहल्ले में कांवड़ यात्रा निकल रही थी तभी कुछ शरारती तत्वों ने पत्थरबाजी की। पुलिस ने मामला शांत करा दिया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज होगा। जिस व्यक्ति पर आरोप था, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

>14

## श्रीलंका में शुरू हो सकता है भारतीय रुपए का इस्तेमाल

### विदेश मंत्री बोले- डॉलर, यूरो के बाद रुपए में लेनदेन पर कर रहे विचार

**कोलंबो, 23 जुलाई (एजेंसियां)।** आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका में भारतीय रुपए में लेनदेन शुरू हो सकता है। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने ये जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि डॉलर, यूरो और येन के बाद हम रुपए को भी लेनदेन की करेंसी बनाने पर विचार कर रहे हैं।

साबरी ने ये बयान श्रीलंकाई राष्ट्रपति के भारत दौरे के एक दिन बाद दिया है। साबरी ने कहा इससे श्रीलंका आने वाले भारतीय पर्यटकों और व्यापारियों को फायदा होगा। उन्हें करेंसी बदलवाने के झंझट से छुटकारा मिल जाएगा।

**रुपए के सहारे सुधरेगी अर्थव्यवस्था**

श्रीलंका 2022 में आए आर्थिक संकट से उबरने की पूरी कोशिश कर रहा है। रुपए का इस्तेमाल लोकल करेंसी के तौर पर करना उन्हीं कोशिशों का हिस्सा है। दरअसल, श्रीलंका अपना ज्यादातर सामान भारत से आयात करता है।

इनमें खाना, दवाएं, कंस्ट्रक्शन मटेरियल, ऑटोमाबाइल, फर्टिलाइजर्स और केमिकल्स शामिल हैं। दोनों देशों के बीच 2021 में 44 हजार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ था। साबरी ने कहा कि श्रीलंका को भारतीय रुपए की जरूरत है। ऐसे में लोग यहां आकर अगर भारतीय रुपए खर्च करेंगे तो इससे हमें फायदा होगा।

## खजुराहो में होगा पांचवें हेलीकॉप्टर और लघु विमान शिखर सम्मेलन का आयोजन, सिंधिया-शिवराज करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पांचवें हेलीकॉप्टर और लघु विमान शिखर सम्मेलन 25 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय, एमपी सरकार, पवन हंस लिमिटेड और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से इसका आयोजन किया जाएगा। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और एमपी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पांचवें हेलीकॉप्टर और लघु विमान शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

## दिल्ली में पुलिस कस्टडी में युवक की मौत, रात में मेडिकल हुआ, सुबह नहीं बची जान

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के सुभाष पैलेस थाने में पुलिस कस्टडी में युवक की मौत का मामला सामने आया है। ये युवक आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले में एक दिन की पुलिस की हिरासत में था। रात में उसका मेडिकल टेस्ट हुआ और सुबह उसकी जान चली गई। मरने वाले का नाम सहादत शेख था और जहांगीरपुरी इलाके का रहने वाला था। पुलिस का कहना है कि लॉकअप में युवक की अचानक तबीयत बिगड़ी। अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। डीसीपी का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि रविवार सुबह करीब 6.30 बजे उत्तर पश्चिमी जिले के सुभाष पैलेस थाने में कस्टडी में युवक की मौत की सूचना मिली थी। मरने वाले शेख सहादत (36 साल) पुत्र शेख रेखू उर्फ रहमान जहांगीरपुरी का रहने वाला था। शेख सहादत और 4 अन्य लोगों पर धारा 25/35/54/59 आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज की गई

# गुजरात-महाराष्ट्र में बाढ़, दिल्ली में फिर यमुना खतरे के निशान से पार

अभी और डराएगी आसमानी आफत

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर भारत के राज्यों में वेस्टर्न डिस्टरबेंस और मानसून के बादल एक साथ बरसे तो आसमानी बारिश ने आफत का रूप ले लिया। कई राज्यों में बाढ़ आ गई और जन जीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया। अभी भी उत्तर भारत के कई इलाकों में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। आफत के बादलों का रुख अब गुजरात और महाराष्ट्र की तरफ हो गया है, जहां कई इलाकों में 250 मिमी से ज्यादा बारिश एक ही दिन में दर्ज की गई है। कई इलाकों में आज यानी रविवार को भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में भी यमुना का पानी एक बार फिर से डराने लगा है। दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने लगा है। रविवार की सुबह जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर 205.75 मीटर दर्ज किया गया। इससे अभी भी दिल्ली के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। यमुना के जलस्तर के बढ़ने की पहले ही आशंका जताई जा चुकी थी। दरअसल शनिवार को हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से दिल्ली की तरफ यमुना नदी में 2 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया था, इससे यमुना के

जलस्तर में बढ़ोतरी की आशंका पहले ही जता दी गई थी। अगर यमुना का जलस्तर 206.7 मीटर तक पहुंच जाता है तो यमुना खादर के कई इलाकों में पानी घुस सकता है और बाढ़ आ सकती है।

**सौराष्ट्र और जूनागढ़ में बाढ़**

उत्तर भारत में तबाही का मंजर दिखाने के बाद आसमानी आफत ने गुजरात का रुख कर लिया। दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। सूबे के नवसारी और जूनागढ़ शहर बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। शनिवार सुबह से जूनागढ़ में बारिश शुरू हुई और ये लगातार होती रही। शाम चार बजे तक जूनागढ़ में 219 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं दक्षिण गुजरात के नवसारी में भी बारिश ने काफी उत्पात मचाया। नवसारी में शनिवार शाम 4 बजे तक 303 मिमी और जलालपोर में 276 मिमी बारिश दर्ज की गई। नवसारी में आई बाढ़ के चलते मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाई वे पर भी शनिवार को जाम लग गया था।

**रविवार को भी बारिश का अलर्ट**

गुजरात के द्वारका, भावनगर, भरूच, सूरत, तापी, वलसाड और अमरेली वो जिले हैं, जो शनिवार को भारी बारिश से प्रभावित हुए। मौसम विभाग का कहना है कि अभी ये आफत टली नहीं है। साथ ही उन्होंने दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के जिलों को रविवार के दिन भी बारिश के लिए तैयार रहने का अलर्ट दिया है। मौसम विभाग ने 26 जुलाई तक गुजरात के मछुवारों को भी समुद्र की तरफ न जाने की चेतावनी जारी की है। कई इलाकों में राहत और बचाव अभियान के लिए एनडीआरएफ की टीम को उतारा गया है। गुजरात में हो रही भारी बारिश को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सूबे के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात कर स्थिति का जायजा लिया। अमित शाह लगातार गुजरात के अधिकारियों से संपर्क में बने हुए हैं।

**महाराष्ट्र में ऑरेंज अलर्ट**

महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से कई इलाकों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। भिवंडी में हुई मूसलाधार बारिश के चलते इलाके में बाढ़ आ गई और कई गाड़ियां-मकान इसमें डूब गए। यवतमाल जिले के आनंद नगर गांव में कई लोग बाढ़ में फंस गए थे, जिन्हें भारतीय वायु सेना की मदद से बाहर निकाला गया। यवतमाल में शनिवार को ही 240 मिमी बारिश हुई थी, जिसके चलते कई इलाकों में बाढ़ आ गई। रविवार को भी सूबे के कई इलाकों में भारी बारिश की आशंका है। मौसम विभाग ने पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरि और सिंधुदुर्ग में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं राजधानी मुंबई को भी येलो अलर्ट जारी किया गया है।

**हिमाचल-मध्य प्रदेश में भी बारिश**

हिमाचल प्रदेश में भी वेस्टर्न डिस्टरबेंस और मानसून के बादल जब से मिलकर बरसे हैं, तब से हालात सामान्य नहीं हो सके हैं। हिमाचल में लगातार बादल फटने की घटनाओं के चलते कई इलाकों में बाढ़ आ रही है। वहीं मध्य प्रदेश के भी कई जिलों में तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। रविवार को भी सूबे के कई इलाकों को भारी बारिश के लिए अलर्ट रहने के लिए कहा गया है।

## बंगाल में सरेआम भाजपा कार्यकर्ता की चाकू मारकर हत्या सत्ताधारी टीएमसी के लोगों पर आरोप

कोलकाता, 23 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में कथित तौर पर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोगों के एक समूह द्वारा एक कपड़ा व्यापारी की चाकू मारकर हत्या करने का एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर पिछले कुछ दिनों से विजनेसमैन से पैसे वसूलने की कोशिश कर रहे थे और शनिवार को भी इसी इरादे से आए थे। सीसीटीवी फुटेज में तीन से चार लोग एक व्यापारी की दुकान में घुसते और उसे पकड़ते हुए नज़र आ रहे हैं। इसके बाद हमलावरों ने व्यापारी पर चाकू से वार करना शुरू कर दिया। दूसरे व्यापारी ने रोकने का प्रयास किया, तो वह भी घायल हो गया। दोनों को सिलीगुड़ी के एक अस्पताल ले जाया गया जहां उनमें से एक असीम साहा को मृत घोषित कर दिया गया। विपक्षी भाजपा ने दावा किया है कि मृतक उनकी पार्टी का कार्यकर्ता था और हत्या के मद्देनजर इस्लामपुर में 12 घंटे के बंद की घोषणा की है।

# अंबेडकर नहीं, अदालतों में लगेंगी सिर्फ महात्मा गांधी और तिरुवल्लुवर की तस्वीरें: मद्रास हाई कोर्ट

चेन्नई, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट ने अदालतों में डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें भी लगाने की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि अदालतों में सिर्फ महात्मा गांधी और संत तिरुवल्लुवर की तस्वीरें ही लगेंगी। मद्रास हाई कोर्ट की पूर्ण अदालत ने तमिलनाडु की अदालतों और अदालत परिसरों में महात्मा गांधी और संत तिरुवल्लुवर के अलावा किसी भी शख्सियत की तस्वीरें, मूर्तियां या चित्र नहीं रखने का अपना फैसला दोहराया है। इससे पहले 11 अप्रैल को भी अदालत ने यह व्यवस्था दी थी। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने राज्य की अदालतों में डॉ. बीआर अंबेडकर की तस्वीर लगाने के विभिन्न अधिवक्ता संघों के अनुरोध को खारिज कर दिया। वहीं, आम जन से जुड़े एक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के हत्या के एक मामले में आरोपी को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्यक्षदर्शी की अनुपस्थिति में वह अपराध की मंशा साबित करे। जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्ला की पीठ ने कहा कि मामले के सभी गवाहों ने बताया है कि याचिकाकर्ता और मृतक के बीच कोई दुश्मनी नहीं थी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कहा है कि दूसरी पत्नी पति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए (विवाहित महिला के साथ क्रूरता) के तहत शिकायत दर्ज नहीं करा सकती। हाल ही में एक व्यक्ति को धारा 498ए के तहत सुनाई गई सजा रद्द करते हुए हाई कोर्ट के जस्टिस एस. रचैया ने यह टिप्पणी की। सजा इसलिए रद्द की गई है, क्योंकि उसकी दूसरी पत्नी की शिकायत पर मुकदमा चलाया गया था और उसे सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने कहा, दूसरी पत्नी द्वारा पति और उसके ससुराल वालों के खिलाफ दायर की गई शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने निचली अदालतों के आदेश को रद्द कर दिया।

## यवतमाल जिले में भारी बारिश, बाढ़ में फंसे 45 लोगों को बचाने के लिए वायुसेना से मांगी मदद

नागपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के यवतमाल में भारी बारिश के चलते बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। बाढ़ के कारण फंसे 45 लोगों को बचाने के लिए जिला प्रशासन ने वायुसेना से मदद मांगी है। इस पर वायु सेना ने राहत और बचाव कार्य में एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर को लगाया है। महाराष्ट्र के यवतमाल में रात हुई भारी बारिश से जिले के कई रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए और शनिवार को भी कई घरों में पानी घुस गया। बीती रात यवतमाल में लगभग 4 घंटे तक बारिश हुई। नतीजतन शहर की सड़कों पर पानी भर गया और सुबह 4 बजे बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि 500 से ज्यादा घर पानी में डूब गए हैं। इस पर जिला प्रशासन ने वायुसेना से एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर की मांग की है।

## 2024 में विपक्ष के 'इंडिया' को मिलेगी कितनी सीटें? एआईयूडीएफ नेता ने बताया हैरान करने वाला नंबर

बेंगलुरु, 23 जुलाई (एजेंसियां)। बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाली आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने 2024 के चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। एआईयूडीएफ ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों का बनाया हुआ इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया 300 से ज्यादा सीटें जीतेगा। एआईयूडीएफ का ये बयान रविवार को आया है। असम से एआईयूडीएफ विधायक और पार्टी के जनरल सेक्रेटरी अमीनुल इस्लाम ने एएनआई को बताया कि 'इंडिया' सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को केंद्र की सत्ता से उखाड़ फेंका। इसके एक दिन पहले शनिवार को एआईयूडीएफ ने विपक्षी दलों के गठबंधन को समर्थन की घोषणा की थी। अमीनुल इस्लाम ने कहा, 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' 320 से 330 सीटें जीत सकता है। लेकिन कांग्रेस पार्टी को कुछ छूट देनी होगी। उन्हें सभी सेक्युलर पार्टियों को स्वीकार करना होगा। एनडीए में 38 पार्टियों के बीजेपी के साथ होने के दावे पर इस्लाम ने कहा, बीजेपी के पास अकेले 301 सीट है, जबकि बाकी 38 पार्टियों के पास मिलाकर 31 लोकसभा सीट है। उन्होंने कहा, एनडीए में कई पार्टियों के पास एक भी सांसद नहीं है। दूसरी, तरफ विपक्षी पार्टियों के पास 205 सांसदों की ताकत है। कुछ और भी पार्टियां हैं, जो न तो एनडीए के खेमे हैं और न ही 'इंडिया' गुट में, इनके पास 64 लोकसभा सीट हैं।

## एसडीपीआई अध्यक्ष नेल्लई मुबारक के आवास पर एनआईए की छापेमारी, 9 जिलों के 21 स्थानों पर तलाशी अभियान जारी

चेन्नई, 23 जुलाई (एजेंसियां)। एनआईए की छापेमारी: राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए रविवार को तमिलनाडु में 21 जगहों पर छापेमारी और तलाशी कर रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने रविवार को तंजावुर जिले के तिरुभुवनम में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के पूर्व पदाधिकारी की 2019 में हुई हत्या के सिलसिले में तमिलनाडु भर में कई स्थानों पर तलाशी ली। तिरुनेलवेली जिले में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) नेता मुबारक के आवास पर भी छापेमारी की जा रही है।

**कैसे हुई रामलिंगम की हत्या**

रामलिंगम ने शहर में कुछ कथित धर्मांतरण प्रयासों पर सवाल उठाया था, जिसके बाद उनकी कुछ लोगों के एक समूह ने हत्या कर दी थी। एनआईए ने हत्या के सिलसिले में कुछ लोगों को पहले ही पकड़ लिया है, जबकि कुछ संदिग्ध फरार बताए जा रहे हैं। सूत्रों ने विस्तृत जानकारी दिए बिना बताया कि रविवार को राज्य के मदुरै, तंजावुर, तिरुनेलवेली और मयिलादुथुरई जिलों सहित विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली गई है।

**पीएफआई पर प्रतिबंध के बाद से हो रही छापेमारी**

गौरतलब है कि प्रमुख जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध के बाद तमिलनाडु में कई छापे मारे हैं। राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने राज्य में कई सामाजिक संगठनों के बैनर तले प्रतिबंधित पीएफआई के फिर से संगठित होने के खिलाफ अलर्ट जारी किया गया है। छले साल दिवाली पर हुए कार बम विस्फोट में एक 29 वर्षीय युवक की जलकर मौत हो गई थी, जिसके बाद केंद्रीय एजेंसियों ने राज्य में इस्लामी ताकतों के खिलाफ अपनी रणनीति जांच बढ़ा दी है।

## मैं नहीं चाहता कि मेरी बीवी पढ़े-लिखे, पति ने परीक्षा हॉल में घुसकर फाड़ी पत्नी की कॉपी

शिवपुरी, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के पिछोर के छत्रसाल महाविद्यालय में संचालित हो रही भोज मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा दे रही एक महिला के पति ने परीक्षा हॉल में आकर उसकी कॉपी फाड़ दी। महिला का पति अचानक से परीक्षा कक्ष में घुस आया और सीधे पत्नी की सीट पर पहुंचकर उसकी कॉपी फाड़ दी। जैसे ही पति ने कॉपी फाड़ी तो महिला मौके पर फूट-फूट कर रोने लगी, इसके बाद पर्यवेक्षक महिला के पति को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पति ने हाथ से छुड़ाकर फाड़ी पत्नी की परीक्षा कॉपी: जानकारी के अनुसार महिला शनिवार को पिछोर के छत्रसाल महाविद्यालय में परीक्षा देने के लिए पहुंची थी, इसी दौरान जब वह अन्य छात्र-छात्राओं के पर्यवेक्षक की मौजूदगी में अपने प्रश्नपत्र के उत्तर लिख रही थी, तभी अचानक उसका पति मनमोहन लोधी (निवासी-संकटमोचन कॉलोनी) वहां पर आया और सीधे पत्नी की सीट पर पहुंचकर उसके(पत्नी) के हाथ से छुड़ाकर कॉपी फाड़ दी।

# 'मणिपुर के हालात की तुलना बिहार-राजस्थान से कैसे कर सकते हैं?', बीजेपी पर भड़के पी चिदंबरम

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के सीनियर नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने मणिपुर के हालात की तुलना बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान से करने के लिए बीजेपी पर निशाना साधा। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर राज्य की सरकार का पतन हो गया है, जबकि केंद्र 'स्व-प्रेरित कोमा' में है। मणिपुर के हालात पर एक ओर विपक्ष लगातार बीजेपी को घेर रहा है तो वहीं बीजेपी बंगाल, राजस्थान और बिहार में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं को उठा रही है और इनमें विपक्ष की चुप्पी पर सवाल उठा रही है। वहीं विपक्ष ने मणिपुर पर बहस से बचने के लिए ध्यान भटकाने वाली रणनीति बताया है। मणिपुर में तीन मई को शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद से अबतक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हो गए हैं। जब मैतेई समुदाय की एसटी में शामिल होने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किया गया था। चिदंबरम ने अपने ट्वीट में कहा कि हम मान रहे हैं कि बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हुईं, लेकिन यह मणिपुर में जारी हिंसा को कैसे माफ कर सकता है? पूर्व गृह मंत्री ने पूछा, क्या घाटी में कोई कुकी बचा है? क्या चुराचांदपुर और मणिपुर के अन्य पहाड़ी जिलों में कोई मैतेई बचा है? उन्होंने कहा, अगर रिपोर्ट सच है तो मणिपुर में लगभग पूरा जातीय सफाया हो चुका है। चिदंबरम ने जोर देकर कहा कि ऑब्जेक्टिव असेसमेंट के आधार पर, मणिपुर में संवैधानिक सरकार का पतन हो गया है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों का आदेश उनके घरों और कार्यालयों से आगे नहीं चलता है।

**मणिपुर की तुलना दूसरे राज्यों से कैसे?**

उन्होंने कहा, मणिपुर की स्थिति की तुलना बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान की स्थिति से कैसे की जा सकती है? केंद्र सरकार न केवल अक्षम और पक्षपातपूर्ण है, बल्कि जब वह घृणित तुलनाओं के पर्दे के पीछे छिपती है तो वह संवेदनहीन और क्रूर होती है।

**कोमा में भारत सरकार: चिदंबरम**

चिदंबरम ने कहा कि अगर बिहार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कड़ी कार्रवाई की जरूरत है तो निश्चित रूप से राज्य सरकारों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दें, लेकिन यह मणिपुर में हो रही बर्बरता को माफ नहीं करता है। उन्होंने कहा, मणिपुर की सरकार गिर गई है। भारत सरकार स्व-प्रेरित कोमा में है।

**वीडियो वायरल होने के बाद बढ़ा तनाव**

मणिपुर में 4 मई का एक वीडियो वायरल होने के बाद बुधवार को तनाव और बढ़ गया, जिसमें एक समुदाय की महिलाओं को दूसरे पक्ष के पुरुषों के एक समूह ने नग्न परेड कराया और उनके साथ दरिंदगी की।

**मणिपुर में 53 फीसदी मैतेई समुदाय**

मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या करीब 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी 40 प्रतिशत हैं, जिनमें नागा और कुकी शामिल हैं और ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

# 'एआई, चैट जीपीटी चुटकुले से लेकर कानूनी विषयों को लिखने में हो रहा इस्तेमाल', सीजेआई चंद्रचूड़ ने गिनाईं टेक्नोलॉजी की खासियतें

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और चैट जीपीटी जैसे सॉफ्टवेयर ने जिंदगी को आसान बना दिया है। आज इन सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल चुटकुले बनाने से लेकर कोडिंग और यहां तक की कानूनी विषयों को लिखने के लिए भी हो रहा है। उन्होंने आईआईटी मद्रास के 60वें दीक्षांत समारोह में टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर यह बात कही। उन्होंने कहा, आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) ऐसा शब्द है जो हर किसी की जुबान पर है। इसके माध्यम से कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर की क्षमता बढ़ाने में मदद मिली है। इसके साथ ही चैट जीपीटी साफ्टवेयर का

उपयोग भी बढ़ा है। चुटकुले बनाने से लेकर कोडिंग करने और कानूनी विषयों को लिखने तक में इसका इस्तेमाल देखा जा रहा है।

**सीजेआई बोले, इस पर भी ध्यान दें कि टेक्नोलॉजी मानव विकास में कैसे मदद कर सकती है**

उन्होंने यह भी बताया कि सुप्रीम कोर्ट में भी कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग (सीधे प्रसारण) के लिए पायलट आधार पर एआई का उपयोग किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि जब हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि साइंस और टेक्नोलॉजी किस प्रकार से मानव विकास में मदद कर सकते हैं। इस दौरान, उन्होंने टेक्नोलॉजी का गलत मकसद के लिए इस्तेमाल किए जाने को लेकर आगाह भी किया और कहा कि इसका दुरुपयोग करके लोगों के मन में भय पैदा नहीं करना चाहिए वरना लोग खुलकर अपने विचार व्यक्त नहीं कर पाएंगे।

**टेक्नोलॉजी के दुरुपयोग रोकने के लिए भी किया आगाह**

उन्होंने कहा कि जल्दी और त्वरित संवाद के लिए सोशल मीडिया और एआई के दुरुपयोग को रोकने के लिए टेक्नोलॉजी को समर्थ होना चाहिए क्योंकि मानवीय मूल्य और प्राइवेसी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ऑनलाइन धमकी, अपशब्द कहने और परेशान किए जाने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं और यह बात भी स्पष्ट होती है कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हानिकारक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

# पति-पत्नी ने लूटा 2.5 टन टमाटर लदा ट्रक, बेचकर हुए फरार, बेंगलुरु पुलिस ने यूं किया गिरफ्तार

बेंगलुरु, 23 जुलाई (एजेंसियां)। टमाटर की कीमत इतनी बढ़ गई है कि सोने-चांदी की तरह इसकी लूट होने लगी है। कर्नाटक से ऐसी ही एक घटना सामने आई है। पुलिस ने तमिलनाडु के वेल्लोर जिले से पति-पत्नी को टमाटर लदा ट्रक लूटने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पति की पहचान 28 साल के भास्कर और पत्नी की पहचान 26 साल की सिंधुजा के रूप में हुई है। इन्होंने 2.5 टन टमाटर लदा ट्रक लूट लिया था। पति-पत्नी हाईवे पर लूट करने वाले आपराधिक गिरोह से जुड़े हुए हैं। लूट की घटना 8 जुलाई को हुई थी। चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर में रहने वाले किसान मल्लेश अपने खेत में उपजे टमाटर को ट्रक में लोड कर बेचने के लिए कोलार बाजार जा रहे थे। इसी दौरान कार सवार आरोपी पति-पत्नी ने उन्हें रोका और दावा किया कि ट्रक की टक्कर लगने से उनकी कार को नुकसान हुआ है। आरोपियों ने नुकसान की भरपाई के लिए मोटी रकम डिमांड की। मल्लेश ने पैसे देने से इनकार कर दिया। इसके बाद लुटेरों के गिरोह ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें ट्रक के साथ अगवा कर लिया। मल्लेश को लुटेरों को ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद उन्हें देवनहल्ली के पास ट्रक से बाहर धकेल दिया गया। गिरोह के अपराधी ट्रक को लेकर फरार हो गए। वे ट्रक चेन्नई ले गए और टमाटर बेच दिए। इसके बाद बेंगलुरु के पीन्या के पास ट्रक को छोड़ दिया और बिना नंबर वाली गाड़ी में सवार होकर भाग गए। किसान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद बेंगलुरु पुलिस एक्शन में आई। आरएमसी यार्ड पुलिस ने ट्रक के मूवमेंट को ट्रैक किया। इसके साथ ही लुटेरों की कुंडली भी खंगाली। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पति-पत्नी की पहचान की गई।

पुलिस टीम ने आरोपी को तमिलनाडु के वेल्लोर जिले के वानियमबाड़ी शहर के पास से गिरफ्तार किया। तीन अन्य संदिग्ध रॉकी, कुमार और महेश अभी भी फरार हैं। पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चला रही है। लूटे गए टमाटर की कीमत करीब 2.5 लाख रुपए थी। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 364ए (अपहरण या अपहरण) और 392 (डकैती के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सुविचार
अगर आपके दिल और दिमाग के बीच संघर्ष चल रहा हो, तो हमेशा अपने दिल की सुनो।

## मणिपुर में हुई घटना के विरोध में टीचर संघ ने किया प्रदर्शन

### पीएम मोदी से की अपनी चुप्पी तोड़ने की मांग

कुमरमभीम आसिफाबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मणिपुर में हुई घटना के विरोध में टीचर संघ यूनाइटेड वेदिका की ओर से कागजनगर डिविजन सेंटर के राजीव चौरास्ता पर टीएसयूटीएफ, टीपीआरटीयू, एटीए और टीयूटीएफ द्वारा विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया।इस अवसर पर टीएसयूटीएफ, टीपीआरटीयू, एटीए, टीयूटीएफ विभिन्न संघों के नेता वैद्य शांति कुमारी, श्यामसुंदर, तलंदी लक्ष्मण, नागेश, कटकम मधुकर ने कहा कि मणिपुर राज्य में पिछले 80 दिनों से मरण होम चल रहा है। सैकड़ों आदिवासी और अन्य लोग मारे जा रहे हैं। अफसोस की बात है कि केंद्र सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कहने वाली महिलाओं की चींटियों की तरह मसले जा रही है। केंद्र सरकार उस राज्य में शांति स्थापित करने में पूरी तरह से विफल रही है, लेकिन यह इस तरह से हो रहा है कि महिलाओं को नग्न घुमाया जा रहा है और सामूहिक बलात्कार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी से मांग की कि आरोपियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

उन्होंने मणिपुर राज्य के मुख्यमंत्री पर यह टिप्पणी करने का आरोप लगाया कि राज्य में हो रही सैकड़ों हत्याओं और महिलाओं के साथ बलात्कार के कारण इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करना पड़ा, जो राज्य सरकार के शासन की विफलता का प्रमाण है। राष्ट्रपति, जो एक आदिवासी महिला हैं, उन्होंने ने देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी अपने चुनाव अभियान और विदेश यात्रा को छोड़कर राज्य में शांति लाने में असमर्थ हैं, जबकि मणिपुर में पिछले तीन महीनों से हत्याएं जारी हैं। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री ने शुरुआत में ही जवाब दिया होता तो सैकड़ों मौतें नहीं होती और महिलाओं पर सामूहिक अत्याचार नहीं होता। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि अगर कुकी जनजाति के किसी व्यक्ति का सिर काटकर फांसी दी गई, तो यह राज्य में आतंक के माहौल को दर्शाता है।

## अवैध रूप से दूध बेचने व खरीदने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अवैध रूप से दूध बेचने और खरीदने वाले दूध टैंकर ड्राइवरों सहित चार लोगों को रविवार को साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने पकड़ा। पकड़े गए व्यक्तियों के नाम वेंकन्ना, सचिन, चेतालाल और चेतन हैं। एक अन्य व्यक्ति शेखर फरार है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, एसओटी टीम ने शमशाबाद के टुंडापल्ली में एक खुले परिसर में छापा मारा और दूध टैंकरों के ड्राइवरों को शेखर और उसके सहयोगियों को अवैध रूप से दूध बेचते हुए पाया।

एक टैंकर से लगभग 40 से 100 लीटर दूध लिया जाता था। टैंकर मालिकों को डीसीपी स्पेशल ऑपरेशंस टीम, एमए रशीद ने कहा कि कुछ राशि का भुगतान किया गया और बाद में दूध को स्थानीय बाजार में भेज दिया गया। टैंकर में दूध की कमी की भरपाई पानी डालकर की गई। पुलिस ने उनके पास से दो दूध के टैंकर, 40 लीटर क्षमता वाले 83 दूध के डिब्बे, एक ऑटो रिक्शा जब्त किया।

## अल्पसंख्यक लाभार्थियों को एक लाख रुपये तक की 100% सब्सिडी, जीओ जारी

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चूंकि राज्य सरकार अल्पसंख्यकों के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए इसने अल्पसंख्यकों के बीच सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और संस्थागत विकास के उद्देश्य से कई नवीन योजनाएं बनाईं।

मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के अल्पसंख्यकों को वित्तीय मदद देने के फैसले का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदायों को आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जाति और धर्म के बावजूद सभी वर्गों में गरीबी खत्म करने के लिए सभी प्रयास कर रही है। सरकार पहले से ही योग्य वर्गों को समर्थन दे रही है। यह दोहराते हुए कि राज्य सरकार सभी अल्पसंख्यक समुदायों के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, केसीआर ने कहा कि शिक्षा और रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई योजनाएं लागू करके अल्पसंख्यकों की गरीबी और पिछड़ेपन को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दिशा में सरकार द्वारा क्रियान्वित कार्य योजना पहले से ही वांछनीय परिणाम दे रही है, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सभी संस्कृतियों और धार्मिक परंपराओं का समान रूप से समर्थन करके गंगा-जमुनी तहजीब की रक्षा करेगी।

इसी निर्देश के आधार पर तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कल्याण विभाग के जीओ नंबर 5 (बी.सी. कल्याण (डी) विभाग, दिनांक 6 जून, 2023) बी.सी. की तर्ज पर प्रति अल्पसंख्यक उम्मीदवार को 100% प्रत्यक्ष सब्सिडी के साथ एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है। सरकार ने निम्नलिखित दिशानिर्देशों के साथ राज्य में प्रति लाभार्थी एक लाख रुपये तक 100% सब्सिडी के एकमुश्त अनुदान के रूप में पात्र अल्पसंख्यक उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता योजना के कार्यान्वयन का आदेश दिया। जो आवेदन ओबीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्राप्त हुए थे, लेकिन जो लंबित हैं, उन्हें इस वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रत्येक पात्र लाभार्थी के लिए 1 लाख रुपये की 100% प्रत्यक्ष सब्सिडी की मंजूरी के लिए विचार किया जाएगा, जिसे तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम के माध्यम से निष्पादित किया जाएगा।

तेलंगाना राज्य क्रिश्चियन एन4 इनोरिटीज फाइनेंस कॉर्पोरेशन से प्रत्येक 100% प्रत्यक्ष सब्सिडी के लिए 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए ईसाई उम्मीदवारों के चयन के लिए ईसाई आवेदकों से नए आवेदन मांगे जाने चाहिए। एक परिवार से केवल एक ही सदस्य को अनुदान दिया जाएगा। आवेदकों के लिए निर्धारित व्यक्तिगत आयु सीमा 2 जून 2023 को 21 वर्ष से 55 वर्ष तक है। आवेदक की वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्रों में 1.50 लाख रुपये और शहरी क्षेत्रों में 2 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। चयन प्रक्रिया जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिला स्तरीय निगरानी समिति / जिला स्तरीय स्क्रीनिंग सह चयन समिति द्वारा पूरी की जाएगी, जो योजना के लिए पूरे जिले के जिला प्रभारी मंत्री की मंजूरी लेगी। चयन सूची (चरणवार) टीएसएमएफसी वेबसाइट पर प्रदर्शित की जानी है। सब्सिडी एकमुश्त अनुदान के रूप में जारी की जाएगी।

उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, तेलंगाना राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम, हैदराबाद और प्रबंध निदेशक, तेलंगाना राज्य ईसाई (अल्पसंख्यक) वित्त निगम, तदनुसार आगे की कार्रवाई करेंगे। सरकार के सचिव सैयद ओमर जलील ने कहा, सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस यह सुनिश्चित करेगा कि उपरोक्त सभी पात्र मानदंड ऑनलाइन लाभार्थियों के प्रबंधन और निगरानी प्रणाली में शामिल किए गए हैं।

## सांसद बोस ने मंत्री वेणु की आलोचना की

काकीनाडा, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपमुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सदस्य पिल्ली सुभाष चंद्र बोस ने रविवार को कहा कि अगर मंत्री वेणुगोपाला कृष्णा को फिर से विधानसभा के लिए मैदान में उतारा गया और वे निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ेंगे तो वह पार्टी छोड़ देंगे। यहां के निकट रामचंद्रपुरम में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और कैडर मारपीट करने वाले मंत्री से खुश नहीं हैं। हम उसके गुलाम नहीं हैं। हम वाईएसआर पार्टी की स्थापना के समय से ही जगन के साथ हैं। मुख्यमंत्री जगन ने कहा कि वह मेरे और वेणु के बीच एक बैठक की व्यवस्था करेंगे और मैंने उनसे कहा कि मैं ऐसे व्यक्ति के साथ नहीं बैठता जिसमें चरित्र की कमी है।

## गुरु कृपा सेवा समिति-मारवाड़ी युवा मंच का जागरण संपन्न

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुकृपा सेवा समिति व मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा श्रीमद्भागवत कथा जारी है। कार्यक्रम के चलते भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन रखा गया, जिसमें राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन कलाकार ओम मंडल द्वारा भजनों को प्रस्तुत दी। आज यहाँ प्रेस में मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोगाराम सिरवी ने बताया की गुरु श्री राजरामजी के सान्निध्य में कृपाराम महाराज द्वारा भागवत कथा के छटा दिन भी भगतों ने खूब कथा का आनंद उठाया। भागवत कथा के समापन्न के बाद ओम मुँडेल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी यह संपूर्ण रात्रि चला जिस में लाखों की तादाद में भक्तों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सभी पधारे भगतों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्त पंडाल में रखी गई जिस का सभी भक्तों तो लाभ उठाया। इसी के सात मारवाड़ी युवा मंच द्वारा रक्त दान का भी शिविर लगाया गया, जिसमें युवा मंच की टीम द्वारा 121 यूनिट रक्त संग्रहित किया। कार्यक्रम के दौरान पधारे अथितियों का स्वागत किया गया व सभी ने महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

## शादनगर में आग लगने की घटना, दो लोगों की जलने से मौत

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले रविवार को शादनगर की एक फैक्ट्री में आग लगने से झुलसे आठ श्रमिकों में से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई।

रंगा रेड्डी जिले के शादनगर में स्थित ब्लेंड कलर प्राइवेट लिमिटेड में आग लगने से पीड़ित वाई सुनील (53) और शरद सोनावली (28) घायल हो गए, जब कर्मचारी प्लास्टिक के दाने बना रहे थे। झुलसे आठ लोगों को सहकर्मियों ने कंचनबाग स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान शनिवार की रात शरद और सुनील की मौत हो गई। कुछ अन्य श्रमिकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

## भारतीय गौ भक्त उत्सव सेवा समिति द्वारा श्रीमद्भागवत कथा 4 से, पत्रिका लोकार्पित

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय गौ भक्त उत्सव सेवा समिति के तत्वावधान में 4 अगस्त से 10 अगस्त तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन हेतु नरसिंग मंदिर, बेगम बाजार में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पत्रिका विमोचन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैठक में आगामी भागवत कथा जो पूज्य श्री अनिरुद्ध जी दुनीवाले व्यासपीठ पर विराजमान होकर अपनी सुमधुर वाणी से अलौकिक सत्संग रसपान कराएंगे जिसमें विशेष गौ महात्म्य होगा। गौ कुटीर निर्माण के विषय पर भी सार्थक चर्चा हुई। कथा स्थल माहेश्वरी भवन, बेगम बाजार, भाग्यनगर हों तय हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित कथा के मुख्य यजमान गोपीकिशन कांकाणी, प्रधान आयोजक रमेश कुमार बंग, संयोजक नंदकिशोर व्यास (बिलाल), विशेष अतिथि नरेंद्र कुमार गोयल, विशेष सहयोगी जितेंद्र मिश्र एवं विजय सारडा, समिति के सदस्य नीलेश मूंदड़ा, कमल जाजू, गणेश यादव, उमेश सिंघानिया, शंकर यादव, विजय चौधरी, अशोक पंडित, अनिल मूंदड़ा, पवन कांकाणी, अनिल रतावा, दीपका मिश्रा, आशीष काल्या, आनंद शर्मा, मुरली तिवारी, संदीप ठाकुर, आशीष असावा, अमित अग्रवाल, विजय तोतला, विनोद शर्मा, विजय जाजू, गिरिराज मिश्रा, मनोज काकडा, गोपाल काकडा, रमेश कुमार बंग फैंस क्लब के सदस्य एवं अन्य सदस्यों की उपस्थित सार्थक हुई।

## फ्लेक्सी लगाने के दौरान से अभिनेता सूर्या के दो फेन्स की मौत

पालनाडु, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पालनाडु जिले में अभिनेता सूर्या के जन्मदिन के अवसर पर फ्लेक्सी लगाते समय करंट लगने से दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना नरसरावपेट शहर में हुई जब दो युवक रविवार को सूर्या के जन्मदिन की तैयारियों के तहत शनिवार रात एक फ्लेक्सी लगा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब फ्लेक्सी की एक लोहे की छड़ ओवरहेड बिजली के तार के संपर्क में आ गई। दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान एन. वेंकटेश और पी. साई के रूप में की गई,

## खसखस की नशीली दवा के साथ यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान के एक मूल निवासी को राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने रविवार को कथित तौर पर पोस्त भूसा रखने के आरोप में एक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से लगभग 4.2 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया। एलबी नगर में एक स्टील रेलिंग फैक्ट्री में काम करने वाला रमेश कुमार (33) राजस्थान के बाड़मेर जिले का मूल निवासी है। वह अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए अक्सर राजस्थान आते रहते हैं।

डीसीपी स्पेशल ऑपरेशंस टीम के. मुरलीधर ने कहा कि अपनी एक यात्रा के दौरान, रमेश वहां चेन्ना राम से मिला और उससे 50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से खसखस खरीदा और शहर लौट आया। वह अपने घर पर स्टॉक रख रहा था और इसे 4 लाख प्रति किलोग्राम रुपये में बेच रहा था।

सूचना पर पुलिस ने उसे चैतन्यपुरी रोड पर उस समय पकड़ लिया, जब वह कुछ ग्राहकों को मादक पदार्थ सौंपने का इंतजार कर रहा था। पुलिस उसके पास से 4.2 किलोग्राम चूरापोस्त, एक मोटरसाइकिल, 1700 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन जब्त किए। व्यक्ति को आगे की कार्रवाई के लिए चैतन्यपुरी पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। रमेश के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है, जबकि चेन्ना राम की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

## रखरखाव कार्यों के कारण 24 से 30 जुलाई तक कुछ ट्रेनें रद्द

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद डिवीजन में बुनियादी ढांचे के रखरखाव कार्यों के कारण, 24 से 30 जुलाई के बीच कुछ ट्रेन सेवाओं को या तो रद्द कर दिया गया है, आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है या पुनर्निर्धारित किया गया है।

रद्द की गई सेवाओं में काचीगुडा-निज़ामाबाद (07596), निज़ामाबाद-काचीगुडा (07593), नांदेड़-निज़ामाबाद (07854) और निज़ामाबाद-नांदेड़ (07853) हैं। 23 से 30 जुलाई तक दौंड से निज़ामाबाद (11409) की सेवा मुदखेड और निज़ामाबाद के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दी गई है और 24 से 31 जुलाई तक निज़ामाबाद से पंढरपुर (01413) की सेवा निज़ामाबाद और मुदखेड के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दी गई है।

25 जुलाई को कुरनूल शहर-सिकंदराबाद (17024) सेवा को 90 मिनट की देरी से चलने के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है, और 26, 27 और 30 जुलाई को चलने वाली गुंतकल-बोधन (07671) सेवा को 120 मिनट की देरी से चलने के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

टी. विजय प्रकाश
माता : टी. लहरी
पिता : टी. नागर्जुना राव

# गोरखपुर में तेज रफ्तार का कहर, कांवड़ियों से भरी ट्राली को डंपर ने मारी टक्कर, एक की मौत; 12 श्रद्धालु घायल

गोरखपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर शहर के धर्मशाला ओवरब्रिज पर रविवार को तेज रफ्तार डंपर ने पहले कार फिर कांवड़ियों से भरी ट्राली में टक्कर मार दी। हादसे में एक कांवड़िया की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 घायल हो गए। जिसमें एक की स्थिति गंभीर है। मौके पर पहुंचे डीएम कृष्णा करुणेश, एसएसपी डा। गौरव ग्रोवर ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के बाद डंपर छोड़कर चालक फरार हो गया, लेकिन कुछ ही देर में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

**ऐसे हुआ हादसा**

बड़हलगंज से सरयू का जल लेकर कांवड़ियों का जत्था पिपराइच के मोटेश्वर महादेव मंदिर में चढ़ाने के लिए निकला था। ट्रैक्टर-ट्राली पर सवार कांवड़ियों का जत्था रविवार की भोर में तीन बजे धर्मशाला ओवरब्रिज पर पहुंचा। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने कार में ठोकर मार दी। कांवड़िया अभी संभलते इससे पहले की ट्राली में पीछे से भिड़ गया। हादसे में पिपराइच, पतरा के रहने वाले आकाश गुप्ता की मौत हो गई।

**ये लोग हुए घायल**

अंशु गुप्ता, सूरज गुप्ता, अमन कुमार, मुन्हे भारती, विकास कुमार, राजू, अमन कन्नौजिया, विपिन कुमार, शिवम गुप्ता, अजय साहनी, विवेक व आकाश साहनी घायल हो गए। पुलिस उन्हें जिला अस्पताल ले गई जहां से आकाश को बीआरडी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

**स्वजन ने लगाया जाम, समर्थन में आए व्यापारी**

आकाश गुप्ता की मौत की खबर मिलते ही पतरा गांव के लोग रविवार की सुबह 11:30 बजे सड़क पर आ गए। समर्थन में व्यापारियों ने अपनी दुकान बंद कर दी है। चालक पर कार्रवाई और परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर गोरखपुर-पिपराइच मार्ग जाम कर दिया है। पुलिस के अधिकारी के मौके पर पहुंचकर बातचीत कर रहे हैं।

## एनडीए का हिस्सा बनने के बाद चिराग 2024 चुनाव की रणनीति पर कही बड़ी बात, चाचा पारस को दी नसीहत

पटना, 23 जुलाई (एजेंसियां)। एलजेपीआर अध्यक्ष चिराग पासवान एनडीए की बैठक में शामिल होने के बाद रविवार को पटना पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि एनडीए में हिस्सा बनने की औपचारिक घोषणाएं हो चुकी है। इसको लेकर अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात हुई थी। इन मुलाकातों में ना सिर्फ लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की जो जो चिंताएं थी, उसको सम्मान दिया गया बल्कि आने वाले 2024 और 2025 के चुनाव को लेकर भी गठबंधन की रूपरेखा तैयार की गई। वहीं, केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के हाजीपुर से चुनाव लड़ने के सवाल पर चिराग पासवान ने कहा आप जब किसी गठबंधन का हिस्सा होते हैं तो गठबंधन की मर्यादा ये कहती है की तमाम बातें गठबंधन के भीतर तय होती है और अगर गठबंधन के तमाम घटक दल बात विवाद उत्पन्न करेंगे ये ठीक नहीं है।

## निर्माणाधीन सिनेमाघर की गिरी दीवार 2 की मौत, छह घायल, सीएम योगी ने जताया शोक

अमरोहा, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में रविवार को निर्माणाधीन सिनेमाघर में हुए हादसे का सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि छह लोग मलवे में दबने के कारण घायल हुए गए। सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है। इसके अलावा हादसे में घायलों का समुचित उपचार कराने का निर्देश दिया है। ये घटना अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र की है, जब सिनेमाघर की दीवार गिरी उस वक्त वहां मजदूर काम कर रहे थे। लेकिन अचानक हुए इस हादसे के कारण मजदूरों को भागने का वक्त नहीं मिला और कई मजदूर उसके मलबे में दब गए। मजदूरों के मलबे में दबने के कारण दो मजदूरों की मौत हो गई। इसके अलावा छह मजदूर इस हादसे में घायल हो गए। सीएम योगी ने घटना पर शोक जताते हुए घायलों के समुचित उपचार का निर्देश दिया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। सीएम योगी के निर्देश के बाद मौके पर एसडीआरएफ की टीमें पहुंची हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अमरोहा में निर्माणाधीन सिनेमा घर में हुए हादसे का संज्ञान लिया है।

# केशव प्रसाद मौर्य का विपक्षी दलों पर बड़ा जुबानी हमला

**जानिए क्या किया दावा**

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को 'तीसरी बार-मोदी सरकार' का नारा दोहराते हुए विपक्ष पर बड़ा जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश की जनता 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला पिछले दो लोकसभा चुनावों की तरह ही करेगी। केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार सुबह ट्वीट किया, "देश की जनता ने 2014 और 2019 में जिस तरह से सत्ता वियोग में विलाप करने वाले और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का विरोध करने वाले भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला किया था, वैसा ही वह 2024 में भी करने जा रही है। डिप्टी सीएम ने 'तीसरी बार मोदी सरकार' हैशटैग के साथ यह ट्वीट ऐसे समय में किया है, जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दल मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने के मामले को लेकर बीजेपी पर लगातार हमलावर हैं। इससे पहले मौर्य ने शनिवार शाम ट्वीट किया था, "विपक्षी गठबंधन 2024 नहीं, 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करे। 2024 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार सरकार बनवाने का फैसला ले लिया है। "उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप लोगों ने डबल इंजन की सरकार नहीं बनाई होती तो माफिया से खाली कराई गई जमीन पर गरीबों का पक्का मकान बनकर नहीं मिल पाता। आज ये जो बदलाव आया है वो आपकी ताकत के बल पर आया है।

## चित्रकूट में खड़ी एंबुलेंस में ट्रक टक्कर मारकर पलटा, गुमटी में सो रहे युवक की मौत

चित्रकूट, 23 जुलाई (एजेंसियां)। कर्वी कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक ने खड़ी एंबुलेंस में टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों वाहन पलट गए जिसमें दबकर गुमटी में सो रहे युवक की मौत हो गई। यह घटना झांसी-मीरजापुर हाईवे पर शिवरामपुर कस्बे में पुराने सीएचसी के पास हुई। रविवार की तड़के करीब तीन बजे भरतकूप की ओर गिट्टी लादकर ट्रक जा रहा था। बताते हैं कि पुराने सीएचसी भवन के पास हाईवे किनारे एंबुलेंस खड़ी थी। ट्रक ने अनियंत्रित होकर खड़ी एंबुलेंस में टक्कर मार दी।

# राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर भड़की मायावती

## कहा- 'कुंभकर्ण की नींद सोती रही गहलोत सरकार

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में शहरी और ग्रामीण इलाकों में साल में 125 दिन रोजगार के अलावा बुजुर्गों और दिव्यांगों को हर महीने न्यूनतम एक हजार रूपए की पेंशन की गारंटी देने वाला विधेयक विधानसभा में पारित किया गया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे 'एक नए युग की शुरुआत' करार देते हुए कहा कि देश में पहली बार इस तरह की पहल की गई है। अब इसपर बीएसपी चीफ मायावती की प्रतिक्रिया आई है। मायावती ने कहा, राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा विधानसभा आमचुनाव से ठीक पहले न्यूनतम आय गारण्टी योजना आदि की घोषणा करना यह जनहित का कम तथा इनके राजनीतिक स्वार्थ का फैसला ज्यादा। इससे गरीब जनता को तुरन्त राहत मिलना मुश्किल, फिर भी केवल प्रचार पर सरकारी धन का भारी खर्च करना क्या उचित? बीएसपी चीफ ने कहा, वैसे तो गहलोत सरकार अपने पूरे कार्यकाल कुंभकर्ण की नींद सोती रही और आपसी राजनीतिक उठापटक में ही उलझी रही, वरना जनहित व जनकल्याण से जुड़े अनेकों कार्य प्रदेश की जनता की गरीबी, बेरोजगारी, उनके पिछड़ेपन व तंगी के हालात के कारण सरकार द्वारा काफी पहले ही शुरू कर देना जरूरी था।

**राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी विधेयक**

विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने कहा कि राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी विधेयक-2023 लाया गया है। उन्होंने कहा कि कानून बनाकर इस तरह की सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है। मंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत शहरी परिवारों को भी 125 दिवस का रोजगार मिलने की गारंटी होगी। शांति कुमार धारीवाल ने कहा कि कानून बन जाने के बाद उपरोक्त प्रावधान जनता को अधिकार के रूप में प्राप्त हो जाएंगे और इस बेमिसाल और ऐतिहासिक कानून से आमजन को बेतहाशा बढ़ती महंगाई से राहत भी मिलेगी। एक वर्ष में 125 दिवस का रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत प्रतिमाह न्यूनतम एक हजार रुपये पेंशन की गारंटी देने के लिए महात्मा गांधी न्यूनतम आय गारंटी योजना शुरू होगी।

## युवक ने चचेरे भाई को मारी गोली, जमीन विवाद में दिया वारदात को अंजाम

बिहारशरीफ, 23 जुलाई (एजेंसियां)। नूरसराय थाना क्षेत्र के नारी किशुनपुर गांव में रविवार की सुबह एक युवक ने अपने चचेरे भाई को गोली मार दी। आरोपी ने जमीन विवाद में वारदात को अंजाम दिया है। घायल महेश प्रसाद का पुत्र प्रदीप कुमार है। घायल के भाई ने बताया कि उसके पिता खेत से मवेशी के लिए चारा लाने गए हुए थे। तभी ग्रामीणों ने बताया कि उनके साथ पटीदार मारपीट कर रहे हैं। इसी सूचना पर दोनों भाई दौड़ कर अपने पिता को बचाने के लिए जा रहे थे। तभी अचानक से पीछे से मकई के खेत से पंकज और पवन ने गोली चला दी। गोली उनके भाई प्रदीप कुमार के पीठ में लग गई और वह वहीं पर गिर पड़ा। इधर, गोली लगने के बाद घायल को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी को इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। थाना अध्यक्ष कुणाल चंद्र ने बताया कि भूमि विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

# टमाटर की कीमतों पर योगी सरकार के मंत्री की सलाह

## गमले में उगाएं, खाना छोड़ दीजिए, बहुत चीजें हैं महंगी, कोई नई बात नहीं

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में टमाटर समेत अन्य सब्जियों की कीमत आसमान छू रही है। लगातार बढ़ती महंगाई ने आम लोगों का बजट बिगाड़ रखा है। बढ़ती महंगाई को लेकर बीजेपी पर विपक्षी दलों ने जमकर जुबानी हमला बोला है। वहीं उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री प्रतिभा शुक्ला से जब टमाटर की कीमत को लेकर सवाल हुआ तो उन्होंने अजीबोगरीब जवाब दिया। प्रतिभा शुक्ला ने कहा, पहली बात तो हम ये कहेंगे कि टमाटर गमले में उगा लीजिए। बहुत सारी चीजें महंगी है तो खाना छोड़ दीजिए अपने आप सस्ती हो जाएगी। हमारे यहां एक पोषण वाटिका बनाई गई है, पूरे गांव की महिलाएं अपने गांव में जहां कुड़े इक्कट्ठा करते हैं वहां कुड़ा इक्कट्ठा नहीं करके पोषण वाटिका का रूप दिया है। वहां सब्जियां उगाई हैं। वहां छोटी से वाटिका बनाई है, जहां सब्जी लेने जा सकते हैं।

**लोगों को दी ये सलाह**

मंत्री ने आगे कहा, वहां सब्जी लेती हैं और अपने यहां सब्जियां बनाती हैं। उसमें टमाटर भी लगाया जा सकता है। हर समस्या का एक समाधान है। ये कोई नया नहीं है, इस समय हर साल टमाटर महंगा होता है। आज कोई नई बात तो है नहीं। हम बचपन से देखते आए हैं कि इस समय टमाटर महंगा होता है। हम लोगों को सलाह देंगे कि पोषण वाटिका बनाएं। वृक्षारोपण में टमाटर हमें उगाना चाहिए और लगाना चाहिए। क्या दिक्कत है सभी लोग टमाटर लगा लो? उन्होंने सलाह देते हुए कहा, टमाटर नहीं खाना है तो नींबू का इस्तेमाल कर लीजिए। जो चीज ज्यादा महंगी हो गई है उसे छोड़ दीजिए अपने आप सस्ती हो जाएंगी। जब कोई खाएगा ही नहीं तो खुद अपने आप सस्ता हो जाएगा। बता दें कि बीते दिनों टमाटर की कीमत 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई थी।

## 90 फीट गहरे बोरवेल में गिरा तीन साल का बच्चा रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा जिला प्रशासन

नालंदा, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के नालंदा थाना इलाके के कुल गांव में रविवार को घर के पास खेलने के दौरान 90 फीट गहरे बोरवेल में तीन साल का बच्चा गिर गया। इस घटना के बाद मौके लोगों की काफी भीड़ जुट गई। प्रशासन के साथ-साथ ग्रामीण बच्चे को निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं। बच्चे की पहचान डोमन मांझी के पुत्र शिवम कुमार के रूप में हुई है। वहीं, इस घटना की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई। बच्चे के परिजनों ने बताया कि बच्चा अपने मां के साथ बोरवेल के बगल वाले खेत में गया था। बच्चे की मां खेत से सब्जी तोड़ने लगी। इस दौरान बच्चा खेलते-खेलते बोरवेल में गिर गया। बच्चे की मां जब मां पीछे देखी तो बच्चा बोरवेल में गिरा हुआ था और रोने की आवाज आ रही थी। इसके बाद उसकी मां ने घटना की सूचना ग्रामीणों को दी। बच्चे को बोरवेल से निकालने के लिए मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण जुट गए। वहीं, बच्चे के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, जिला प्रशासन को भी इस घटना की सूचना दी गई। जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौके पर पहुंचे हुए हैं। बच्चे को बोरवेल में ऑक्सीजन पहुंचाया जा रहा है। वहीं, रेस्क्यू के लिए तीन जेसीबी मशीन को लगाया गया है। इस घटना को लेकर सीलाव प्रखंड के सीओ शंभू मंडल ने बताया कि जिला स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एनडीआरएफ टीम को सूचना दी गई है। जल्द टीम पहुंच जाएगी। सीईओ ने बताया कि बच्चा 40 से 50 फीट अंदर पर अटका हुआ है।

# पहले पीटा फिर घर से निकाला, अब दिया तमंचे पर तलाक, महिला का थाने में छलका दर्द

बरेली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक पति ने तमंचे की दम पर अपनी पत्नी को तलाक दे दिया। इस वजह से पत्नी फिलहाल दर-बदर की ठोकरें खाने को मजबूर है। पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसने अपनी पति को सौतेली बहू के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था जिसकी वजह से उसके साथ मारपीट भी की गई। इतना ही नहीं जब वह गर्भवती थी उस वक्त भी उसके साथ मारपीट की गई जिसकी वजह से उसका गर्भपात हो गया। जानकारी के मुताबिक यह मामला थाना बारादरी क्षेत्र का है। यहां पर एक महिला ने अपने पति जाहिद हुसैन, सौतेले बेटे और बहू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने कहा कि उसके पति ने और सौतेले बहू-बेटे ने उसे बहुत प्रताड़ित किया है। उसके साथ मारपीट की और यहां तक कि जब वह गर्भवती थी तब भी उसके साथ मारपीट की है। इसकी शिकायत उनसे पुलिस में की है। पीड़िता फिलहाल अपनी मां के साथ रह रही है। थाना बारादरी

इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर 3 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

**गर्भवती होने पर पेट में मारे घूसे**

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह तीन महीने की गर्भवती थी जिसका पता जब सौतेले बेटे-बहू को चला तो उन्होंने पीड़िता के साध जमकर मारपीट की। उसने तब तक मारा जबतक कि उसका गर्भपात नहीं हो गया। जब गर्भपात हुआ तो उसे घर में ही पड़ा छोड़ दिया। जब आस-पास के लोगों को पता चला तो उन्होंने महिला की जान बचाई। इसके बाद भी उसे हॉस्पिटल नहीं ले जाया गया और घर में ही इलाज कराया गया।

**सौतेली बहू के साथ हैं संबंध**

पीड़िता ने पुलिस से जो शिकायत की है उसमें उसने अपने पति जाहिद पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं पीड़िता ने कहा है कि उसके पति और सौतेली बहू के बीच नाजायज संबंध हैं जो उसने अपनी आंखों से देखा है। उसने एक दिन दोनों को आपत्तीजनक हालत में देख लिया था। जब उसने इसका विरोध किया और घर से बाहर निकाल दिया। जिसके बाद से ही पीड़िता अपनी बीमार मां के घर पर रही है।

# बिहार में गरीबी दर की कमी को सुशील मोदी ने बताया मोदी सरकार की उपलब्धि, सीएम नीतीश पर कसा तंज

पटना, 23 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में गरीबी दर की कमी को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि 2014 में एनडीए सरकार बनने के बाद अगले ही वित्तीय वर्ष से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार जैसे पिछड़े राज्यों के विकास में पूरी ताकत लगा दी, इसलिए उदार केंद्रीय सहायता और नई-नई कल्याणकारी योजनाओं में भारी निवेश से 16 फीसद लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए। इसका लाभ सबसे ज्यादा बिहार को मिला। नीति आयोग की रिपोर्ट यह प्रमाणित करती है मोदी-सरकार के नौ साल में बिहार गरीबी दूर करने में सबसे आगे रहा। यह बदलाव केंद्र सरकार के बिना नहीं, केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की वजह से ही सम्भव हुआ, लेकिन नीतीश सरकार बेवजह अपनी पीठ थपथपा रही है।

**नीतीश सरकार बेवजह अपनी पीठ थपथपा रही है- सुशील मोदी**

सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नौ साल में ग्रांट इन एड (सहायता

अनुदान) में यूपीए शासन की तुलना में 4. 5 गुना वृद्धि कर इस मद में 2 लाख 35 हजार करोड़ से ज्यादा राशि दी गई। इसी तरह डिवोल्यूशन ग्रांट में 3। 5 गुना वृद्धि कर 1 लाख 6 हजार करोड़ से बढा कर 3 लाख 57 हजार करोड़ कर दिया गया। 'गरीबी हटाओ' के खोखले नारे से नहीं, बल्कि एनडीए सरकार की ठोस नीति और ईमानदार नीयत से बदलाव हुआ। केंद्र सरकार की किसान सम्मान निधि योजना पर 18 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए, जिससे 85 लाख से ज्यादा किसानों को लाभ हुआ।

**'पीएम आवास योजना पर 18 हजार करोड़ खर्च हुए'**

बीजेपी नेता ने कहा कि बिहार में नए पुल, महासेतु और 6-लेन सड़कों के निर्माण पर एक लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार ही खर्च कर रही है। इससे राज्य के हजारों लोगों को ही रोजगार पाने और गरीबी मिटाने का अवसर मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना पर 18 हजार करोड़ खर्च हुए, जिससे 37. 39 लाख शहरी और ग्रामीण गरीबों को अपना पक्का मकान मिला। अन्न योजना से लगभग 9 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन मिला। उज्जवला योजना के तहत 1. 7 करोड़ गरीबों को गैस कनेक्शन मिले। इनमें 76 हजार लाभार्थी दलित-आदिवासी समुदाय के हैं।

# गुड़िया बनी नगमा, प्रेम के साथ कानूनी लड़ाई में भी परिवार से जीती, हिंदू प्रेमी से मंदिर में रचाई थी शादी

रामपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। रामपुर जिले के मसवासी में हिंदू धर्म में आस्था के चलते नगमा खातून से गुड़िया बनकर हिंदू प्रेमी से मंदिर में शादी रचाई थी। अब नगमा उर्फ गुड़िया ने कोर्ट में प्रेमी से पति बने युवक के पक्ष में बयान दर्ज कराकर कानूनी लड़ाई भी जीत ली है। कोर्ट ने उसे पति के साथ जाने का आदेश दिया है। कस्बा निवासी नगमा खातून की बचपन से ही हिंदू धर्म में आस्था थी। नगमा को मोहल्ले के ही एक हिंदू युवक से प्रेम हो गया। परिजनों को जानकारी हुई तो उन्होंने पाबंदी लगा दी, लेकिन वह लगातार प्रेमी युवक से बातचीत करती रही। बीते माह वह प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई और मंदिर में जाकर हिंदू रीति रिवाज से शादी रचा ली। सोशल मीडिया पर नगमा उर्फ गुड़िया की शादी का एक वीडियो भी जमकर वायरल हुआ था। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने प्रेमी युगल को बरामद कर लिया था। पुलिस ने युवती के कोर्ट में बयान दर्ज कराए। जिस पर नगमा उर्फ गुड़िया ने कोर्ट में कहा कि हिंदू धर्म में आस्था के चलते उसने धर्म परिवर्तन कर हिंदू प्रेमी से मंदिर में शादी रचाई है। वह अब पति के साथ ही रहना चाहती है। साथ ही उसने परिजनों से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई। जिस पर कोर्ट ने नगमा उर्फ गुड़िया को पति के साथ जाने के आदेश दिए हैं। गुड़िया बनी नगमा ने बताया कि वह बचपन से ही हिंदू धर्म में आस्था रखती थी। क्योंकि हिंदू धर्म में महिलाओं पर कोई बंदिश नहीं है और न ही तीन तलाक का डर, लेकिन मुस्लिम धर्म में महिलाओं पर बंदिश ही बंदिश हैं। दूसरी ओर तीन तलाक और हलाला का नाम सुनकर तो रूह कांप जाती है। इसके अलावा वह मुंबई की एक सनातन संस्था से प्रेरित थी। जिसके बाद उसने हिंदू धर्म को अपनाया है और उसने अपना नाम नगमा खातून से बदलकर गुड़िया रानी रखकर हिंदू प्रेमी से शादी रचाई है।

# तीनों सेनाओं में 11 हजार से ज्यादा ऑफिसर की कमी

## मेजर-फ्लाइट लेफ्टिनेंट से लेकर कई पद हैं खाली

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना में 11 हजार से अधिक ऑफिसर की कमी है। खाली पड़े इन पदों में आधे से अधिक इंडियन आर्मी से संबंधित हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक सेना में मेजर और कैप्टन जैसे रैंक के अधिकारियों की कमी है। भारतीय वायु सेना में स्क्वाड्रन लीडर और फ्लाइट लेफ्टिनेंट जैसे महत्वपूर्ण अधिकारियों की कमी है। इसी तरह भारतीय नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर रैंक के अधिकारियों समेत अन्य कई अधिकारियों की कमी है। तीनों सेनाओं में कुल 11,266 अधिकारियों की कमी है। खाली पड़े इन पदों को लेकर रक्षा मंत्रालय का कहना है कि कोविड महामारी के दौरान अधिकारियों की कम भर्ती हुई थी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक कोरोना काल में अधिकारियों की कम भर्ती होना भी भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना में मेजर और कैप्टन और समकक्ष और अन्य रैंक के अधिकारियों की कमी का एक बड़ा कारण है। रक्षा मंत्रालय ने इस संदर्भ में संसद को लिखित जानकारी में बताया कि भारतीय थल सेना में 68 सौ से अधिक अधिकारियों के पद खाली हैं। थल सेना में मेजर स्तर के 2,094 और कैप्टन स्तर के 4,734 अधिकारियों की कमी है।

**भारतीय वायुसेना में इतने पद हैं खाली**

वहीं भारतीय वायुसेना की बात करें तो वायु सेना में 881 स्क्वाड्रन लीडर और 940 फ्लाइट लेफ्टिनेंट की कमी है। वायु सेना के लिहाज से अधिकारियों के यह पद बहुत महत्वपूर्ण है। थल सेना और वायु सेना की तरह नौसेना में भी अधिकारियों के पद रिक्त हैं। नौसेना में लेफ्टिनेंट कमांडर और उससे नीचे के रैंक के 2,617 अधिकारियों की कमी है। रक्षा मंत्रालय का स्पष्ट कहना है कि कोविड-19 महामारी के दौरान अधिकारियों की कम भर्ती इस कमी का मुख्य कारण रहा है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट के मुताबिक तीनों सेनाओं वायु सेना, नौसेना और थलसेना में कोरोना के दौरान अधिकारियों की नियुक्ति पर प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा रक्षा मंत्रालय का कहना है कि 'शॉर्ट सर्विस कमीशन' (एसएससी) जैसे सहायक कैडरों में भी कम भर्ती होना भी अधिकारियों की इस कमी के लिए जिम्मेदार है।

**कैसे होती है अधिकारियों की भर्ती**

गौरतलब है कि सेनाओं में अधिकारियों भर्ती कई माध्यम से की जाती है। उनमें से एक माध्यम एसएससी है, जहां कैडेट 11 महीने के प्रशिक्षण के बाद पास होकर अधिकारी बनते हैं और 10 से 14 साल के निश्चित कार्यकाल के लिए बलों में सेवा करते हैं। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि अधिकारियों की कमी को पाटने के लिए वह इन पदों पर अधिकारियों की पुनः नियुक्ति जैसी किसी वैकल्पिक रणनीति पर विचार नहीं कर रहा है, लेकिन सेना में 'शॉर्ट सर्विस' प्रविष्टि को और अधिक आकर्षक बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि इस सब के बीच एक सकारात्मक बात यह है कि रक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिला उम्मीदवारों की भर्ती वर्ष 2022 से शुरू कर चुका है। वर्ष 2022 से लेकर अब तक 57 महिला कैडेटों को एनडीए के माध्यम से भर्ती किया जा चुका है। एनडीए महिला कैडेट की संख्या में हरियाणा सबसे आगे है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक एनडीए में महिला कैडेटों की सभी 57 रिक्तियों को पूरी तरह से सब्सक्राइब किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा कुल 19 महिला कैडेट हरियाणा से हैं। हरियाणा के बाद दूसरा स्थान उत्तर प्रदेश का है। उत्तर प्रदेश से अभी तक कुल 12 महिला कैडेट की भर्ती हुई है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पंजाब से तीन-तीन व हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर से दो दो महिला कैडेट भर्ती हुई हैं। एनडीए के जरिए सेना में केरल से कुल 4 महिला कैडेट भर्ती हुई थी जिनमें से एक ने रिजाइन कर दिया।

### पंजाब की दो लड़कियां यूएई में लापता, परिवार ने सरकार से मांगी मदद

चंडीगढ़, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अपना भविष्य संवारने यूएई गई पंजाब की 2 लड़कियां लापता हो गई हैं। पिछले एक हफ्ते से परिवार का लड़कियों से कोई संपर्क नहीं हुआ है। बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जानकारी दी है और अबू धाबी में भारत से इन लड़कियों की जानकारी जल्द से जल्द साझा करने की अपील की है। लड़कियां संपर्क में नहीं: मिली जानकारी के मुताबिक लापता दोनों लड़कियों की पहचान मनप्रीत कौर (25) और हरप्रीत कौर (21) के रूप में हुई है। ये दोनों लड़कियां 2 मई 2023 को काम के लिए टूरिस्ट वीजा पर शारजाह, यूएई गई थीं। दोनों लड़कियां करीब डेढ़ महीने से अपने परिवार से बात कर रही थीं, लेकिन पिछले एक हफ्ते से उनसे फोन पर संपर्क नहीं हो पा रहा है, जिससे परिवार चिंतित हैं। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'पंजाब की दो लड़कियां दो मई 2023 को काम के सिलसिले में संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह गई।

### आरिफ का सारस: सारस को आजाद कराने के लिए हाईकोर्ट जाएंगे आरिफ, कहा मुझे ना दो कोई बात नहीं, मिलने तो दो

लखनऊ, 23 जुलाई (एजेंसियां)। आरिफ और सारस की दोस्ती की कहानी से आप वाकिफ ही हैं। इस दोस्ती के चर्चाओं में आने के बाद सरकार ने वन्य जीव नियमों के अनुसार सारस को आरिफ के पास से लेकर कानपुर के चिड़ियाघर में भेज दिया था। जहां उसे देखने वालों की भीड़ जुटती। आरिफ भी उससे मिलने के लिए समय-समय पर जू जाते रहे हैं। आरिफ को देखकर वह सारस पूरे पिजड़े में उड़ने लगता है इस मामले में नया मोड़ यह है कि आरिफ सारस को जू से आजाद करवाने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में जाएंगे।

# अपने साथी के खिलाफ हथियार के रूप में बलात्कार विरोधी कानून का दुरुपयोग कर रही महिलाएं - उत्तराखंड हाई कोर्ट

देहरादून, 23 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने कहा है कि आजकल महिलाएं अपने पुरुष साथी के साथ मतभेद होने पर बलात्कार को दंडित करने वाले कानून का एक हथियार के रूप में दुरुपयोग कर रही हैं। न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा ने 5 जुलाई को एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की, जिस पर एक महिला ने शादी से इनकार करने के बाद पुरुष मित्र पर बलात्कार का आरोप लगाया था।

**उनके बीच 2005 से सहमति से संबंध थे।**

न्यायाधीश ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट ने भी बार-बार दोहराया है कि वयस्कों के बीच सहमति से बने शारीरिक संबंध को बलात्कार नहीं कहा जा सकता, अगर दोनों में से किसी एक पक्ष ने शादी करने से इनकार कर दिया हो। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि महिलाएं कलह सहित विभिन्न कारणों से अपने पुरुष समकक्षों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 का दुरुपयोग कर रही हैं। महिला ने 30 जून, 2020 को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि आरोपी 2005 से उसके साथ सहमति से यौन संबंध बना रहा था। उसने कहा कि दोनों ने एक-दूसरे से वादा किया था कि जैसे ही उनमें से किसी एक को नौकरी मिलेगी, वे शादी कर लेंगे। लेकिन बाद में आरोपी ने दूसरी महिला से शादी कर ली और उसके बाद भी उनका रिश्ता जारी रहा, ऐसा दावा किया गया। उच्च न्यायालय ने कहा, सहमति का तत्व स्वचालित रूप से शामिल हो जाता है जब शिकायतकर्ता ने यह जानने के बाद भी स्वेच्छा से अपना रिश्ता जारी रखा था कि आरोपी पहले से ही शादीशुदा था। अदालत ने कहा कि आपसी सहमति से किसी रिश्ते में प्रवेश करते समय विवाह के आश्वासन की सत्यता की जांच प्रारंभिक चरण में की जानी चाहिए, बाद के चरण में नहीं। हाई कोर्ट ने कहा कि शुरुआती चरण तब नहीं माना जा सकता जब रिश्ता 15 साल तक चला हो और यहां तक कि आरोपी की शादी के बाद भी जारी रहा हो।

### हत्याकांड के मुख्य आरोपी माही और दीपू कांडपाल गिरफ्तार, नौकरानी और नौकर फरार

रुद्रपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अंकिता हत्याकांड के मुख्य आरोपी माही और दीपू कांडपाल को पुलिस ने रुद्रपुर से गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अभी नौकरानी और नौकर फरार है। बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड को लेकर प्रदेशभर में लोगों में गुस्सा है। अंकिता के माता-पित सहित पूरा गांव न्याय की मांग कर रहा है। हत्याकांड की सुनवाई एडीजे कोर्ट ने सोमवार को टाल दी थी। अब कोर्ट में 27 जुलाई को गवाही होगी। दरअसल, केस से सरकारी वकील (विशेष लोक अभियोजक) जितेंद्र रावत ने त्यागपत्र दे दिया है। जिसके चलते अभी तक नए वकील की तैनाती नहीं हो पाई है। इसलिए कोर्ट ने सुनवाई को 27 जुलाई तक के लिए टाला है।

# अब कूनो में नहीं होगा चीतों का दीदार 8 के मरने के बाद बड़ा फैसला

श्योपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कुनो नेशनल पार्क में अब पर्यटक चीतों का दीदार नहीं कर पाएंगे। लगातार हो रही चीतों की मौतों की वजह से कुनो नेशनल पार्क के अफसर चिंता में हैं। अब चीतों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। इसी वजह से चीतों को जंगल से अब बाड़े में शिफ्ट किया जा रहा है। बीते 4 महीने में कुनो में आठ चीतों की मौत हो चुकी है। चीता प्रोजेक्ट भारत सरकार का बेहद महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है, इसी के तहत पिछले साल नामीबिया से 10 चीते मंगाए गए थे। हालांकि, एक के बाद एक हो रही चीतों की मौतों से वन विभाग के अफसर भी हैरान हैं। यही वजह है कि अब चीतों की मेडिकल जांच होगी। हालांकि, इससे पहले मध्य प्रदेश के वन क्षेत्र में 10 बाघों की भी मौत हो चुकी है। बाघों की मौत पर पशु चिकित्सकों का कहना था कि उनकी प्राकृतिक रूप से मौतें हुई हैं।

**चीतों के स्वास्थ्य की होगी जांच**

बताया जा रहा है कि पहले से ही चार चीते बाड़े में बंद हैं। इनके स्वास्थ्य को लेकर कुनो नेशनल पार्क के अफसरों का कहना है कि ये सभी स्वस्थ हैं। जो जंगल में घूम रहे हैं, उन्हीं चीतों के स्वास्थ्य की जांच होगी। चीतों की पहचान के लिए उनके गले में कॉलर आई डी लगाई गई है। बताया जा रहा है कि चीतों के गले से ये आई डी हटाई जाएगी, ताकि कोई अगर कोई जख्म हो तो उसकी मरहम पट्टी हो सके।

**दक्षिण अफ्रीका की सरकार से हुई थी डील**

वन विभाग के अफसर बताते हैं कि पहले भारत में चीतों की संख्या काफी अधिक थी। लेकिन, फिर उनकी संख्या घटने लगी। साल 1952 में भारत में पूरी तरह से चीते विलुप्त हो चुके थे। चीतों के विलुप्त होने की एक वजह ये भी आई कि उनका मनोरंजन के लिए खूब शिकार हुआ। इसके बाद भारत और दक्षिण अफ्रीका सरकार के बीच एक डील हुआ, जिसके तहत पिछले साल नामिबिया से भारत चीते लाए गए थे।

# पत्नी के परफ्यूम लगाने पर शख्स ने जताई आपत्ति

## दोनों के बीच तीखी बहस के बाद पति ने मारी गोली

भोपाल, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक शख्स ने मामूली बात पर अपनी पत्नी को गोली मार दी है। जानकारी के अनुसार, पत्नी द्वारा परफ्यूम लगाना और सजने को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी जिसके बाद यह घटना घटी है। ऐसे में इस घटना के बाद महिला का पति फरार है और पुलिस ने केस दर्ज कर उसकी तलाश में लग गई है। बता दें कि शख्स का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और वह इससे पहले जेल भी जा चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बिजौली थाना क्षेत्र के गणेशपुरा का है जहां पर पीड़िता नीलम जाटव के पति ने उस पर हमला कर दिया है। दरअसल, नीलम का पति महेंद्र का आपराधिक रिकॉर्ड है और वह चोरी के एक केस में चार साल तक जेल भी काट चुका है। जेल से रिहा होने के बाद वह नीलम के साथ अपना ससुराल में ही रहने लगा था। ऐसे में एक दिन नीलम बाहर जा रही थी और वह तैयार हो रही थी। इस दौरान उसने परफ्यूम भी लगाया और खुद को सजाया भी जिसे लेकर उसके पति के साथ झगड़ा हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों के बीच परफ्यूम लगाने को लेकर तीखी बहस हुई थी और इसके बाद महेंद्र ने बंदूक निकाली और नीलम के सीने पर हमला कर दिया। घटना के बाद महेंद्र वहां से फरार हो गया। नीलम के भाई ने पड़ोसियों की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती किया जहां उसका अभी इलाज चल रहा है। नीलम के परिवार की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महेंद्र के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

# डीसीडब्ल्यू प्रमुख ने मणिपुर सरकार से उनकी यात्रा में सहयोग का किया आग्रह

इंफाल, 23 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल रविवार को मणिपुर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि वह सीएम एन बीरेन सिंह से मुलाकात करेंगी और साथ ही पीड़ित परिवारों से भी मिलेंगी। इंफाल हवाईअड्डे पर उतरने के बाद मालीवाल ने कहा, मैं सीधे सीएम कार्यालय जाऊंगी। मैं मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से मिलना चाहती हूं। मैं यौन शोषण के पीड़ितों से मिलना चाहती हूं और देखना चाहती हूं कि क्या उन्हें कानूनी सहायता, परामर्श या कोई मुआवजा मिला है।स्वाति मालीवाल ने राज्य सरकार से भी अपील करते हुए कहा कि वह मणिपुर के लोगों की मदद के लिए वहां पहुंची हैं। मालीवाल ने कहा, कृपया मुझे ऐसा करने की अनुमति दें। मैं यहां राजनीति करने नहीं आई हूं। मैं पीएम मोदी और महिला एवं बाल विकास मंत्री (स्मृति ईरानी) से मणिपुर आने का अनुरोध करती हूं। मैं राज्यपाल से भी मिलने की कोशिश करूंगी। मणिपुर की दो महिलाओं को नग्न घुमाने वाले वीडियो के वायरल होने के कुछ दिन बाद ही स्वाति मालीवाल राज्य के दौरे पर गई हैं। इंफाल के लिए रवाना होने से पहले, डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने दावा किया कि राज्य सरकार ने उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करने के लिए कहा, क्योंकि राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति थोड़ी खराब है। मालीवाल ने कहा, मैंने मणिपुर सरकार को लिखा है कि मैं राज्य का दौरा करना चाहती हूं और यौन उत्पीड़न के पीड़ितों से मिलना चाहती हूं। मुझे मणिपुर सरकार से एक पत्र मिला है, जहां उन्होंने सुझाव दिया है कि मैं अपनी यात्रा स्थगित कर दूं, क्योंकि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। डीसीडब्ल्यू प्रमुख ने आगे कहा कि उन्होंने मणिपुर का दौरा करने का फैसला किया है और मणिपुर सरकार से उन्हें न रोकने की अपील की है। मालीवाल ने पहले कहा, मणिपुर सरकार चाहती है कि मैं अपने फैसले पर पुनर्विचार करूं। मैंने इस पर बहुत विचार किया और मणिपुर जाने का फैसला किया। मैं राज्य सरकार से अपील कर रही हूं कि वह मुझे न रोकें, बल्कि व्यवस्था करें, ताकि मैं यौन उत्पीड़न पीड़ितों से मिल सकूं और मदद प्रदान कर सकूं। मालीवाल ने यह भी दावा किया कि हिंसा और मारपीट की घटनाओं के कारण कई लड़कियां मणिपुर से भागकर दिल्ली आ गईं और कहा, मैं सीएम के साथ इन चीजों पर चर्चा करना चाहती हूं और उनका समय मांगा है।

### जबलपुर के पास मालगाड़ी पटरी से उतरी, एक लाइन का यातायात पूरी तरह बंद, कई ट्रेनों के रूट डायवर्ट

नर्मदापुरम, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जबलपुर मंडल के नरसिंहपुर-करेली के बीच में अप लाइन पर मालगाड़ी का गार्ड डिब्बा पटरी से उतर गया। जिससे जबलपुर से इटारसी जाने वाले अप लाइन पर रेल यातायात पूरी तरह बंद हो गया। घटना शनिवार रात करीब 11.38बजे किमी नंबर 905/1-2 की है। मालगाड़ी का गार्ड सुरक्षित है। रेल यातायात बंद होने के बाद रेलवे के तमाम ऑफिसर मौके पर पहुंचे। जबलपुर डीआरएम मौके पर पहुंचे। गार्ड डब्बे को पटरी पर लाने का कार्य शुरू किया गया। रेल यातायात बंद होने से कुछ ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए। कटनी, दमोह, भोपाल के रास्ते इटारसी भेजा जा रहा है। वंदेभारत, ओवर नाइट, नर्मदा एक्सप्रेस, गोदाम एक्सप्रेस को नरसिंहपुर, जबलपुर, श्रीधाम स्टेशन समेत अन्य स्टेशन पर रोका गया। गार्ड डब्बा पटरी से कैसे उतरा इसका अधिकृत वजह रेलवे द्वारा नहीं बताई गई हालांकि सूत्रों के मुताबिक ट्रैक गड़बड़ी की वजल से डब्बा पलटा है। डब्बा जाने के कारण इस खंड पर रेल यातायात प्रभावित हुआ है। कुछ गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं कुछ को रिशेड्यूल किया जा रहा है। डाउन लाइन से रेल यातायात चालू है। डाउन ट्रैक से गोदाम एक्सप्रेस, नर्मदा एक्सप्रेस, ओवरनाइट, वंदे भारत एक्सप्रेस व जनशताब्दी को निकाला जा रहा है। री-शेड्यूल गाड़ियाः रेलवे के पीआरओ सूबेदार सिंह के अनुसार वंदे भारत एवं जनशताब्दी एक्सप्रेस, 12062 जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस को जबलपुर स्टेशन से 2 घंटे रि-शेड्यूल किया गया है।

# अदनान सामी बन सकते हैं 'भारतीय' तो मैं क्यों नहीं? राष्ट्रपति से सीमा हैदर की गुहार

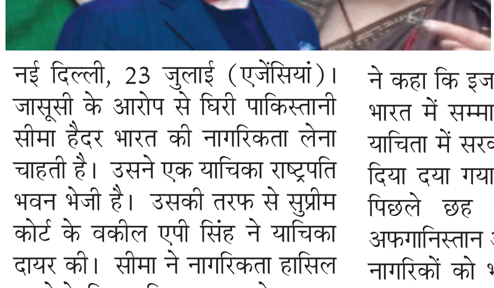

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जासूसी के आरोप से घिरी पाकिस्तानी सीमा हैदर भारत की नागरिकता लेना चाहती है। उसने एक याचिका राष्ट्रपति भवन भेजी है। उसकी तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने याचिका दायर की। सीमा ने नागरिकता हासिल करने के लिए पाकिस्तान मूल के मशहूर गायक अदनान सामी का हवाला दिया है। याचिका में कहा गया है कि सीमा हैदक ग्रेटर नोएडा के सचिन मीणा से प्यार करती है और वह उसके साथ रहना चाहती है। रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सीमा ने अनुरोध किया कि अगर उन्हें माफी मिलती है तो वह अपने पति के साथ ताउम्र रह पाएगी। सीमा ने कहा कि मशहूर गायक अदनान सामी को लंबे समय तक भारत में रहने के बाद नागरिकता मिल गई थी। ऐसे में उसे भी नागरिकता मिलनी चाहिए। सीमा ने कहा कि इजजात मिलने के बाद वह भारत में सम्मान के साथ रह पाएगी। याचिता में सरकारी आंकड़ों का हवाला दिया दया गया है। कहा गया है कि पिछले छह सालों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के 4000 नागरिकों को भारत की नागरिकता दी गई। वकील एपी सिंह ने सीमा की तरफ से याचिका में कहा कि वह सभी एजेंसियों के साथ जांच में सहयोग कर रही है। वह 'पाकिस्तानी जासूस' वाले आरोपों पर लाई डिटेक्टर टेस्ट से भी गुजरने को तैयार है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सीमा ने अनुरोध किया कि अगर उसे भारत की नागरिकता मिल जाती है तो वह अपने पति, सास-ससुर के साथ रह पाएगी, जो उसके पास कभी नहीं थे। वकील एपी सिंह ने याचिका में कहा कि महिला ज्यादा पढ़ी लिखी नहीं है। सीमा हैदर अपने चार बच्चों के साथ दावा करती है कि पाकिस्तान से दुबई और दुबई से नेपाल आई। नेपाल में उसने सचिन से शादी की और फिर हिंदुस्तान आई। सीमा हैदर अभी यूपी एटीएस के निशाने पर है। एटीएस ने उससे पूछताछ भी की है। पाकिस्तान मूल के मशहूर गायक अदनान सामी को 2016 में भारत की नागरिकता मिली थी। वह 13 मार्च 2001 को भारत आए थे। भारत में विजिटर वीजा पर रह रहे थे, जिसे समय-समय पर बढ़ाया गया। तब से उन्होंने दो बार नागरिकता के लिए अप्लाई किया था लेकिन खारिज कर दिया जाता था। अदनान सामी ने खुद इस बात की चर्चा की थी और बताया था कि 18 साल के दरमियान उन्हें दो बार खारिज किया गया। बताते हैं कि अपनी पाकिस्तान की मूल नागरिकता छोड़ने के बाद उन्हें डेढ़ साल तक स्टेटलेस रहना पड़ा था।

### सीएम के कुर्सी पर बैठाते ही भावुक हुए मेयर, इस प्रण की वजह से 56 महीने तक बनाई थी सत्ता से दूरी

रुद्रपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार सुबह रुद्रपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नगर निगम में बनी बिल्डिंग और सीबीजी प्लांट का शुभारंभ किया। निगम में उन्होंने राज्य के पहले सीबीजी प्लांट के बारे में जानकारी ली। सीएम धामी ने इसके बाद रुद्रपुर के नगर निगम में मेयर को कुर्सी पर बैठाया। 56 महीनों के बाद कुर्सी पर बैठने पर मेयर रामपाल सिंह भावुक हो गए। नजूल का मामला हल होने तक

रामपाल सिंह ने कुर्सी में नहीं बैठने का प्रण लिया था। अब नजूल भूमि का मामला हल हुआ तो वह कुर्सी पर बैठे। इस दौरान रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट और विधायक शिव अरोरा मौजूद रहे।

# गद्दार कहने पर भड़के ज्योतिरादित्य सिंधिया, बोले- अगर ऐसा था तो मुझे और मेरे पिता को क्यों कांग्रेस में लिया

ग्वालियर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। प्रियंका गांधी की बीते दिनों ग्वालियर में पहुंची थीं। यहां उनकी रैली के दौरान स्मारक पर पोस्टर लगाए गए थे। इस पोस्टर में लिखा गया था कि 1857 की क्रांति में संधियाओं ने रानी लक्ष्मीबाई और 1967 एवं 2020 में कांग्रेस के साथ धोखा किया। हालांकि बाद में पुलिस ने इन पोस्टरों को हटा लिया। 21 जुलाई को हुई इस रैली में प्रियंका गांधी के बोलने से पहले विपक्ष के नेता गोविंद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पहले इस परिवार (सिंधिया) ने लक्ष्मीबाई को धोखा दिया। फिर 1967 और 2020 में कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी बाई ने यहीं अंतिम सांस ली। भिंड की जनता ने उनका समर्थन किया था। वह ग्वालियर के महाराज के अनुरोध पर यहां आई थीं। अगर लक्ष्मीबाई को साथ मिलता तो भारत 100 पहले ही आजाद हो जाता।

**गद्दार कहने पर भड़के ज्योतिरादित्य सिंधिया**

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस की ओर से की गई आलोचना पर पलटवार किया है। उन्होंने गद्दारी के आरोप पर कहा है कि अगर ऐसा था तो उनके पिता और उन्हें कांग्रेस में क्यों शामिल किया गया था। देखो वे अपना काम करेंगे। जिन्होंने इतिहास का एक पन्ना भी नहीं पढ़ा है, उन्हें जो बोलना है बोलने दीजिए। मेरे और मेर परिवार के कर्म, विचार और विचार धारा ग्वालियर, ग्वालियर संभाग, मध्य प्रदेश और राष्ट्र के लिए समर्पित है। यदि उन्हें इतनी ही चिंता थी तो उन्होंने मेरे पिताजी (माधवराव सिंधिया), और फिर मुझे कांग्रेस में क्यों शामिल किया।

**सिंधिया का नाम लेते हीं मुस्कुराने लगीं थीं प्रियंका गांधी**

गौरतलब है कि बीते दिनों प्रियंका गांधी जनाक्रोश रैली में पहुंची थीं। यहां उन्होंने भाजपा नेता पर सीधे वार नहीं किया। यहां उन्होंने रैली की शुरुआत में दो टूक शब्दों में कहा कि मैं जनता के मुद्दों पर बात करने आई हूं। मुझे आधे घंटे तक भाषण देना है। मैं चाहू तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में 10 मिनट तक और ज्योतिरादित्य सिंधिया पर 10 मिनट तक बोल सकती हूं। मैं बोल सकती हूं कि उनकी विचार धारा कैसे बदल गई। सिंधिया के नाम लेते ही मंच पर प्रियंका गांधी मुस्कुराने लगती हैं और बात को बदलते हुए आगे बढ़ जाती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 24 जुलाई- 2023

# वीआईपी कल्चर से दूर रहें जज

अपने फैसलों की वजह से नित्य नई सुर्खियां बटोर रहे सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों को पत्र लिखकर नसीहत दी है कि वे अपने विशेषाधिकारों का इस्तेमाल समझदारी से कुछ इस तरह करें कि कोई दूसरा इससे प्रभावित न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जजों को जो सुविधाएं मिलती हैं, उनका इस्तेमाल वे खुद को ऊंचा दिखाने के बजाय सोच-समझ कर करें, ताकि वह एक मिसाल बन सके। जाहिर है चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने इस सामयिक दखल से जुडिशरी का एक विवाद और अप्रिय रूप लेता, इसके पहले ही खत्म कर दिया। उन्होंने सभी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कहा कि जजों को अपने विशेषाधिकार के इस्तेमाल सोच-समझ कर ही करना चाहिए। उनकी यह पहल खास तौर पर हाल ही के विवाद के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज ने रेलवे अधिकारियों से जवाब तलब किए थे। जिसकी वजह से विवाद शुरू हुआ था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज की ओर से रेलवे अधिकारियों के भेजे गए पत्र में कहा गया था कि दिल्ली से प्रयागराज की यात्रा के दौरान उनकी ट्रेन तीन घंटे लेट हो गई। उनके द्वारा बार-बार संपर्क किए जाने के बावजूद जज के कोच में न तो जीआरपी के लोग पहुंचे और न ही पैंट्री कार के कर्मचारी। यह पत्र जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने इस पर तरह-तरह की टिप्पणियां शुरू कर दी थीं। बताने की जरूरत नहीं कि अपने देश में ट्रेनों का तीन घंटे लेट होना कोई बड़ी बात नहीं मानी जाती है। अक्सर ट्रेनें इससे भी बहुत ज्यादा लेट हो जाती हैं और यात्रियों को उस समय तमाम असुविधाएं झेलनी पड़ती हैं। रेलवे की सेवा में ये कमियां कोई अच्छी बात नहीं है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। कहने को तो अपनी सीमाओं के बीच रेलवे सेवाओं में सुधार लाने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन सचाई यही है कि लाखों यात्रियों को तमाम तकलीफों के बीच सफर करना मजबूरी ही है। ऐसे में अगर कोई जज या कोई अन्य वीआईपी सिर्फ इस वजह से नाराज हो जाए कि उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं क्यों नहीं उपलब्ध कराई गईं तो निश्चित रूप से पब्लिक के बीच इससे कोई अच्छा संदेश नहीं जाता। देखा जाए तो अपने देश में वीआईपी कल्चर काफी पुरानी बीमारी है, लेकिन जुडिशरी हो या समाज और व्यवस्था का कोई अन्य जिम्मेदार हिस्सा, उसे इस बीमारी से लड़ते हुए दिखना चाहिए, न कि इसे और सुविधाभोगी बनाते हुए। इस लिहाज से सीजेआई चंद्रचूड़ का यह पत्र बहुत महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। उन्होंने इसमें साफ-साफ लिखा है कि जजों को प्रोटोकॉल के तहत जो सुविधाएं मिली हुई हैं, उनका इस्तेमाल खुद को पब्लिक से अलग या ऊंचा साबित करने या ताकत दिखाने के लिए नहीं करना चाहिए। यदि इनका इस्तेमाल कर ही रहे हैं तो यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इससे अन्य लोगों को किसी तरह की तकलीफ न उठाना पडे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो जाहिर है इसकी वजह से जुडिशरी को सार्वजनिक आलोचना का पात्र बनना ही पडेगा। सीजेआई का यह पत्र भले ही किसी हाईकोर्ट के एक जज के आचरण के संदर्भ में लिखा गया हो, लेकिन इसकी भावनाएं राजनीति और नौकरशाही से जुड़े उन सभी लोगों पर भी लागू होती हैं, जो अपने विशेषाधिकारों का आनंद उठाना और उसकी नुमाइश को अपनी आदत बना चुके हैं। उम्मीद की जाना चाहिए कि ऐसे तमाम लोगों के लिए यह पत्र एक सबक का काम करेगा और वे वीआईपी कल्चर का लाभ लेने से पहले सौ बार सोचेंगे।

# अमेरिकी नौसेना का इतिहास बनाएंगी लीजा फ्राचेंटी

संजीव ठाकुर

अमेरिका सहित पश्चिमी देशों में महिलाओं को उच्च पद दिया जाना कोई नई बात नहीं है वर्तमान में फ्रांस की प्रधानमंत्री महिला ही हैं और अमेरिका में ही उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के अलावा बहुत सारे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर भारतीय मूल की महिलाएं पूर्व में पदस्थ की गई हैं पर इस बार अमेरिका तीनों सेना प्रमुख लीजा फ्राचेटी मनोनीत होने वाली हैं। यह संभवत अमेरिकी इतिहास की पहली नौसेना प्रमुख महिला होंगी। 38 साल की नौसेना की सेवा के पश्चात उन्हें यह महत्वपूर्ण पद प्रदान किया जा रहा है। इसके पूर्व लीजा नौसेना में कई पदों को पूरी निष्ठा के साथ संपादित कर चुकी हैं। उन्हें अमेरिकी नौसेना की शक्तिशाली एवं मजबूत उपप्रधान माना जाता हैं। अब उन्हें नौसेना का सर्वोच्च पद प्रदान किया जाएगा। वॉशिंगटन डीसी की समाचार एजेंसियों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एडमिरल लीजा को अमेरिका जैसे देश की भारी भरकम नौसेना का नेतृत्व करने के लिए चुना है। एजेंसी ने आगे बताया है कि यदि अमेरिकी सीनेट उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे देती है तो वह अमेरिका में किसी भी सैन्य सेवा की प्रमुख बनने वाली पहली महिला अधिकारी होंगी। इसके पूर्व अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉर्ड ऑस्टिन ने अमेरिकी नौसेना पेसिफिक बेड़े के एडमिरल सैमुअल पेपरों को इस पद के लिए अनुशंसा की थी पर उन्हें यूएस इंडोपेसिफिक कमांड का प्रमुख नामजद कर दिया गया है। वैसे इन दोनों की नियुक्ति की अधिकारिक सूचना सार्वजनिक नहीं की गई है। वर्तमान में लीजा नौसेना की उप प्रमुख हैं लीजा 1985 में अमेरिकी नौसेना में कमीशंड हुई थी। लीजा इसके पूर्व अमेरिकी नौसेना बल में कोरिया के कमांडर के अलावा नौसेना संचालन की निर्देशक योजनाओं और नीति की निर्देशक के रूप में सफलतापूर्वक काम कर चुकी है। उन्होंने दो कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की कमांडर की भूमिका भी निभाई है और उसके पश्चात 2022 में उनकी नियुक्ति सेना के उप प्रमुख के रूप में की गई थी। उल्लेखनीय है कि भारत जैसे विकासशील देश में भारत के प्रधानमंत्री ने श्रीमती सीतारमण को रक्षा मंत्री का पद सौंपा था पर यह पदस्थापना पॉलिटिकल पदस्थापना थी। भारत में भी अब महिला अधिकारियों की नियुक्तियां सैन्य बल में बड़ी संख्या में की जा रही हैं महिलाओं को सेना में शामिल किए जाने की वैश्विक पहल की जाने लगी है उसी के परिणामस्वरूप अमेरिका के राष्ट्रपति ने लीजा की नौसेना प्रमुख के रूप में नियुक्तियों को प्राथमिकता दी है। जो वाइडन ने लीजा की प्रशंसा करते हुए कहा है की एडमिरल लीजा एक कमीशंड अधिकारी के रूप में देश में 38 वर्षों की समर्पित सेवा प्रदान करेंगी जिसमें नौसेना संचालन के उप प्रमुख के रूप में वर्तमान भूमिका भी शामिल है। राष्ट्रपति ने आगे कहा की लीला अपने पूरे कैरियर के दौरान परिचालन और नीति दोनों क्षेत्र में बतौर निर्देशक व्यापक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है और वह अमेरिकी नौसेना में चार सितारा एडमिरल का पद हासिल करने वाली दूसरी महिला अधिकारी हैं। यदि अमेरिकी सीनेट इसे पारित करता है तो लीजा नौसेना संचालन प्रमुख और संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में सेवा देने वाली पहली महिला के रूप में फिर से एक इतिहास बनाएंगी। इसके अलावा अमेरिका के फोर्स कमांड के डिप्टी कमांडर वाइस एडमिरल जेम्स किल्बी को अगला नौसेना उप प्रमुख नामित किया जाएगा। इसके अलावा नेवी के पेसिफिक बल के कमांडर सैमुअल पेपारो को इंडो पेसिफिक कमांड के कमांडर के रूप में प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने के कमांडर ग्रुप में नियुक्त किया जाएगा।

# गठबंधन सिद्धांत आधारित हो

रघु ठाकुर

वैसे तो राजनैतिक दलों के मोर्चे के छुटपुट प्रयोग 50 के दशक में भी हुए हैं। परन्तु केन्द्र में एक मजबूत और अकेले बहुमत की सरकार होने की वजह से छुटपुट प्रदेशों में हुई ऐसी घटनाओं की कोई राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा नहीं हुई। राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तब शुरू हुई जब समाजवादी नेता स्व. डॉ. राम मनोहर लोहिया ने एक चुनावी रणनीति के तौर पर गैर कांग्रेसवाद और मिली जुली सरकारों याने संयुक्त विधायक दल की सरकारों का तार्किक प्रयोग शुरू किया। डॉ. लोहिया ने मिली जुली सरकारों का प्रयोग राजनैतिक बदलाव के लिये कराया था। इस प्रयोग की विशेषता यह थी कि यह प्रयोग सिद्धांत उन्मुख कार्यक्रम आधारित था। परन्तु लोहिया की मृत्यु के बाद इसके प्रयोगकर्ताओं ने इसे कार्यक्रम आधारित की बजाय सत्ता पकड़ू बना दिया है। 1969 में कांग्रेस के अल्पमत होने के बाद वामपंथियों ने कांग्रेस सरकार को समर्थन देकर उसे बचाया और 1971 में तो कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा। 1977 में जनता पार्टी की केन्द्र सरकार को सी.पी.एम. ने बाहर से समर्थन दिया तथा प. बंगाल में सी.पी.एम. के नेतृत्व में मिली जुली सरकार बनी। जिसमें सी.पी.एम., सी.पी.आई., फारवर्ड ब्लॉक और आर.एस.पी. शामिल थे। इसे वामपंथी मोर्चे का नाम दिया गया। ज्योति बसु ने मोर्चे की सरकारों का अपने सूबे में एक बेहतर प्रयोग किया तथा लगभग 25 वर्षों तक वामपंथी मोर्चे की सरकार चलाई। यह सरकार यद्यपि सी.पी.एम. के नेतृत्व में थी और घटक दल सी.पी.एम. की ताकत के सहारे जीतते थे। परन्तु ज्योति बसु ने कभी भी अपने सहयोगी दलों को न तोड़ने का प्रयास किया और न कभी उन पर विलय के लिये दबाव बनाया। ज्योति वसु का यह बड़ा मन और साफ छवि थीं जो उनकी मृत्यु तक वामपंथी मोर्चे की एकजुटता व सफलता का कारण रहा। 1987 से फिर एक बार केन्द्र में मोर्चे सरकार की शुरूआत हुई तथा जनता दल के श्री वी.पी. सिंह के नेतृत्व में सरकार बनी जिसका समर्थन बाहर से भा.ज.पा. और सी.पी.एम. दोनों ने किया। 1996 में फिर मिली जुली सरकारों का दौर केन्द्र में चला तथा इन सरकारों को सी.पी.एम. और कांग्रेस ने बाहर से समर्थन दिया, और सी.पी.आई. तो सरकार में शामिल भी हुई थी। स्व. इन्द्रजीत गुप्ता, श्री देवगौड़ा के और फिर स्व. श्री गुजराल के प्रधानमंत्रित्व काल में गृहमंत्री रहे। 1988 में भा.ज.पा. के साथ एन.डी.ए. का गठन हुआ। जिसके अध्यक्ष व संयोजक क्रमशः श्री अटल बिहारी वाजपेयी व जार्ज फर्नाडीज़ बने। एन.डी.ए. ने भी अपना एक कार्यक्रम तैयार किया। दरअसल यह कार्यक्रम बदलाव का कम था सत्ता हासिल करने का बहाना अधिक था। चेहरा बचाने के लिये कुछ दिखावा जरूरी था। 2014 में यद्यपि एन.डी.ए. की सरकार बनी परन्तु श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भा.ज.पा. का संख्या बल श्री अटल जी के जमाने से बहुत आगे चला गया था। चूंकि 2014 के चुनाव में भा.ज.पा. को यह कल्पना नहीं थी कि इतनी बढ़ी संख्या में उन्हें विजय हासिल होगी इसलिये उन्होंने चुनाव के पहले देश में सभी दूर छोटे-छोटे क्षेत्रीय दलों को एन.डी.ए. में शामिल किया, उन्हें सीटें भी छोड़ी, परन्तु चुनाव के बाद जो ताकत बढ़ी, उससे उन्होंने नाम को तो एन.डी.ए. रहने दिया पर धीरे-धीरे उसे भा.ज.पा. की सरकार में बदलने की शुरूआत कर दी। जो समर्थक दल थे उनके मंत्रियों को प्रभावहीन कर दिया गया और केवल कार और बंगले वाला अधिकारविहीन मंत्री बना दिया गया। 2019 के चुनाव के बाद तो स्थिति और भी केन्द्रीकृत हो गई क्योंकि भा.ज.पा. को अकेले भारी बहुमत मिल गया। उन्होंने यद्यपि घटक दलों को सीधे तो बाहर नहीं किया परन्तु उनके साथ सम व्यवहार करने की बजाय उनसे दोयम दर्जे का व्यवहार करना शुरू कर दिया। कहने को आज एन.डी.ए. की सरकार है परन्तु वस्तुतः यह केवल भा.ज.पा., और श्री मोदी व श्री शाह की सरकार है। इससे छोटे और क्षेत्रीय दलों में बैचेनी बढ़ी और उन्होंने एन.डी.ए. से हटना और अन्य मार्ग चुनना शुरू कर दिया। अब देश में कांग्रेस की ओर से एक बहस शुरू कराई गई है कि अब मिली जुली सरकारो का समय चला गया और एक दलीय सरकारों का समय आ गया। हालांकि बाह्य तौर पर कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के पक्ष में है। कुछ दिनों पहले पटना में जो 15 दलों की बैठक भा.ज.पा. हटाओ के नाम पर आयोजित हुई उसमें कांग्रेस ने सीधे तौर पर तो क्षेत्रीय और छोटे दलों को नहीं नकारा परन्तु जिस भाषा का प्रयोग किया उससे ये क्षेत्रीय व छोटे दल सावधान हो गये। क्षेत्रीय दल व छोटे दलों में यह भावना पनप रही है कि अपने स्वभाव के अनुसार केन्द्रीय सत्ता में आने के बाद कांग्रेस इन्हें भी समाप्त करेगी और इसलिये एक बिहार को छोड़कर अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दल अभी से अपने वजूद के प्रति सावधान हो गये लगते हैं। इन राजनैतिक परिस्थितियों में एक राष्ट्रीय चर्चा शुरू हुई है कि क्या गठबंधन की रणनीति समाप्त होने का समय आ गया है? या गठबंधन होना चाहिए और क्या फिर एक बार देश में एक दलीय सत्ता होना चाहिए। यह भी कहा जाता है कि क्षेत्रीय दल केन्द्र के अल्पमत दल की सरकार से सोदेबाजी करते हैं। यह कुछ हद तक सही भी है। परन्तु महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस सौदेबाजी से देश को क्या क्षति होती है? अभी तक के प्रयोगों के अनुभवों को देखें तो मिली जुली या मोर्चे की सरकारों के प्रयोग से कोई राष्ट्रीय क्षति नहीं हुई बल्कि लोकतांत्रिक प्रणाली इस अर्थ में मजबूत हुई है कि क्षेत्रीय, धार्मिक, जाति या भौगोलिक अपेक्षाओं की सुरक्षा से क्षेत्रीय भावना संतुष्ट हुई और वे राष्ट्र, राज्य में अपनी भूमिका खोजने लगी हैं। अभी कुछ दिनों पूर्व तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डी.एम.के. ने दिल्ली में अपना दफ्तर बनाया है और केन्द्रीय कार्यालय शुरू किया है। यह एक प्रकार से उनके राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका खोजने व निभाने की इच्छाओं की शुरूआत है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री श्री स्टालिन के पिता स्व. करूणानिधि, ए.आई.डी.एम. की मुख्यमंत्री स्व. जयललिता उसके पूर्व स्व. रामचन्द्रन या अन्ना द्रमुक, डुयुक राजनीति के मजबूत स्तम्भ थे और उनका सूबे पर प्रभाव वर्तमान शासकों की तुलना में कहीं अधिक था। परन्तु उन्होंने कभी भी राष्ट्रीय राजनीति में आने की इच्छा नहीं की। उनकी अपेक्षायें क्षेत्र तक सीमित रही। इसी प्रकार आंध्र में एन.टी. रामाराव की तेलगू देशम पार्टी की भी यही स्थिति रही। परन्तु अगर अब यहां के क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका खोज रहे हैं उनकी अपेक्षायें फैल रही है तो यह भारतीय राजनीति के लिये इस अर्थ में सुखद है कि इससे राष्ट्रीय एकता मजबूत होगी। कुछ लोगों के मन में यह भय रहता है, कि क्षेत्रीय दल अपनी क्षेत्रीय अस्मिता में सीमित रहते है और इसलिये कभी कभी उनके राष्ट्र भक्ती पर कुछ संकायें और प्रश्न चिन्ह लगाये जाते है? तमिलनाडु, उड़ीसा, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना, बंगाल आदि गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों की राजनैतिक अपेक्षायें अगर केन्द्रीय सत्ता की ओर बढ़ती है तो यह कई प्रकार से देश के लिये फायदेमंद होगा। एक उनकी क्षेत्रीय कट्टरतायें कम होगी और राष्ट्रीय मेल जोल, आना जाना , शादी-विवाह भाषाई सीमाओं को लांघकर एक राष्ट्रीय भाषा के निर्माण की प्रक्रिया की गति तेज होगी। दूसरे मिली जुली सरकारों में नियंत्रण और संतुलन (चेक और बैलेन्स) महत्वपूर्ण होता है। जब किसी एक दल का भारी बहुमत का समर्थन मिल जाता है, तो वह कई बार अपनी लोकतांत्रिक मर्यादाओं को भूल जाता है और अलावा कोई दूसरा नहीं के विचार पर चल पड़ता है।

# मणिपुर के बाद अब बंगाल में महिला को निर्वस्त्र कर घुमाया

अशोक भाटिया

मणिपुर के बाद अब ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल की घटना ने देश को हिला कर रख दिया है। मणिपुर की तरह अब बंगाल की घटना से पूरा देश शर्मसार है। महिला मुख्यमंत्री के राज्य पश्चिम बंगाल में एक महिला उम्मीदवार को पंचायत चुनाव में वोटिंग के दौरान निर्वस्त्र करके घुमाने का मामला आज चर्चा में है। मामला आठ जुलाई का है। हावड़ा जिले के पांचला इलाके की एक ग्राम पंचायत की महिला उम्मीदवार ने ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर छेड़छाड़ और उसे निर्वस्त्र कर पूरे गांव में घुमाने का आरोप लगाया है। मामले में पांचला थाने में एफआइआर दर्ज हो चुका है। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि मुझे तृणमूल कांग्रेस के करीब 40 उपद्रवियों ने मारा-पीटा और मुझे मतदान केंद्र से बाहर फेंक दिया। उन लोगों ने मेरे कपड़े फाड़ने की कोशिश की और मुझे नग्न होने पर मजबूर किया। हैरानी की बात यह है कि ममता बनर्जी अपने राज्य में महिलाओं के नग्न घुमाए जाने की कोई चिंता न करते हुए मणिपुर मामले पर ट्वीट करते हुए लिखती है कि मणिपुर के भयानक वीडियो को देखकर दिल टूट गया है। महिलाओं के खिलाफ हुई इस हिंसा की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। हमें उपद्रवियों के ऐसे अमानवीय कृत्यों की निंदा करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए एकजुट होना चाहिए। इस पर बीजेपी नेता अमित मालवीय ने पलटवार किया है। हावड़ा में महिला को नग्न कर घुमाने वाली घटना की याद दिलाते हुए अमित मालवीय ने ममता बनर्जी से पूछा कि क्या उन्हें शर्म आती है? बीजेपी ने कहा है कि मणिपुर में जो घटना हुई वो बहुत दुखद है, ऐसी घटना कहीं भी नहीं होनी चाहिए लेकिन बंगाल के दक्षिण पांचला में भाजपा की महिला सदस्य को पंचायत चुनाव लड़ने के कारण निर्वस्त्र करके घुमाया गया। ये भी मणिपुर से कम दुखद घटना नहीं है। एक ही दिन में बंगाल के अलीपुर द्वार और वीरभूम में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया। जिस तरह से पश्चिम बंगाल में महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ हो रहा है, वह बहुत चिंताजनक है। ऐसे में सवाल उठता है कि मणिपुर मामले में इस्तीफा मांगने वाली पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री क्या खुद इस्तीफा देगी? क्या मणिपुर में महिला को नग्न कर घुमाने के मामले में संसद में हंगामा करने वाले सोनिया गांधी और राहुल गांधी की पार्टी के नेता बंगाल मामले पर ममता से इस्तीफा मांगेगे? क्या मणिपुर मामले पर स्वतः संज्ञान लेने वाले सुप्रीम कोर्ट से सीजेआई इसमें भी कोई संज्ञान लेगें या सेलेक्टिव अप्रोच अपनाएंगे? क्या मणिपुर मामले पर संसद नहीं चलने देने वाले विपक्षी नेता बंगाल मामले पर अपना मुंह खोलेंगे? क्या कथित पक्षकार इस मामले पर भी ममता सरकार को निशाने पर लेंगे या चुप्पी साध लेंगे? ऐसे में इन सभी के सेलेक्टिव अप्रोच को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा देखा जा सकता है। इधर, इस घटना के सामने आने के बाद भाजपा के आइटी सेल के प्रमुख व पश्चिम बंगाल भाजपा के सहप्रभारी अमित मालवीय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि ममता बनर्जी को क्या कोई शर्म है? आपके राज्य सचिवालय से कुछ ही दूरी पर यह घटना हुई है। आप एक विफल मुख्यमंत्री हैं और आपको अपने बंगाल पर ध्यान देना चाहिए। इससे पहले मणिपुर की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सबने कड़ी निंदा की और इसे मानवता के खिलाफ जघन्य कृत्य बताया। ममता ने घटना को लेकर भाजपा व केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में हुए पंचायत चुनाव के दौरान भारी हिंसा हुई थी जिसमें 20 से ज्यादा लोगों की जान गई थी। इस दौरान मतपत्रों की लूट और धांधली के मामले भी सामने आए थे। मुर्शिदाबाद, कूच बिहार, मालदा, दक्षिण 24 परगना, उत्तरी दिनाजपुर और नदिया जैसे कई जिलों से बूथ कैप्चरिंग, मतपेटियों को नुकसान पहुंचाने और पीठासीन अधिकारियों पर हमले की खबरें सामने आई थीं। वहीं, जानी मानी फिल्म निर्माता अपर्णा सेन ने पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में हुई हिंसा को लेकर राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसकी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती हैं। मानवाधिकार समूह की ओर से आयोजित सेमिनार में सेन ने कहा कि वह भी हर किसी की तरह असहाय होकर स्थिति को देख रही थीं। मुख्यमंत्री को बांग्ला में लिखे खुले पत्र को पढ़ते हुए फिल्म निर्माता ने कहा, राज्य सरकार और आप (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) इस अराजकता के लिए जिम्मेदार हैं। राज्य चुनाव आयोग और केंद्रीय बलों को स्थानीय पुलिस और प्रशासन पर निर्भर रहना पड़ता है। राज्य के गृह मंत्री के रूप में, आप किसी भी तरह से अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती हैं। हद तो तब हो गई जब भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी शुक्रवार को 8 जुलाई को पंचायत चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में सत्तारूढ़ टीएमसी कार्यकर्ताओं के हाथों उनकी पार्टी के उम्मीदवार पर यौन उत्पीड़न की एक कथित घटना के बारे में बोलते हुए रो पड़ीं। भाजपा को इस घटना को लेकर एक प्रेस वार्ता आयोजित करनी पड़ी जिसमें नई दिल्ली से महिला सांसदों की पांच सदस्यीय टीम ने बुधवार को पंचायत चुनाव के बाद हिंसा के पीड़ितों से मिलने के लिए पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के अमता का दौरा करने को भेजा । भाजपा अध्यक्ष जे।पी।नड्डा द्वारा नियुक्त टीम ने उत्तर 24 परगना के हिंसा प्रभावित देगंगा का भी दौरा किया, जहां उसने आगजनी का प्रत्यक्ष विवरण लेने के अलावा उन लोगों से मुलाकात की जिनके घर जला दिए गए थे।"हम भी महिलाएं हैं, हम चाहते हैं कि हमारी बेटियां सुरक्षित रहें। हम भी इस देश की बेटियां हैं। पश्चिम बंगाल (देश) के बाहर नहीं है, पश्चिम बंगाल देश के भीतर है," सांसद लॉकेट चटर्जी ने भाजपा की प्रेस वार्ता के दौरान भावुक होते हुए कहा था । प्रधानमंत्री ने भी कल मणिपुर की घटना के बारे में बात की लेकिन उन्होंने सभी बेटियों के लिए कहा कि सभी राज्यों में कानून और व्यवस्था की स्थिति मजबूत होनी चाहिए। वह (पीड़िता) सिर्फ मणिपुर की बेटी नहीं है, वह भारत की बेटी है। हम चाहते हैं कि आप हमारी (बंगाल की) बेटियों के बारे में भी बात करें। वे कहाँ जाएंगे?₹ उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की कल संसद के बाहर की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए टिप्पणी करते हुए कहा था । पश्चिम बंगाल में हाल में जो पंचायत चुनाव हुए थे उसमे जब टीएमसी पंचायत चुनाव में जीत का जश्न मना रही थी तब इस जश्न में उन परिवारों की चीत्कार कहीं खो गई, जिनके परिजन चुनावी हिंसा के शिकार हुए। 16 मौतों के लिए के लिए मातम का वक्त अभी खत्म नहीं हुआ है। खून से सने पोलिंग बूथ, टूटी मतपेटियां और बुलेट-बम की खौफनाक तस्वीरें भी जश्न के गुलाबी-हरे रंग में खो जाएंगी।

# शर्म से भरा मणिपुर का बेशर्म वीडियो

ऋतुपर्ण

मणिपुर में जो हुआ बेहद शर्मनाक था, उससे भी शर्मनाक पुलिस संरक्षण में जाती पीड़िता को भीड़ द्वारा छुड़ा लेना, उससे भी शर्मनाक अपराधियों की करतूत का विरोध का साहस दिखाने वाले पीड़िता के पिता और भाई की भी हत्या निर्वस्त्र पीड़िता के सामने होना, उससे भी शर्मनाक वहां के मुख्यमंत्री का बयान जिसमें कहना कि ऐसी सौ-सौ घटनाएं हुईं हैं? उससे भी शर्मनाक पता होकर भी पुलिस एफआईआर लिखे जाने में देरी है। जैसा झुलसते मणिपुरी कह रहे हैं कि इससे भी शर्मसार करने वाले वाकिये सामने आना बांकी है, दुखद है। देश गुस्से में है, होना भी चाहिए। अगर इंसानों का सभ्य समाज जिन्दा है तो जिन्दा दिखना भी चाहिए। आदिवासी मणिपुरी महिलाओं को पूरी तरह से निर्वस्त्र कर भीड़ द्वारा सरेआम घुमाना और पीड़िताओं की लाज, लज्जा से कई-कई बार खुले आम खिलवाड़ करना सभ्य समाज और दुनिया नहीं स्वीकारेगी। ऐसा तो कबीलाई समाज में भी कभी देखा या सुना नहीं गया। महला को निर्वस्त्र कर भीड़ ने जो नंगा नाच किया वो जंगली जानवरों के हमले से भी ज्यादा खतरनाक और दर्दनाक था। माना कि 4 मई की घटना की सच्चाई का 21 सेकेण्ड का वीडियो इण्टरनेट बंदी के चलते मणिपुर की बाहरी दुनिया को जल्द पता नहीं चल पाया लेकिन वहां की स्थानीय पुलिस को 19 जुलाई तक पता नहीं चलना कई लिहाज से दुखद व शर्मनाक है। यह भी बहुत ही दुःखद और चिन्ताजनक है कि कि दरिंदगी और शर्म से डुबो देने वाली घटनाओं को लेकर मुख्य न्यायाधीश का खुद आगे बढ़कर हरकत में आना और कार्रवाई के लिए सरकार को समय सीमा की चेतावनी देना है। वहीं प्रधानमंत्री खुद इसे कहते हैं कि मणिपुर की घटना से उनका हृदय पीड़ा में है। शर्मसार करने वाली घटना है। पापी कौन हैं कितने हैं, वो अपनी जगह है लेकिन बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है। मैं मुख्यमंत्री से अपील करता हूँ कि अपने-अपने राज्यों में कानून व्यवस्था को मजबूत करें। ये राज्य सरकार की विफलता नहीं तो और क्या है? 80 दिन पहले हुई और जिसकी एफ़आईआर 62 दिन पहले दर्ज होना और मामले के लिए वीडियो वायरल होने का इन्तजार करना अपने आप में बड़ा सवाल है? बात महज तीन महिलाओं की आबरू की नहीं, सरे आम, सरे राह और सैकड़ों लोगों के सामने तार-तार करने की भी नहीं बल्कि इससे भी बहुत-बहुत आगे की है। पीड़िता के बयान बहुत दर्दनाक हैं। कैसे तीन मई को आधुनिक हथियारों से लैस 800 से लेकर 1000 लोग थोबल ज़िले में उस गाँव में घुस गए जहां यह घटना घटी? लूटपाट कर आग लगाती भीड़ को पुलिस ने काबू करना तो उल्टा पीड़िताओं को उन्हीं के हवाले कर देना बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह है? अपने पिता व भाई के साथ खुद को बचाने जंगलो की ओर भाग रही थी तो पुलिस ऐसी देवदूत बनी जिसने थोड़ी ही दूर पर उन्हें राक्षसों की भीड़ को सौंप दिया।

भीड़ ने 20, 42 और 50 साल महिला को निर्वस्त्र कर दिया। 20 वर्षीया महिला की सरेराह और सरे आम कई-कई बार इज्जत लुटी। दुखद यह भी है कि आरोपियों में से एक पीड़िता के भाई का दोस्त था। सच में मणिपुर में नफरत की दीवारें इंसानियत और रिश्तों को तार-तार करने की हदों से भी ज्यादा है। एफआईआर से पता चला कि कुल तीन महिलाओं में से दो को नग्न कर घुमाया गया। तीसरी को कपड़े उतारने खातिर मजबूर किया गया जो वीडियो में नहीं दिखी। महला के पत भारतीय सेना में सूबेदार होकर रटायर हुए। वो कारगिल लड़ाई में आगे होकर लड़ चुके हैं। भारी मन से कहते हैं कि उन्होंने युद्ध बड़ी-बड़ी लड़ाई लड़ीं। लेकिन अब उन्हें उनका घर भयावह युध्दों के मैदान से ज्यादा खतरनाक लगने लगा है। वो बेबस हैं जो अपनी गरमिा, घर और सारी कमाई यानी सब कुछ खो चुके हैं। मणिपुर में पिछले 83 दिनों से हिंसा जारी है। राजधानी इम्फाल बीचों बीच बसा प्रदेश का 10 प्रतिशत हिस्सा है जिसमें 57 प्रतिशतद आबादी रहती है। बांकी 90 प्रतिशत पहाड़ी इलाके हैं जिनमें 43 प्रतिशत लोग रहते हैं। इम्फाल घाटी मैतेई बहुल है जहां ज्यादातर हिंदू हैं तथा आबादी के लिहाज से 53 प्रतिशत है। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक इसी समुदाय के हैं। दूसरी ओर पहाड़ों में 33 मान्य जनजातियां आबाद हैं जो नगा और कुकी हैं। दोनों खासकर ईसाई हैं। वहीं 8-8 प्रतिशत आबादी मुस्लिम और सनमही समुदाय की है। संविधान का अनुच्छेद 371-सी पहाड़ी जनजातियों को वो विशेष दर्जा और सुविधाएं देता है जो मैतेई को नहीं मिलते।

# नंगे तो हम पहले से हैं!

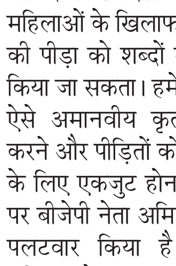

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक समय था जब चार घर छोड़ दुकान चलाने वाला मेरा मित्र मेरी हर बात का आदर करता था। अब वह बहुत बदल गया है। आजकल उस पर समाचार चैनलों की चिल्लाहट का गाढ़ा रंग हावी हो चुका है। उसकी आँखों को छोड़कर वह अंदर और बाहर दोनों से नंगा है। आँखों पर उसके हिंदू-मुस्लिम, देश-विदेश के दौरे, इंडिया शब्द के अलग-अलग फूल फार्म बनाने वाले चादरों की परत चढ़ी हुई हुई। मैं उसे बहुत देर से समझाने की कोशिश कर रहा हूँ। मैंने उसे विश्वास दिलाने का हरसंभव प्रयास किया। किंतु उसमें मणिपुरी लड़की को नंगा घुमाने की बात तो दूर मणिपुर को अपने देश का हिस्सा मानने से इंकार कर दिया। उसे लगा सिंगापुर की तरह मणिपुर भी कोई देश है, जहाँ हमारे देश का शासन है। मैं गिड़गिड़ाता रहा कि वह राज्य भी हमारे देश का हिस्सा है। वहाँ रहने वाले लोग भी हमारे लोग हैं। वहाँ की औरतें भी हमारी माँ-बहन है। उर्फी जावेद की फैशन परेड चाव से देखने वाला भला नंगे होने की पीड़ा को खाक समझेगा। उसके पास तो नंगे वीडियो की भरमार है। वह तो मणिपुरी लड़की को नंगा घुमाने का जिम्मेदार भी उसी लड़की को मानता है। उसका कहना है कि बिना किसी गलती के कोई भला ऐसा क्यों करेगा? न जाने कहाँ से उसकी जुबान पर बेशर्मी के गुर्गे आ बैठे, वह छिछोरों की तरह कहने लगा – भाई! जमाना बदल चुका है। अब तो लोग संवेदना की जूती बनाकर अपनी मर्जी की राह चलने के लिए खुले पड़े हैं। आज वही आदमी समझदार है जिसके जो ऐसे वीडियो को देखकर मजे लेता हो। हमारे नेता संसद में बैठकर पोर्नशास्त्र की थ्योरी डिग्री और प्रैक्टिकल के लिए गरीबों की बेटी पर हाथ आजमा रहे हैं, वैसे देश में लड़की का नंगा घुमाना कोई बड़ी बात नहीं है। एक समय द्वारकाधीश श्रीकृष्ण द्रौपदी के चीरहरण के समय अनंत चीर देकर दुष्टों के इरादों को चीर दिया था, वहीं आज चीर खींचने वाले, शासन कर रहे हैं। चीर देने वाला शरीफ होता है, और शरीफों को कोई वोट नहीं देता। वोट तो उनको दिया जाता है जो एक पौवा, कुछ रुपए हाथ में थमाते हैं और बाद में उन्हीं के हाथों बहू-बेटियों को नंगा होते हुए देखकर अपने अंग के सारे छेदों पर यह कह कर अंगुली धर देते हैं कि वह अपनी बहू-बेटी थोड़े न है।

यहाँ हर कोई ऊपर से नीचे तक पाक होने का दावा करता है लेकिन भीतर से मैलेपन की नापाक कई अस्तरें होती हैं। यहाँ हर कोई नंगा है। जो नंगा है वही चंगा है। जो नंगा नहीं वह लफंगा है। नंगों से पंगा न लेने में ही भलाई है। नंगे की नंगई को देखकर एंजॉय करना जो सीख जाता है वही यहाँ खुश रहता है। दर्द महसूस करना, आँसू बहाना, जली खोटी सुनाना, अपशब्द कहना यह सब शारीरिक और मानसिक बीमारी के कारक बनते हैं।

# क्यों खास है अधिक मास

## इस महीने को भगवान विष्णु ने अपना नाम देकर बनाया पुरुषोत्तम मास और हिरण्यकश्यप को भी इसी महीने में मारा

### अधिक मास में मारा हिरण्यकश्यप को

पौराणिक मान्यता है, हिरण्यकश्यप ने वरदान मांगा था कि मैं 12 महीनों में से किसी में नहीं मारा जा सकूं। तब अधिक मास में भगवान नृसिंह का अवतार हुआ था, जिसे बारह महीनों में नहीं गिना जाता। उस वक्त वैशाख में अधिक मास था।

18 जुलाई से अधिक मास शुरू हो गया है। जो कि 17 अगस्त तक रहेगा। हिंदू कैलेंडर के इस एक्स्ट्रा महीने को अक्षय पुण्य देने वाला माना जाता है। पुराणों में इस बात का जिक्र है कि तीन साल में आने वाले अधिक मास में भगवान विष्णु की पूजा के साथ स्नान-दान करने से अक्षय पुण्य मिलता है और इस समय ब्रज की यात्रा करने से सभी तीर्थों की यात्रा करने जितना पुण्य फल मिलता है। भारतीय सौर और चंद्र कैलेंडर की गणना के मुताबिक एक सूर्य वर्ष 365 दिन और 6 घंटे होता है, जबकि चंद्रमा का एक वर्ष 354 दिनों का होता है। दोनों में 11 दिन का अंतर होता है, इसीलिए हर 3 साल में पुरुषोत्तम मास आता है, जो इस कमी पूरी करता है।

इसी वजह से पुरुषोत्तम मास में जो त्योहार 3 सालों में नहीं मनाए हों वे त्योहार हम मना सकते हैं। हर दिन एक त्योहार मनाया जाता है।

इस महीने में वसंतोत्सव अर्थात होली का उत्सव, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, शरद पूर्णिमा का उत्सव, अक्षय तृतीया, गिरिराज जी का पूजन, श्रीनाथ जी का पूजन, अन्नकूट, दीपावली और देवउठनी एकादशी मुख्य हैं।

पुरुषोत्तम मास के समय सभी तीर्थ ब्रज में निवास करते हैं, इसलिए मान्यता है कि अधिक मास के दौरान अगर ब्रज यात्रा कर लें तो सभी तीर्थ स्थानों की यात्रा करने का पुण्य मिल जाता है।

इस महीने में 'ऊँ भगवते वासुदेवाय' द्वादश अक्षर मंत्र का जाप किया जाता है क्योंकि भक्त प्रहलाद ने इसी मंत्र का जाप करके भगवान को नृसिंह अवतार में पाया था।

इस महीने में सक्रांति नहीं होती है अधिक मास में सूर्य किसी भी राशि में प्रवेश नहीं करता है। इस महीने में सूर्य सक्रांति नहीं होने के कारण षोडशोपचार पूजन नहीं होता है यानी नवग्रह पूजन करने का विधान नहीं है और हर वो पूजन जिसमें नवग्रहों की जरूरत होती है, इस दौरान नहीं किया जाता।

**पुरुषोत्तम मास के फायदे**

- इस महीने में ब्रह्म मुहूर्त में स्नान और दान करने का विशेष महत्व होता है।
- भगवान विष्णु से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान, खासतौर से भागवत पाठ, रामायण पाठ, हरिवंश पुराण पाठ आदि कराना शुभ माना गया है।
- पीपल में भगवान विष्णु का वास माना गया है। मान्यता है कि पीपल के पेड़ को जल चढ़ाकर उसकी परिक्रमा करने और भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करने से परेशानियां दूर होती हैं।
- अधिक मास में चावल से शंख पूजन किया जाता है जो लक्ष्मी आगमन के लिए शुभ माना जाता है। इसी महीने में तुलसी पौधे के पास घी का दीपक लगाने से विशेष पुण्य मिलता है।
- इस महीने में भगवान विष्णु के नृसिंह स्वरूप का पूजन भी किया जाता है। पुराणों के मुताबिक इनकी पूजा बीमारियां और परेशानियां दूर होती है।

## अज्ञानी की देह है केवल उसकी पाश

श्री ज्ञानमुनिजी म.सा

* एक ने कही दूजे न मानी
गुरु नानक कहे दोनों ज्ञानी ।
* पाठ पढे ते एक गुण,
अनुभव (समझे) किये
हजार ॥
* अनुभव का कर दीपले,
बढ आगे हर बार ।
तब पहुँचेगा ध्येय को, निश्चय बेड़ा पार ।।
* ज्ञानी अपनी देह से करता कर्म विनाश ।
अज्ञानी की देह है, केवल उसकी पाश ।
* कठिन प्रीत की रीत कठिन तन मन वश करनो, कठिन कर्म को फंद कठिन भव सागर तरनो । कठिन करण उपकार, कठिन मन मारण ममता, कठिन विपद में दान, कठिन संपद में समता । जिल वचन निभावन अति कठिन, निर्धन नेह पालन कठिन, बेताल कहे विक्रम सुनो, ज्ञान युद्ध जीतण कठिन ।।
* जाके हिरदे ज्ञान हैं, ताहि कर्म न लागै ।
सब परि बैठे मक्षिका, पावक ते दूरि भागे ।।
* जहाँ पाहरु जागहिं, तहाँ चोर न जाहिं ।
आँखिन देखता सिंह को, पशु दूर पलाहि ॥
* जा घर माँहि मंजार है तहाँ मूसक नासै । ।
शब्द सुनत ही मोर का अहि रहै न पासै ॥
* अंधेरों की बगावत का हौसला मिटाने को ।
एक दीप काफी है, रोशनी जगाने को ॥
* चाँद मिलता नहीं सबको संसार में । है
दिया ही बहुत रोशनी के लिये ।।
* धीर बुद्धि तब जानिये समझे सब जग रीत ।
उनके अवगुण आप में, कबहुँ न लावे मीत ॥
* तन सुकाय पिंजर करै, धेरै रैन दिन ध्यान ।
तुलसी मिटे न वासना, बिना विचारे ज्ञान ।।
* ऊँटा में अकल नहीं, बिना अकल का ऊत ।
पगा उगाडा क्यूँ फिरै, क्यूँ न करावै जूत ॥
* जो जहर हलाहल है, अमृत भी वही लेकिन ।
मालूम नहीं तुमको, अंदाज ही पीने के ॥
* जहाँ पर जिसकी समझ नहीं वहाँ अंधेरा घोर ।
हीरा तजकर हाथ से, बालक पकड़े बोर ।।
* अज्ञानी मद मस्त हो, फिरे डौलता छैल ।
सीगं पूँछ से रहित, निश्चै जानो बैल ।।
* जल हीन सर, फल हीन तर ।
अकल हीन नर, तीनूँ बराबर ।।
* श्रीमान शिक्षा दे उन्हें तो श्रीमति कहती वहीं,
घेरो न लल्ला को हमारे, नौकरी करनी नहीं ।
शिक्षे तुम्हारा नाश हो, तुम नौकरी के हित बनी,
लो मूर्खते जीवित रहो, रक्षक तुम्हारा है धनी॥
* मौत बुढापो आपदा, सब कोई ने होय ।
ज्ञानी भोगे ज्ञान से, मूरख काढे रोय ॥
* लक्ष्मी चल विद्या अचल कैसे तुलना थाय ।
लक्ष्मी ओछी ही रहे, विद्या बढती जाय ॥
* विद्या बताती है तुम्हें, क्या धर्म और अधर्म है, विद्या बताती है तुम्हें, क्या कर्म और अकर्म है ।
* विद्या बताती है तुम्हें, कैसे छूटे संसार से,
विद्या सिखाती है तुम्हें, कैसे मिले भंडार से ॥

# महादेव ने माता पार्वती को दी थी ये 5 सीख

**जीवन की क्षणभंगुरता (अनित्य):-**
भगवान शंकर ने माता पार्वती को जन्म और मृत्यु के शाश्वत चक्र पर जोर देते हुए जीवन की नश्वरता के बारे में बताया। उन्होंने उन्हें बताया कि भौतिक संसार में सब कुछ क्षणिक है, परिवर्तन और क्षय के अधीन है। सांसारिक संपत्तियों और रिश्तों की नश्वरता को समझकर, व्यक्ति वैराग्य विकसित कर सकता है और आत्मा के शाश्वत पहलू पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। यह शिक्षा व्यक्तियों को बदलाव को शालीनता से अपनाने और जीवन के उतार-चढ़ाव से परे सच्ची खुशी की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

**आत्मा और ब्रह्म की एकता (अद्वैत):-**
भगवान शिव ने माता पार्वती को अद्वैत की गहन अवधारणा, अस्तित्व की अद्वैत प्रकृति के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि अंतिम स्तर पर, व्यक्तिगत आत्मा (आत्मान) और परमात्मा (ब्राह्मण) के बीच कोई अंतर नहीं है। सभी प्राणी आपस में जुड़े हुए हैं और सार्वभौमिक चेतना का हिस्सा हैं। इस एकता का एहसास आध्यात्मिक मुक्ति और अहंकार के विघटन की ओर ले जाता है। यह शिक्षा एकता, करुणा और इस अहसास को बढ़ावा देती है कि दिव्यता हर जीवित प्राणी में निवास करती है।

**तपस्या की शक्ति (तपस):-**
भगवान शंकर ने मन, शरीर और आत्मा को शुद्ध करने के साधन के रूप में तप या तपस्या के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने माता पार्वती को सिखाया कि कठोर आत्म-अनुशासन और तपस्या से आध्यात्मिक विकास और प्राप्ति होती है। तपस्या का अभ्यास करके, व्यक्ति इच्छाओं, आसक्तियों और नकारात्मक लक्षणों पर काबू पा सकता है, जिससे आध्यात्मिक विकास का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। तपस्या को दैवीय कृपा और ज्ञान प्राप्त करने का एक शक्तिशाली उपकरण माना जाता है।

**आंतरिक मौन को अपनाना (मौन):-**
अपने गहन संवाद के एक क्षण में, भगवान शिव ने आंतरिक मौन के महत्व को बताया। उन्होंने माता पार्वती को समझाया कि सच्चा ज्ञान और दिव्य अनुभव तब उत्पन्न होते हैं जब मन शांत और निरंतर बकबक से मुक्त होता है। मौन और चिंतन को अपनाने से, व्यक्ति आत्मा की गहरी परतों तक पहुंच सकता है, आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और आंतरिक शांति की सुविधा प्रदान कर सकता है। मौना सचेतनता भी विकसित करती है और आत्म-जागरूकता की शक्ति को बढ़ाती है।

**वैराग्य और त्याग (वैराग्य):-**
माता पार्वती को भगवान शिव की शिक्षाओं में वैराग्य और त्याग के गुण पर भी जोर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सच्ची संतुष्टि भौतिक संपत्ति इकट्ठा करने में नहीं, बल्कि सादगी और संतुष्टि अपनाने में निहित है। वैराग्य का अभ्यास करके, व्यक्ति स्वयं को भौतिक संसार की उलझनों से मुक्त कर सकते हैं और अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। वैराग्य व्यक्ति को दुखों पर काबू पाने और भीतर की दिव्य उपस्थिति में सांत्वना पाने में सक्षम बनाता है।

माता पार्वती को भगवान शंकर की शिक्षाएँ मानवता के लिए ज्ञान और मार्गदर्शन का एक शाश्वत स्रोत हैं। प्रत्येक शिक्षण गहन आध्यात्मिक महत्व रखता है और कालातीत मूल्य प्रदान करता है जो हमारे जीवन को समृद्ध कर सकता है और हमें आत्म-प्राप्ति और आध्यात्मिक विकास की ओर ले जा सकता है। जीवन की नश्वरता को अपनाना, सभी अस्तित्व की एकता को पहचानना, तपस्या का अभ्यास करना, आंतरिक मौन को विकसित करना और वैराग्य को अपनाना गहन अंतर्दृष्टि है जो साधकों को आध्यात्मिक ज्ञान और दिव्य मिलन की खोज में प्रेरित करती रहती है।

# पवित्र मूर्तियां या अंधविश्वास... ?

## क्यों छिड़ी लोगों के बीच धर्म की बहस

मूर्ति पूजा की प्रथा का पता भारत में प्राचीन काल से लगाया जा सकता है। पुरातात्विक साक्ष्य बताते हैं कि धार्मिक अनुष्ठानों में प्रतीकों और छवियों का उपयोग हजारों साल पुराना है। मूर्ति पूजा के विभिन्न रूपों का विकास विभिन्न अवधियों में हुआ, जो विविध क्षेत्रीय संस्कृतियों और धार्मिक मान्यताओं से प्रभावित था।

**मूर्ति पूजा के आसपास का विवाद**

भारतीय संस्कृति में अपनी गहरी उपस्थिति के बावजूद, मूर्ति पूजा को धार्मिक समुदाय के भीतर और बाहर दोनों से आलोचना का सामना करना पड़ा है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि मूर्ति पूजा अंधविश्वास को बढ़ावा देती है और आध्यात्मिक विकास में बाधा डालती है। इसके अतिरिक्त, धार्मिक और दार्शनिक दृष्टिकोण से बहसें उत्पन्न हुई हैं, जिसमें मूर्ति पूजा के महत्व और उपयुक्तता पर अलग-अलग राय है।

**मूर्ति पूजा के मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय पहलू**

मूर्ति पूजा के मनोवैज्ञानिक पहलू में मनोवैज्ञानिक आराम और भावनात्मक संबंध शामिल है जो भक्तों को अपने देवताओं के भौतिक प्रतिनिधित्व में मिलता है।

समाजशास्त्रीय मोर्चे पर, मूर्तियां धार्मिक समारोहों और त्योहारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, अनुयायियों के बीच समुदाय और एकता की भावना को बढ़ावा देती हैं।

**मूर्तियों का प्रतीकात्मक अर्थ**

भारतीय संस्कृति में मूर्तियां सिर्फ एक भौतिक उपस्थिति से अधिक रखती हैं; उन्हें परमात्मा का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व माना जाता है। प्रत्येक देवता और उनके संबंधित गुणों में गहरा अर्थ होता है जो भक्तों के जीवन का मार्गदर्शन करते हैं और नैतिक मूल्य प्रदान करते हैं। मूर्ति पूजा पर आधुनिकीकरण और वैश्वीकरण का प्रभाव

जैसा कि भारत आधुनिकीकरण और वैश्वीकरण को गले लगाता है, मूर्ति पूजा जैसी पारंपरिक प्रथाओं को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। जबकि कुछ अतीत के रीति-रिवाजों को संरक्षित करने की वकालत करते हैं, अन्य परिवर्तन को गले लगाते हैं और विकसित दुनिया के अनुकूल होते हैं।

**मूर्ति पूजा और सांस्कृतिक विरासत**

मूर्ति पूजा केवल एक धार्मिक प्रथा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न अंग है। भारतीय पहचान के सार की रक्षा के लिए इन परंपराओं की रक्षा और बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

8. मूर्ति पूजा में तर्कसंगतता और विश्वास को संतुलित करना

दिलचस्प बात यह है कि मूर्ति पूजा के कई अनुयायी अपनी तर्कसंगत सोच को अपनी आध्यात्मिक मान्यताओं के साथ मिला सकते हैं। वे तर्क और विश्वास के बीच सामंजस्य पाते हैं, जिससे वे अभ्यास को पूरी तरह से गले लगा सकते हैं।

**आइकॉनोक्लासम के आसपास के विवाद**

पूरे इतिहास में, विभिन्न उदाहरणों में आइकनोक्लासम उभरा है, जिससे धार्मिक मूर्तियों का विनाश हुआ है। हम इन कृत्यों के आसपास के विवादों और धार्मिक मूर्तियों के संरक्षण या विघटन के आसपास की बहसों पर चर्चा करते हैं।

**मूर्ति पूजा के बारे में गलत** धारणाओं को संबोधित करना

मूर्ति पूजा को अक्सर गलत धारणाओं और रूढ़ियों का सामना करना पड़ता है। हम इन गलतफहमियों को स्पष्ट करने और अभ्यास पर एक सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करने का लक्ष्य रखते हैं।

**अन्य संस्कृतियों और धर्मों में मूर्ति पूजा**

एक तुलनात्मक विश्लेषण विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों में मूर्ति पूजा में समानता और अंतर को प्रकट करता है, इस अभ्यास की विविध अभिव्यक्तियों पर प्रकाश डालता है।

**भारत में मूर्ति पूजा का भविष्य**

जैसे-जैसे भारतीय समाज विकसित हो रहा है, मूर्ति पूजा का भविष्य अटकलों के अधीन है। हम समकालीन भारतीय संस्कृति में संभावित परिदृश्यों और मूर्ति पूजा की विकसित भूमिका का पता लगाते हैं। अंत में, भारतीय संस्कृति में मूर्ति पूजा के आसपास का विवाद इस प्राचीन प्रथा की समृद्धि और जटिलता को दर्शाता है। अलग-अलग विचारों के बावजूद, मूर्ति पूजा लाखों भारतीयों के दिलों में गहराई से बसी हुई है, जो उनके विश्वास, विरासत और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है। मूर्तियों का महत्व भौतिक दायरे से परे है, जिसमें गहन प्रतीकात्मक अर्थ हैं जो लोगों के जीवन के नैतिक और आध्यात्मिक पहलुओं का मार्गदर्शन करते हैं।

## अक्षय कुमार ने अवॉर्ड शो में कर डाली थी मनीष पॉल की बेज्जती? छलका एक्टर का दर्द!

मनीष पॉल अभिनेता होने के साथ-साथ शानदार होस्ट भी हैं। उन्होंने अपने करियर का लंबा वक्त टीवी शो और अवॉर्ड शो को होस्ट करने में बिताया है। कई बार अवॉर्ड शो में वह सेलेब्स को रोस्ट करते नजर आते हैं। मगर, एक बार एक समारोह के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार के साथ उनका अनुभव काफी अलग रहा। मनीष पॉल के मुताबिक खिलाड़ी उनके ऊपर भड़क उठे थे। हाल ही में उन्होंने वह अनुभव साझा किया है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान मनीष पॉल ने वह घटना साझा की, जो आज भी उनके दिमाग में बैठी है। उन्होंने बताया कि शो के दौरान अक्षय कुमार उनके ऊपर चिल्लाने लगे थे, यह स्थिति उनके लिए काफी शर्मिंदगी वाली थी, लेकिन उन्होंने किसी तरह इसे संभाला। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान मनीष पॉल से किसी सेलिब्रिटी के साथ फनी स्टोरी के बारे में पूछा गया। इस पर मनीष ने उस समय का जिक्र किया, जब उन्होंने फिल्म अवॉड्र्स होस्ट करना शुरू ही किया था। उन्होंने बताया कि अक्षय कुमार स्टेज से उतर रहे थे। तभी मनीष ने उनसे एक सवाल पूछ लिया इस पर खिलाड़ी उन पर चिल्ला पड़े और चुप रहने को कहा। मनीष ने कहा, 'वह सख्त लहजे में बोले 'चुप कर। मेरे तो पसीने छूट गए। मेरी मां भी वहां मौजूद थीं और पहली बार मेरा काम देखने के लिए आई थीं। मुझे बहुत शरम आई कि मेरी बेज्जती हो गई।' मनीष ने आगे कहा कि वह समझ गए कि यह उनके करियर का अंत हो सकता है या एक नए करियर की शुरुआत, इसलिए उन्होंने फ्लो के साथ जाने का फैसला किया और अक्षय कुमार के पास गए। मनीष ने बताया कि वह अक्षय के पीछे-पीछे उनकी सीट तक चले गए, तब भी जब उनके डायरेक्टर उन्हें ऐसा न करने की चेतावनी दे रहे थे। मनीष ने आगे बताया, 'मैंने उनसे कहा कि उन्होंने मेरी मां के सामने किस तरह मेरा अपमान किया। मैं उनसे सिर्फ अभिनय के टिप्स मांग रहा था। इसके बाद हमारी बातचीत दूसरे स्तर पर चली गई'। मनीष ने कहा कि वह एक मजेदार वक्त था। बाद में अक्षय कुमार ने भी उन्हें उनके ह्यूमर के लिए बधाई दी। खिलाड़ी ने उनसे यह भी कहा कि वह सिर्फ उनके साथ मजाक कर रहे थे'।

## 900 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं नागार्जुन

# 1000 एकड़ जमीन तो दे दी दान में

**साउथ एक्टर नागार्जुन** इंडस्ट्री के बड़े स्टार हैं। 1959 में मद्रास (अब चेन्नई) में जन्मे एक्टर ने 1967 में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट एक्टिंग में करियर की शुरुआत की थी। नागार्जुन इन दिनों चर्चा में हैं, इसकी वजह है कि उन्होंने बिग बॉस तेलुगु होस्ट करने की घोषणा की है। वो फिल्मों के साथ-साथ टीवी शोज से भी लाखों-करोड़ों कमाते हैं। वो रियल लाइफ में नेकदिल इंसान हैं। उन्होंने केवल पार्क बनाने के लिए 1000 एकड़ जमीन दान में दी। साउथ एक्टर 900 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं और बेहद ही लग्जरी लाइफ जीते हैं। ऐसे में चलिए आपको उनकी लैविश लाइफ के बारे में बताते हैं

**42 करोड़ के घर में रहते हैं सिर्फ चार लोग**

नागार्जुन के पास हैदराबाद के जुबली हिल्स एक बड़ा और लग्जरी घर है। छुट्टियों में वो वहां रहना पसंद करते हैं। मीडिया रिपोट्र्स में उनके इस घर की कीमत करीब 42 करोड़ बताई जा रही थी। संगमरमर के इस घर में केवल चार लोग ही रहते हैं। इसमें उनकी मां, पत्नी और बेटे अखिल यहां रहते हैं। उनका ये घर किसी महल से कम नहीं है। उनका ये घर 4000 स्क्वायर फीट का है।

**प्राइवेट जेट से सफर करते हैं नागार्जुन**

नागार्जुन भारत के उन चुनिंदा एक्टर्स में से एक हैं, जिनके पास प्राइवेट जेट है। उन्होंने साल 2018 में सोशल मीडिया पर अपनी प्राइवेट जेट की तस्वीरों को शेयर किया था। इसके अलावा उनके पास कई लग्जरी गाड़ियां भी हैं। इसमें बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज, ऑडी ए7, बीएमडब्ल्यू एम6 और पोर्श केयेन जैसी लग्जरी गाड़ियां हैं। उनके पास सुपरबाइक्स भी हैं।

**हैदराबाद में है 22 एकड़ का स्टूडियो, दान में दिए 1000 एकड़**

नागार्जुन साउथ के बेहतरीन एक्टर्स में से एक हैं। वो फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ फिल्में भी प्रोड्यूस करते हैं और एक सफल बिजनेसमैन भी हैं। 1976 में उनके पिताजी ने अन्नपूर्णा स्टूडियो नाम से एक प्रोडक्शन हाउस शुरू किया था। अब उनके भाई वेंकट इसके मालिक हैं। ये हैदराबाद के पॉश इलाके में बंजारा हिल्स में 22 एकड़ में बना हुआ है।

**900 करोड़ के हैं मालिक, फिल्मों और टीवी शो के लिए लेते हैं इतने**

अगर नागार्जुन की कुल संपत्ति की बात की जाए तो रिपोट्र्स में कहा जाता है कि साल 2022 में उनके पास कुल 900 करोड़ की संपत्ति थी। वो एक फिल्म के लिए 12-20 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। वहीं, बताया जाता है कि एक टीवी शो के एक एपिसोड के लिए 5 करोड़ रुपए लेते हैं। इसके साथ ही विज्ञापनों से भी वो अच्छी खासी रकम कमा लेते हैं।

## आदित्य रॉय कपूर संग अफेयर की खबरों के बीच अनन्या पांडे को बॉलीवुड एक्टर ने बताया पनौती

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्य पांडे इन दिनों एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ रिलेशनशिप को लेकर खूब चर्चा में हैं। हाल ही में आदित्य रॉय और अनन्या पांडे लिस्बन से छुट्टियां मनाकर मुंबई लौटे हैं। दोनों की वेकेशन की तस्वीरें और वीडियोज पहले से ही सोशल मीडिया पर वायरल हैं। वहीं शनिवार की शाम को दोनों को मुंबई में भी एकसाथ स्पॉट किया गया है। सोशल मीडिया पर पैपराजी के कमरे में कैद अनन्या-आदित्य की तस्वीरें ट्रेंड कर रही हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे को उनके फैंस कपूर कहकर जमकर कमेंट कर रहे हैं।

हालांकि दोनों में से किसी ने भी अभी तक इस बात की ऑफिसियल अनाउसमेंट नहीं किया है। वहीं अब बॉलीवुड एक्टर और फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान उर्फ केआरके ने अनन्या पांडे पर निशाना साधा है। इतना ही नहीं एक्टर ने अनन्या को पनौती तक कह दिया है।

**केआरके ने साधा अनन्या पर निशाना**

कमाल राशिद खान ने हाल ही में ट्वीट करते हुए लिखा कि 'क्या आप मानते हैं कि अनन्या पांडे फिल्मों के लिए पनौती हैं? उन्होंने Student of the Year 2, 'गहराइयां', 'लाइगर', 'खाली पीली' फिल्मों में काम किया है और सभी फ्लॉप रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'ड्रीमगर्ल 2 है!

**यूजर्स की प्रतिक्रियाएं**

कमाल खान के ट्वीट पर सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रियाएं देते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि 'पब्लिसिटी के लिए एक्टर्स कुछ भी करते हैं।' एक ने लिखा कि 'अनन्या का असली स्ट्रगल।' रवि नाम के यूजर ने लिखा कि 'सही कहा आपने लेकिन ड्रीम गर्ल हिट रहेगी।' एक यूजर ने लिखा 'अनन्या पांडे? अच्छा वो जो अपनी जीभ से अपनी नाक को टच कर सकती है।'

**आदित्य रॉय कपूर को कर रही हैं डेट**

अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर कई दिनों से काफी चर्चा में हैं। अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो जल्द आयुष्मान खुराना संग 'ड्रीम गर्ल 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा एक्ट्रेस की पाइपलाइन में मूवी 'खो गए हम कहां' भी है। साथ ही अनन्या वेब सीरीज 'कॉल मी बे' में नजर आएंगी।

## रेखा अपनी मैनेजर फरजाना संग लिव-इन रिलेशनशिप में हैं? दावों पर लेखक यासिर उस्मान का फूटा गुस्सा

### मेरी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' के कोट को गलत तरीके से पेश करने वाले तथ्यों को सुधारा नहीं गया तो मैं कानूनी कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटूंगा : यासिर

**बॉलीवुड की** दिग्गज अदाकारा रेखा अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से फैंस के दिलों पर राज करती हैं। इसके अलावा उनके फैशन और स्टाइल के लिए भी वह जानी जाती हैं। रेखा भले ही मौजूदा समय में किसी फिल्म का हिस्सा ना हो लेकिन फिर भी वह फिल्म जगत पर राज कर रही हैं और किसी ना किसी वजह से सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं। हाल ही में कुछ रिपोट्र्स में उनकी बायोग्राफी 'रेखाः द अनटोल्ड स्टोरी' के हवाले से दावा किया जा रहा है कि वह अपनी सेक्रेटरी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। वहीं इन दावों पर किताब के लेखक यासिर उस्मान ने इन सभी अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी थी।

लेखक ने इन सभी रिपोट्र्स को सिरे से खारिज कर दिया। जिनमें कहा गया था कि उनकी किताब में दावा किया गया है कि दिग्गज एक्ट्रेस कई सालों से अपनी सेक्रेटरी के साथ 'लिव-इन रिलेशनशिप' में हैं। लेखक ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया है।

**लेखक यासिर उस्मान ने तोड़ी चुप्पी**

लेखक यासिर उस्मान ने ट्वीट करते हुए लिखा कि ' यह अफसोस वाली बात है कि कैसे क्लिकबेट पत्रकारिता तथ्यों की पुष्टि नहीं कर रही है और अक्सर ये महिलाओं को निशाना बनाते नजर आ रहे हैं। मेरी किताब रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' के हवाले से लिव-इन रिलेशनशिप का आरोप लगाने वाले आर्टिकल्स पूरी तरह से मनगढ़ंत और गलत हैं। उनको तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। इसका इरादा सिर्फ सनसनीखेज पैदा करना है। मैं कहना चाहूंगा कि जो बातें मीडिया में कही जा रही हैं, वैसा मेरी किताब में नहीं लिखा हुआ है। इसके अलावा पूरी लिव इन रिलेशनशिप या फिर सेक्शुअल रिलेशनशिप वाली बात भी मैंने अपनी किताब में कहीं भी इस्तेमाल नहीं की है।'

**लीगल एक्शन की चेतावनी**

यासिर ने इस बयान में आगे लिखा है कि 'ये सब गलत, मिसलीड करने वाले पत्रकारों की देन है और कुछ सालों में जब तब रि-सरफेस हो जाते हैं। अगर मेरी और मेरी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' के कोट को गलत तरीके से पेश करने वाले तथ्यों को सुधारा नहीं गया तो मैं कानूनी कार्रवाई से भी पीछे नहीं हटूंगा।'

**रिपोट्र्स में क्या दावा किया गया?**

कई रिपोट्र्स में ऐसा दावा किया गया था कि फरजाना रेखा की परफेक्ट पार्टनर हैं। वो उनकी सलाहकार, दोस्त और सपोर्टर हैं। रेखा उनके बिना नहीं जी सकती हैं। रेखा की भरोसेमंद सेक्रेटरी फरजाना को ही उनके बेडरूम में जाने की इजाजत है। यहां तक कि घर के किसी स्टाफ को उनके रूम में जाने की अनुमति नहीं है।

## 2 बीवियों के बावजूद, जिम में नई लड़की संग वर्कआउट करते दिखे अरमान मलिक, लोगों ने सुनाई खरी-खोटी, बोले- 'तीसरी की तैयारी है?'

**फेमस यूट्यूबर** और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अरमान मलिक अक्सर अपनी दो शादियों को लेकर चर्चा में रहते हैं। वो अपनी दो बीवियों के साथ रहते हैं और खूब हैडलाइन्स में भी रहते हैं। दो पत्नियों की वजह से यूट्यूबर को अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अब वो एक बार फिर से नेटिजन्स के निशाने पर आ गए हैं और कहा जा रहा है कि वो अब तीसरी शादी की तैयारी कर रहे हैं। चलिए बताते हैं आखिर मामला क्या है?

दरअसल, अरमान मलिक का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें दो पत्नियों के होने के बाद भी किसी नई लड़की के साथ वर्कआउट करते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो को अरमान ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वो इसमें एक नई लड़की की हैवी वेट उठाने में मदद कर रहे हैं और उसे वर्कआउट करवा रहे हैं। मैचिंग स्किन-फिटिंग पैंट के साथ ब्लैक टी-शर्ट पहने अरमान वर्कआउट के दौरान फोकस्ड दिख रहे थे। अब ये महिला कोई और नहीं बल्कि उनकी क्लोज फ्रेंड और इंफ्लूएंसर निष्ठा मिड्डा थीं। इसमें दोनों को लेकर जिस चीज ने लोगों का ध्यान खींचा ये कुछ और नहीं था बल्कि इनके बीच नजदीकियां रही हैं।

अरमान और निष्ठा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग दोनों के बीच की नजदीकियों को देखते हुए जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और यूट्यूबर को ट्रोल करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। कई लोग तो उनके रिश्ते पर सवाल उठा रहे हैं और जमकर उन्हें खरी-खोटी सुना रहे हैं। एक ने लिखा, 'लगता है अब तीसरी की तैयारी है।' दूसरे ने लिखा, 'ये तीसरी वाइफ लाएगा अब।' तीसरे ने लिखा, 'तीसरी की तैयारी है?' इसके साथ ही एक अन्य ने लिखा, 'नेक्सट कमिंग वाइफ अरमान की।' इसी तरह से लोग उनके वीडियो पर खूब कमेंट्स कर रहे हैं।

**दो पत्नियों के पति हैं अरमान मलिक**

आपको बता दें कि अरमान मलिक अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। उन्होंने पायल मलिक और अपनी सबसे अच्छी दोस्त कृतिका मलिक के साथ शादी की है। पायल के साथ 2011 में शादी की थी और कृतिका के साथ 2018 में उन्होंने फेरे लिए थे। पायल से उनका एक बेटा चिरायु है और कृतिका ने भी एक बेटे जैद को जन्म दिया है।

## किडनी फेल के संघर्ष पर छलका शर्लिन चोपड़ा का दर्द

### परिजनों से नाता तोड़ने की भी बताई वजह

**एक्ट्रेस-मॉडल शर्लिन** चोपड़ा ब्रेक के बाद वेब सीरीज 'पौरषपुर 2' के साथ स्क्रीन पर वापसी करने को तैयार हैं। यह सीरीज, पौरषपुर के काल्पनिक क्षेत्र के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अधिकार, राजनीति और तीव्र भावनाओं के विषय पर आधारित है। शर्लिन इसमें महारानी स्नेहलता का किरदार निभाने वाली हैं। सीरीज 28 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म आल्ट पर स्ट्रीम होगी। इसी बीच शर्लिन खुद से जुड़ा एक बड़ा खुलासा कर सुर्खियों में आ गई हैं।

36 वर्षीय शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में किडनी फेलियर से अपनी लड़ाई, और कई वर्ष पहले अपने परिवार से अलगाव के अनुभव को साझा किया। एक्ट्रेस ने बताया, '2021 में मेरी किडनी फेल हो गई और मुझे लगा कि मैं मर जाऊंगी। तब मुझे एहसास हुआ कि मुझे एकता जी (एकता कपूर) के साथ और भी बहुत काम करना है, और मुझे कुछ बेहतरीन काम करने हैं। मैंने हार न मानने का निर्णय लिया।' शर्लिन ने बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'डॉक्टर ने दो विकल्प दिए या तो डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट। हालांकि, मेरा परिवार मुझसे इतना प्यार नहीं करता कि मुझे किडनी देता। डायलिसिस के लिए मुझे सप्ताह में तीन बार अस्पताल जाना पड़ता था, और मैं अपने जीवन में ऐसा नहीं चाहती थी।'

शर्लिन ने जोड़ा, 'हालांकि, तीन महीने तक दवा लेने के बाद किडनी की खराबी ठीक हो गई, और मुझे लगा कि मुझे दूसरा जन्म मिल गया है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने परिवार संग अपने रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य के संपर्क में नहीं हूं। हालांकि मेरी मां, बहन और उसके ससुराल वाले, भाई और एक भाभी हैं, लेकिन हमने काफी समय से बात नहीं की है। मैं उन्हें मिस नहीं करती।' शर्लिन यहीं नहीं रुकीं और आगे कहा, 'धर्म, संस्कृति और पेशे को लेकर मेरी उनसे असहमति थी। मुझसे अक्सर कहा जाता था कि जब मैं उनसे मिलूं तो एक आम इंसान की तरह व्यवहार करूं, लेकिन क्यों? जब मैं मानती हूं कि मैं एक स्टार हूं, तो मुझे एक आम इंसान की तरह व्यवहार क्यों करना चाहिए? मैं उनसे असहमत थी।

# हरे रंग को स्टाइल कर खूबसूरती पर लगाएं चार चांद

सावन के पावन महीने में कुंवारी लड़कियां हो या शादीशुदा महिलाएं सभी भगवान शिव की अराधना कर उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। परंपरागत रूप से इस महीने हरे रंग की चूड़ियां और हरे रंग के कपड़े पहनने चाहिए। इन दिनों बाजार भी हरे रंग से गुलजार रहता है। आप भी इस खास मौके पर चूड़ियों से लेकर आउटफिट्स में हरे रंग को शामिल कर अपनी खूबसूरती पर चार चांद लगा सकती हैं।

## हरी चूड़ियां

हरी चूड़ियों के बिना तो महिलाओं का श्रृंगार अधूरा है। इस बार आप सिंपल चूड़ियों की बजाय कुछ अलग और लेटेस्ट चूड़ियों और कंगन ट्राई कर सकती हैं। इन दिनों थ्रेड वर्क और वेलवेट चूड़ियां का खूब चलन देखने को मिल रहा है। इस तरीके की चूड़ियां सूट, साड़ी, लहंगा हर एक आउटफिट में अच्छी लगती हैं। इसके साथ आप सोने के कड़े भी एड कर सकती हैं।

## ग्रीन लहंगा

अगर आप एथनिक लुक की तलाश में हैं तो कृति सेनन के इस खूबसूरत एमराल्ड ग्रीन

कलर के लहंगे से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। इस तरह का लहंगा देखने में तो खूबसूरत लगता ही है साथ ही इसे कैरी करना भी बेहद आसान है। लहंगे के साथ फुल स्लीव्स चोली और मैचिंग शियर दुपट्टा आपके लुक को भी स्टाइलिश बनाने का काम करेगा। यकीन मानिए इस लहंगे पर सभी की निगाहें टिक जाएंगी।

## ग्रीन शरारा

यदि आप हर बार एक ही तरह की साड़ी या सूट पहनकर बोर हो गई हैं तो एक बार

यह ग्रीन शरारा स्टाइल जरूर चेक कर लें।नाइट फंक्शन या किसी नाइट फेस्टिवल के लिए यह कलर एकदम सही रहेगा। इस तरह के आउटफिट के साथ अलग से और कुछ करने की जरूरत ही नहीं होती। कोशिश करें कि इस कलर के साथ मेकअप लाइट ही रखें।

## ग्रीन नेकलेस

साड़ी हो या लहंगा के साथ इन दिनों ग्रीन कलर के नेकलेस भी कुछ ज्यादा

ट्रेंड में हैं। ऐसे में आप भी अपने लुक को एनहांस करने के लिए ग्रीन कलर के मोती या कुंदन के चोकर पहन सकती हैं। अपने लुक को ग्रेसफुल और क्लासी बनाने के लिए मोती का चोकर सेट भी पहन सकती हैं।

## सलवार सूट

सबसे खूबसूरत दिखने के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप महंगी या हैवी ड्रेस ही खरीदें। आप सिंपल व लाइटवेट ड्रेस में भी एक यूनिक लुक क्रिएट कर सकती हैं बस जरूरत होती है स्टाइल पर फोकस करने की। इस खास महीने पर आप आलिया भट्ट की तरह एक पारंपिक सलवार सूट कैरी कर सकती हैं ये सूट आपको ऑनलाइन और मार्केट्स दोनों में ही आसानी से मिल जाएगा। कुर्ते और पैंट पर बहुरंगी कढ़ाई और गोटा का वर्क बेहद कमाल का है। साथ में इस तरह का दुपट्टा किसी की भी खूबसूरत बढ़ा सकता है।

**खूबसूरत साड़ी**

साड़ी एक ऐसा पारंपरिक परिधान है, जिसे हर उम्र की महिला पहन सकती है। आपका भी सावन के सोमवार की पूजा में हरे रंग की साड़ी पहनने का मन है तो इस तरह की साड़ी पर भरोसा कर सकती हैं। सी ग्रीन रंग की इस साड़ी में माधुरी बेहद खूबसूरत लग रही थी। उनका यह पूरा लुक काफी बैलेंस और बेहतरीन था।

# सीखो, कमाओ और अपनी पहचान बनाओ

**अब उद्योग के परखने** पर आपका दाखिला होगा। अगर दाखिला पाने में सफल होते हैं तो पढ़ते हुए ही कमाओगे और पढ़ाई के बाद आपको पाठ्यक्रम के लिए चुनने वाले उद्योग अच्छे वेतन वाला रोजगार प्रदान करेगा। कौशल विश्वविद्यालयों के नूतन प्रयोग ने कक्षा की पढ़ाई और उद्योगों के कार्य को एक ही माला का मोती बना दिया है। दोनों एक दूसरे का संबल बनने से विद्यार्थियों का रोजगार क्षेत्र में महत्त्व बढ़ा है और इस प्रयोग से पढ़ाई और रोजगार भी एक माल के मनके बन चुके हैं।

पढ़ाई पूरी करने और नौकरी मिलने के बीच समय में अंतर न हो। यानी जैसे ही पढ़ाई खत्म हो तो नौकरी मिल जाए। ऐसी हसरत हर विद्यार्थी के मन में होती है। प्रतियोगिता के इस युग में यह चाह और भी कहीं अधिक बढ़ गई है। विद्यार्थियों की इस अभिलाषा को पूरा करने के लिए नए जमाने की जरूरतों के मुताबिक विश्वविद्यालय की पढ़ाई का स्वरूप भी अब बदल रहा है।

आश्चर्य की बात यह है कि इस नई व्यवस्था वाले विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों का दाखिले के वक्त ही सीधा अपने रोजगारदाता से जुड़ाव हो जाता है। दाखिले के लिए आधी परीक्षा विश्वविद्यालय लेता है तो आधार इम्तिहान उद्योग के प्रतिनिधि लेते हैं। यहीं से आपकी काबलियत उद्योग की नजर में आने लगती है।

विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम के दौरान ही उद्योग आपको काम पर बुलाते हैं और वो भी एक सम्मानजनक मेहनताना देकर जिसे 'आन द जाब ट्रेनिंग' का नाम दिया गया है। वहीं से विद्यार्थी के रोजगार के लिए जमीन तैयार होने लग जाती है। आप भी ऐसे संस्थान में दाखिला लेकर अपनी रोजगार की संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं।

इस तरह का नया प्रयोग वाले विश्वविद्यालयों की शुरुआत हरियाणा से ही हुई। पलवल में देश का पहला सरकारी कौशल विश्वविद्यालय 'श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय' 2017 में स्थापित हुआ। देश के अन्य विश्वविद्यालयों में दिल्ली का दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय, असम का असम कौशल विश्वविद्यालय, सिक्किम का सिक्किम कौशल विश्वविद्यालय, जयपुर का भारतीय कौशल विकास विश्वविद्यालय आदि शामिल है।

श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का ढांचा ऐसा बनाया गया है कि उद्योग और विश्वविद्यालय की कक्षा एक सिक्के के दो पहलू हो गए हैं। विद्यार्थी को ऐसा लगता है कि वो अपने रोजगारदाता के निर्देशन और उसकी अपेक्षाओं के अनुसार तैयार हो रहा है और रोजगार देने वाले उद्योग को यह विश्वास जगा है कि बदलते समय का यह विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उद्योग उपयोगी शिक्षा दे रहे हैं। श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय करीब 43 विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसमें डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं। इसमें प्रबंधन, इंजीनियरिंग, अप्लाइड साइंस व मानविकी सम्मिलित है।

रुचिकर बात यह है कि 10वीं पास विद्यार्थी ही यहां विभिन्न प्रकार के 15 डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकते हैं। तीन साल के डिप्लोमा के दौरान एक साल तो विद्यार्थी उद्योग में बिताएंगे। यहां वो न केवल व्यावहारिक काम सीखेंगे, बल्कि उन्हें हर माह एक सम्मानजन वजीफा भी मिलेगा। डिप्लोमा में इलेक्ट्रानिक्स, मैन्युफैक्चरिंग, कंप्यूटर साइंस और उपकरण से जुड़े कई पाठ्यक्रम हैं।

इंजीनियरिंग डिग्री और भाषा से जुड़े पाठ्यक्रम में भी यहां के विद्यार्थी पाठ्यक्रम के दौरान उद्योग में काम करते हुए सीखने और कमाने दोनों कार्य करेंगे। यही कारण है कि इस संस्थान ने नारा दिया है- 'सीखो, कमाओ और अपनी पहचान बनाओ।' पढ़ाई पूरी होने पर डिप्लोमा धारक विद्यार्थी ही 25 से 30 हजार रुपए से नौकरी की शुरुआत कर पाते हैं।

श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति का कहना है कि देश की पहली कौशल विश्वविद्यालय होने के नाते हमने कौशल शिक्षा के माडल को तैयार किया है। इस अनुपम माडल में कक्षा को सीधे उद्योग के साथ जोड़ा है। इस दोहरे एकीकृत माडल के कारण विद्यार्थी पढ़ाई और सिखाना दोनों साथ-साथ कर रहे हैं। श्रीविश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का नारा भी है, 'सीखो कमाओ और अपनी पहचान बनाओ।' इसी हिसाब से हर पाठ्यक्रम में 'आन द जाब ट्रेनिंग' को सम्मिलित किया है।

# 12वीं तक सभी भारतीय भाषाओं में होगी पढ़ाई, मल्टीलिंगुवल एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए लिया ये फैसला

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने अब क्षेत्रीय भाषाओं में भी शिक्षा प्रदान करने का फैसला किया है। सीबीएसई ने स्कूलों को मल्टीलिंगुवल एजुकेशन को लागू करने के लिए शिक्षा के अल्टरनेट मीडियम के तौर पर भारतीय भाषाओं का प्रयोग करने के निर्देश दिए हैं। बोर्ड ने सभी स्कूलों से अपने यहां मौजूद सुविधाओं को देखते हुए मल्टीलिंगुवल एजुकेशन सिस्टम डेवलप करने पर जोर दिया है।

**सीबीएसई के निदेशक ने स्कूलों को भेजा लेटर**

सीबीएसई के निदेशक (एकेडमिक) जोसेफ इमैनुएल ने स्कूलों को रिलीज लेटर में कहा है कि इंडियन लैंग्वेजेस के जरिए शिक्षा उपलब्ध कराने की सुविधा के लिए की गई पहल के मद्देनजर सीबीएसई से संबद्ध स्कूल अन्य मौजूदा विकल्पों के अलावा एक अल्टरनेट मीडियम के रूप में भारतीय भाषाओं का प्रयोग करने पर विचार कर सकते हैं, जो कि प्री प्राइमरी क्लासेस से कक्षा 12वीं तक एक अल्टरनेटिव मीडियम

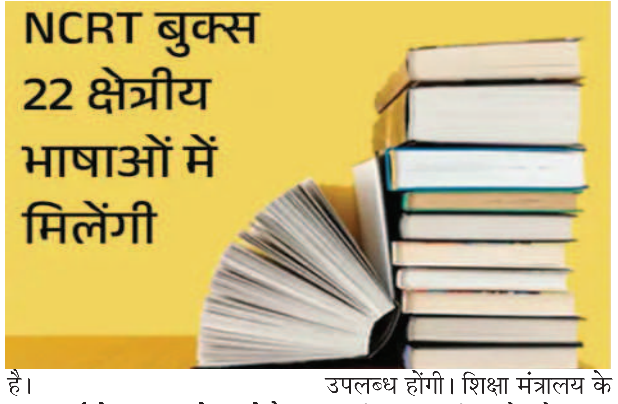


है।

**एक्सपर्ट से एडवाइज ले सकते हैं स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन**

जोसेफ इमैनुएल ने कहा कि स्कूल इस दिशा में मौजूद रिसोर्सेस का पता लगा सकते हैं। इस क्षेत्र के एक्सपर्ट से एडवाइस ले सकते हैं। सीबीएसई स्कूलों में बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बेस्ट प्रैक्टिसेस शेयर करने के लिए अन्य स्कूलों से सहयोग कर सकते हैं।

**क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होंगी एनसीईआरटी की किताबें**

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, स्कूल में पढ़ाई जाने वाली **एनसीईआरटी** की किताबें भारत की क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध होंगी। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन किताबों को भारत की 22 अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध कराए जाने की योजना बनाई गई है। शिक्षा मंत्रालय की इस परियोजना का मकसद देशभर के छात्रों को उन्हीं की क्षेत्रीय या मातृभाषा में शिक्षा उपलब्ध कराना है।

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने कहा कि हायर एजुकेशन अथॉरिटी ने भी कई भाषाओं में पढ़ाना शुरू कर दिया है और विभिन्न भाषाओं में परीक्षा आयोजित कर रहा है। इसके तहत टेक्निकल, मेडिकल, वोकेशनल, स्किल, कानून शिक्षा आदि की किताबें अब भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हो रही हैं।

# 'वाहन डिजाइनिंग' में करियर की संभावनाएं

**12वीं के रिजल्ट** के बाद विद्यार्थियों की टेंशन आगे के करियर को लेकर रहती है। उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करना है। चलिए आपको हम बताते हैं एक दिलचस्प करियर, ऑटोमोटिव आर्किटैक्कर के बारे में। यह फील्ड तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं कम नहीं हैं। ऑटोमोटिव कम्पनियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। नई टैक्नोलॉजी आ रही है। ऐसे में स्किल्ड लोगों की मांग हमेशा बनी रहेगी। आइए जानते हैं।

ऑटोमोटिव आर्किटैक्कर के बारे में- क्या है ऑटोमोटिव आर्किटेक्चर वाहनों की लुक और उसकी फंक्शनैलिटी को डिजाइन करने की प्रक्रिया ऑटोमोटिव आर्किटैक्चरिंग कहलाती है। इसमें कार, बाइक, ट्रक, बस आदि हर सैगमेंट की गाड़ियां शामिल हैं। इसके तहत गाड़ियों के इंटीरियर व एक्सटीरियर डिजाइन, कलर स्कीम और शेप पर भी काम किया जाता है। जब भी बात किसी गाड़ी के लुक की होती हैं, तो कुछ गाड़ियां खुद ही हमारे जहन में आ जाती हैं, जैसे बी. एम. डब्ल्यू, ऑडी वगैरह। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी डिजाइनिंग उस समय के हिसाब से बिल्कुल 'हटकर' और कम्फर्ट लेवल को ध्यान में रखकर की गई होती है। गाड़ियों के इसी ओवरऑल लुक की डिजाइनिंग करते हैं ऑटोमोटिव आर्किटेक्चर्स अगर आपको भी वाहनों से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात आकर्षित करती है, तो आप भी ऑटोमोटिव आर्किटेक्चर बन सकते हैं।

ऑटोमोटिव आर्किटैक्ट का काम

एक ऑटोमोटिव आर्किटैक्ट का काम ऐसे व्हीकल डिजाइन करना है, जो सेफ और अट्रैक्टिव होने के साथ ही लोगों की सभी जरूरतें पूरी करें। इस तरह के ऑटोमोबाइल डिजाइन करते है जो इंजीनियरिंग और काम करने के लिहाज से बिल्कुल परफैक्ट होते हैं।

**शैक्षिक योग्यता**

ऑटोमोबाइल डिजाइन में बेसिक साइंस और आर्ट्स सॉफ्टवेयर का ज्ञान की पूरी समझ की आवश्यकता होती है। एक डिजाइनर के रूप में मार्केट ट्रैंड की समझ के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज और ग्राहकों की जरूरत और इनकी मांगों की समझ होना बहुत ही जरूरी है। आर्किटेक्चर में सिर्फ डिजाइन होनी चाहिए। बनाना ही शामिल नहीं, बल्कि वाहन की गति, इंजन से लेकर वाहन के विभिन्न भागों के संतुलन और सामंजस्य संबंधी इंजीनियरिंग की समझ होनी बहुत जरूरी है।

ऑटोमोबाइल डिजाइनिंग और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में चेसिस, व्हीकल की मैकेनिज्म, इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रॉनिक्स की बेसिक समझ जरूरी है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में विशेषज्ञ बनाने के लिए कई कॉलेज व यूनिवर्सिटीज बैचलर और मास्टर डिग्री के कोर्सेज चलाते हैं। बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग इन ऑटोमोबाइल, बी. टैंक इन ऑटोमोबाइल, बैचलर ऑफ वोकेशन इन ऑटोमोबाइल कोर्सेज है, जबकि मास्टर लैवल पर एम. टैक इन ऑटोमोबाइल, मास्टर इन ऑटोमोटिव डिजाइन कोर्सेज है।

यूनिवर्सिटीज व कॉलेजों में एडमिशन की प्रक्रिया अलग-अलग है। हालांकि देश की टॉप यूनिवर्सिटीज में दाखिला जे.ई.ई. एडवांस और जे.ई.ई. मेन की रैंकिंग या प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर होता है। इसके अलावा युवाओं के पास बी. टैक या बी.ई. करने के बाद सर्टीफिकेट या डिप्लोमा कोर्स करने का भी विकल्प है।

यहां से कर सकते हैं शॉर्ट टर्म कोर्सेज ऑटोमोटिव क्षेत्र में शॉर्ट टर्म कोर्सेज के लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अधीन कार्यरत ऑटोमोटिव स्किल्स डिवैल्पमैंट काऊंसिल (ए.एस.डी.सी.) द्वारा रिसर्च एंड डिवैल्पमैंट कैटेगरी में ऑटोमोटिव डिजाइन से संबंधित कई कोर्सेज चलाए जाते हैं। ए.एस.डी.सी. अलग-अलग ऑटोमोटिव इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर यह कोर्सेज चलाती है, जिसमें युवाओं को ऑन फ्लोर सीखने को मिलता है।

वैसे इस उद्योग में सर्वाइवल और करियर ग्रोथ के लिए डिजाइन स्किल्स ही मायने रखते हैं। आप चाहें, तो कोर्स पूरा करने के बाद किसी कम्पनी में इंटर्नशिप करके डिजाइनिंग की बारीकियां सीख सकते हैं।

**ये स्किल हैं जरूरी**

-कम्प्यूटर-असिस्टेड डिजाइन और डिजाइन

-कम्प्यूटरीकृत आर्किटेक्चर, मॉडलिंग और टैक्नीकल ड्राइंग के स्किल्ड होना जरूरी है।

-एक्सडी मॉडल और प्रोटोटाइप्स तैयार करने की क्षमता

**आप क्या बन सकते हैं**

ऑटोमोटिव कम्पनी में स्थानांतरण, डिजाइन या इंजीनियरिंग विभाग में काम कर सकते हैं। बड़ी ऑटो कम्पनियों में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। वहां कार डिजाइन के लिए नवाचारी आवश्यकताओं को पूरा करने का मौका मिलेगा।

आप ऑटोमोबाइल डिजाइनर के अलावा ऑटोमोबाइल इंजीनियर, ऑटोमोबाइल मैकेनिक, ऑटो बॉडी एंड पेंट स्पैशलिस्ट, ऑटोमोबाइल टैक्नीशियन, ऑटोमोबाइल ट्रेनर बन सकते हैं। इसके अलावा बिक्री मैनेजर, विपणन मैनेजर, प्रोडक्शन, ऑटो उपकरण क्षेत्र आदि सभी विभागों में अवसर हैं।

## 'रियल एस्टेट' में रोजगार के अवसर

आज के दौर में रियल एस्टेट उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और इसके साथ ही एक बड़ी मांग भी पैदा हो रही है। इस उद्योग के विकास के साथ- साथ, एक नौकरी क्षेत्र का उद्भव हुआ है जो रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा आपकी सहायता कर सकता है।

यदि आप इस क्षेत्र में नौकरी ढूंढ़ रहे हैं, तो एक अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम आपको नौकरी के अवसरों में सुविधाजनक रूप से उन्नति करने में मदद कर सकता है।

प्रशिक्षण आपको व्यापारी कौशलों, नवीनतम नियम तथा विधियों, विपणन और प्रचार के तरीकों, वित्तीय प्रबंधन ग्राहक सेवा और विचारशीलता की जरूरत के बारे में शिक्षा प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आप एक पेशेवर रियल एस्टेट एजेंट के रूप में अपनी योग्यता बढ़ा सकते हैं।

रेरा के नए सर्कुलर के अनुसार रियल एस्टेट एजेंटों को व्यापार शुरू करने से पहले व्यावसायिक प्रशिक्षण लेना और उससे प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य बनाया गया था। एक अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यापारी कौशलों की समझ प्रदान करेगा जो आपको सफलतापूर्वक बिक्री और खरीदारी की सम्प्रभुता बनाने में मदद करेगा।

आप सीखेंगे कि कैसे विभिन्न विपणन और प्रचार के तकनीकों का उपयोग करके ग्राहकों को आकर्षित किया जाए और बिक्री को बढ़ावा दिया जाए। एक रियल एस्टेट एजेंट के लिए वित्तीय प्रबंधन भी महत्वपूर्ण होता है।

## साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे में भर्ती के लिए आवेदन शुरू:1000 से ज्यादा वैकेंसी

साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे में 1000 से ज्यादा भर्ती के लिए आवेदन आज यानि 22 जुलाई से शुरू हो गए हैं। यहां आयोजित सभी भर्तियां जनरल डिपार्टमेंटल कॉम्पिटिटिव एग्जाम (GDCE) कोटा के तहत भरी जाएंगी। इस भर्ती के लिए नोटिफिकेशन 18 जुलाई को जारी हुआ था। उम्मीदवार 21 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे।

असिस्टेंट लोको पायलट : 820 पद
टेक्निशियन : 132 पद
जूनियर इंजीनियर : 64 पद

एज लिमिट

उम्मीदवारों को 10 वीं पास होना चाहिए। उनकी उम्र कम से कम 18 साल और अधिकतम 42 साल होना जरूरी है।

सिलेक्शन प्रोसेस

कैंडिडेट्स का सिलेक्शन लिखित परीक्षा के जरिए होगा। परीक्षा में पास होने वाले कैंडिडेट्स का फाइनल सिलेक्शन डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के बाद होगा।

सैलरीः असिस्टेंट लोको पायलट और टेक्निशियन – सैलरी लेवल 2 के मुताबिक

जूनियर इंजीनियर- सैलरी लेवल 6 के मुताबिक

ऐसे करें अप्लाई : ऑफिशियल वेबसाइट secr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

Apply online पर क्लिक करें।

अब मांगी गई सभी डिटेल्स भरें।

सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

पासपोर्ट साइट फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

सबसे लास्ट में फॉर्म सबमिट कर दें।

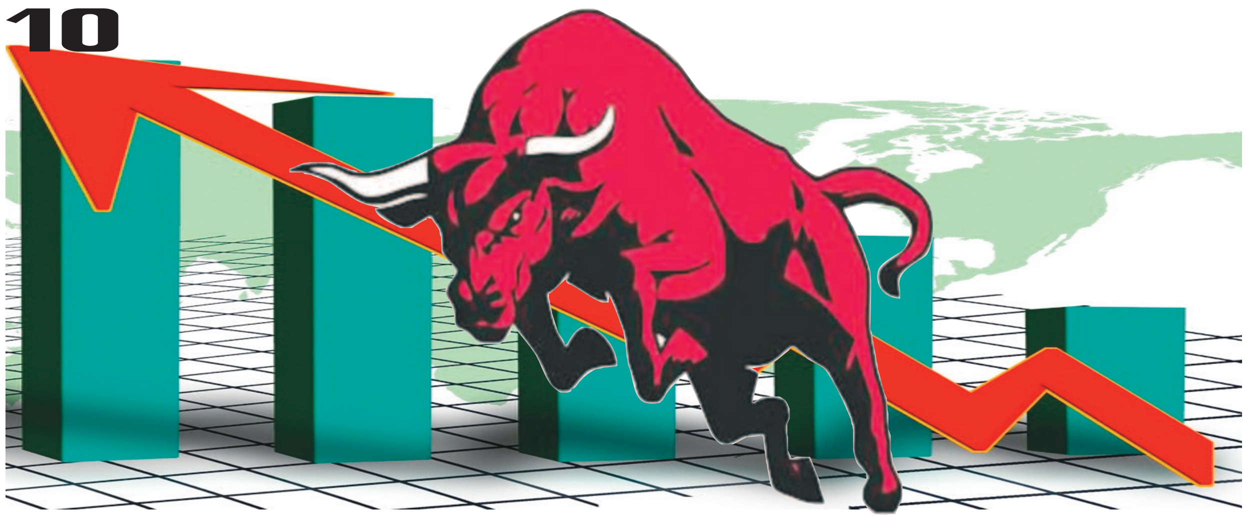

# अनिल अंबानी को एक और बड़ा झटका

## अब 5 एयरपोर्ट को लीज से वापस लेगी महाराष्ट्र सरकार

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब एयरपोर्ट को लीज से वापस लेने के बारे में विचार किया जा रहा है। राज्य के उपमुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि महाराष्ट्र सरकार अनिल अंबानी की रिलायंस एयरपोर्ट डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से पांच हवाई अड्डे वापस लेने जा रही है। महाराष्ट्र सरकार ने इन पांच एयरपोर्ट को लीज पर अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रर की सहायक कंपनी आरएडीपीएल को 2009 में 30 साल तक के लिए ठेका दिया था। अब इन्हें वापस लेने का फैसला किया गया है। इन पांच एयरपोर्ट्स में बारामती, नांदेड़, लातूर, यवतमाल और उस्मानाबाद शामिल हैं। मौजूदा समय में ये सक्रिय नहीं हैं।

**एयरपोर्ट का रखरखाव नहीं कर रही कंपनी**

हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के दौरान डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि आरएडीपीएल एयरपोर्ट्स की देखरेख नहीं कर रहा है। इसके अलावा, बकाया का भी भुगतान नहीं किया जा रहा है। ऐसे में नांदेड़ एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम महाधिवक्ता के साथ हवाई अड्डों पर कब्जा करने की कानूनी चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच हवाई अड्डों के लिए सभी बकाया का भुगतान भी करेगी और फर्म से राशि भी वसूल करेगी।

**32 में से सिर्फ 11 एयरपोर्ट संचालित**

फड़णवीस की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए सीनियर कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने कहा कि राज्य में करीब 32 एयरपोर्ट्स और हवाई पट्टियां हैं, उनमें से केवल 11 सक्रिय एयरपोर्ट हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि नांदेड़ हवाईअड्डा काफी समय से बंद है। इसके अलावा मुंबई हवाईअड्डा भी प्रमुख शहरों के लिए उड़ानों के लिए पर्याप्त स्लॉट नहीं दे रहा है, जिससे राज्य के भीतर यात्रा करना मुश्किल हो चुका है।

**नोडल एजेंसी बनाने का एलान**

फड़नवीस ने आश्वासन दिया कि वे मुंबई हवाई अड्डे पर अधिक स्लॉट प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। वह जल्द ही मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे और उन्हें राज्य के प्रमुख शहरों के लिए अधिक स्लॉट देने के लिए कहेंगे। इसके अलावा फड़वीस ने एक नोडल एजेंसी बनाने का भी एलान किया है। यह नोडल एजेंसी एयरपोर्ट के विकास की देखभाल करेगी।

**अगले साल चालू होगा नवी मुंबई एयरपोर्ट**

डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार ने सभी तहसील में एक-एक हेलीपैड बनाने का भी फैसला किया है और इसके लिए उन्होंने स्थानों की तकनीकी स्थिति की जांच करने के लिए एक समिति का चयन किया है। फड़वीस ने दावा किया कि नवी मुंबई एयरपोर्ट अगले साल चालू कर दिया जाएगा। वहीं नांदेड़, लातूर हवाईअड्डे का काम रुका हुआ है, क्योंकि जिस कंपनी को काम दिया गया है उसने बकाया भुगतान नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इसपर राय के बाद इस काम में तेजी लाई जाएगी।

# कोरोना में संवेदनशील जिलों के लोगों ने खरीदा ज्यादा सोना

## आईआईएम-ए अहमदाबाद ने किया रिसर्च, संकट के समय सबसे ज्यादा गहनों में किया इन्वेस्ट

अहमदाबाद, 23 जुलाई (एजेंसियां)। कोविड-19 महामारी के दौरान वल्नरेबल (संवेदनशील) जिलों के परिवारों ने देश के दूसरे जिलों के परिवारों की तुलना में अपने सेविंग पोर्टफोलियो में ज्यादा सोना खरीदा है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की स्टडी में यह जानकारी दी गई है। इस स्टडी को देश के 21 राज्यों के 142 जिलों में कंडक्ट किया गया था।'गोल्ड इन हाउसहोल्ड पोर्टफोलियो ड्यूरिंग पेंडेमिकः एविडेंस फ्रॉम एन इमर्जिंग इकोनॉमी' टाइटल के नाम से पब्लिश इस रिपोर्ट में बताया गया है कि गोल्ड की ओर लोगों के शिफ्ट होने से दूसरे फाइनेंशियल एसेट्स और कैश में लोगों का रुझान कम हुआ है। यह स्टडी, 30 जून को आईआईएम-ए की वेबसाइट पर पब्लिश हुई थी, जिसमें दो इंडिकेटर्स का यूज कर यह स्टडी की गई है। पहला- प्रति 1000 जनसंख्या में कोविड-19 के मामले और दूसरा- रात के समय सेटेलाइट से ली गई लाइट की इंटेंसिटी (तीव्रता) की तस्वीरें।

**सबसे ज्यादा बिके सोने के गहने**

स्टडी पेपर के मुताबिक, भारत दुनिया में गहनों के रूप में गोल्ड का दूसरा सबसे बड़ा कंज्यूमर है। स्टडी में पाया गया है कि एक एवरेज भारतीय अपनी टोटल होल्डिंग का 11% महंगे मेटल्स खरीदने में इन्वेस्ट करता है।

**संकट में घबराहट के कारण गोल्ड की ओर शिफ्ट**

स्टडी में कहा गया है कि गोल्ड की ओर लोगों का शिफ्ट होना घबराहट के कारण हुआ है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में भौगोलिक असमानताओं को दूर करने से जनता के बीच घबराहट कम होगी। यह भी देखा गया है कि संकट के समय यदि लोगों की पहुंच वित्तीय साधनों और संस्थानों तक आसान और बेहतर हो जाए तो गोल्ड के प्रति उनकी प्राथमिकता कम हो सकती है।

**वल्नरेबल जिलों ने 6.9% ज्यादा सोना खरीदा**

स्टडी में यह पाया गया कि कोविड-19 वल्नरेबल जिलों में हाउसहोल्ड्स के पोर्टफोलियो एलॉकेशन मे टॉप 3 जिले ऐसे हैं, जहां कोविड के केस 1000 से ज्यादा थे और उनका झुकाव सोने के प्रति दूसरे जिलों की तुलना में ज्यादा था। सीवीडी जिलों में सेविंग पोर्टफोलियो के रूप में गोल्ड का शेयर उन जिलों की तुलना में 6.9% ज्यादा हैं जहां कोविड-19 की स्थिति सामान्य थी। इस बदलाव के कारण फाइनेंशियल एसेट होल्डिंग में 4.1% प्वाइंट्स का बदलाव देखने को मिला है।

**कोविड में खराब आर्थिक प्रभाव भी सोने के प्रति झुकाव का कारण**

आईआईएम-ए फैकल्टी मेंबर बालगोपाल गोपालकृष्णन, संकेत महापात्र और आईआईएम-ए में इंडिया गोल्ड पॉलिसी सेंटर से जुड़े ओइंद्रिला चटर्जी की स्टडी के मुताबिक, आर्थिक रूप से प्रभावित जिलों में गोल्ड का एलॉकेशन 2.9% प्वाइंट उन जिलों से ज्यादा था, जिन्होंने कम आर्थिक संकट का सामना किया था। गोल्ड की ओर एक समान शिफ्ट उन जिलों में भी देखा गया है, जिन्होंने महामारी के दौरान सबसे खराब आर्थिक प्रभाव का अनुभव किया है। स्टडी में बताया गया कि जिन जिलों में स्वास्थ्य सुविधाएं सीवीडी जिलों की तुलना में बेहतर थीं वहां किसी भी तरह के गोल्ड सेविंग की ओर लोगों का रुझान कम देखा गया।

**40,427 परिवारों पर स्टडी था आधार**

यह स्टडी वित्त वर्ष 2020-21 में कोविड-19 के दौरान इंडिया गोल्ड पॉलिसी सेंटर और पीपल रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकोनॉमी की ओर से आयोजित गोल्ड कंजम्पशन के हाउसहोल्ड सर्वे के प्राप्त आंकडों के आधार पर की गई है, जिसे भारत के 23 राज्यों के 160 जिलों के 40,427 परिवारों पर किया गया था।

# ट्विटर का लोगो बदलेंगे एलन मस्क

## नीली चिड़िया की जगह 'एक्स' हो सकता है नया लोगो, 1999 से मस्क का लेटर 'एक्स से नाता

वॉशिंगटन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। एलन मस्क माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर का लोगो बदलने जा रहे हैं। कल से ये बदलाव होगा। वो लोगो को ''एक्स' कर सकते हैं। ग्रैग नाम के एक यूजर के साथ ट्विटर स्पेस पर बातचीत में मस्क ने इस बात की पुष्टि की है। जब मस्क से पूछा गया कि क्या वो सच में ट्विटर का लोगो बदलने वाले हैं तो उन्होंने 'हां' में जवाब दिया।इसके साथ ही उन्होंने ट्विटर पर एक पोल क्रिएट कर लिखा, 'डिफॉल्ट प्लेटफॉर्म कलर को ब्लैक में बदलें।' दोपहर 12 बजे तक 4.50 लाख से ज्यादा लोग इस पोल में वोट कर चुके हैं। ज्यादातर लोगों ने अभी तक ब्लैक और व्हाइट में से ब्लैक को चुना है। साल 1999 से एलन मस्क का नाता लेटर 'X' से है। तब उनकी एक कंपनी का नाम X.com था।मस्क ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ट्विटर का लोगो एक्स में बदलते हुए दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा,'यदि आज रात एक अच्छा एक्स लोगो पोस्ट किया जाता है, तो हम कल इसे दुनिया भर में लाइव कर देंगे।' मस्क ने एक अन्य ट्वीट में लिखा- 'जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे।'एलन मस्क का X लेटर से नाता साल 1999 से है। उन्होंने एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी X.com बनाई थी। इसे बाद में उन्होंने एक अन्य कंपनी के साथ मर्ज कर दिया जो पेपाल बनी। साल 2017 में मस्क ने PayPal से यूआरएल X.com को फिर से खरीदा था। उन्होंने ट्वीट किया था कि इस डोमेन का उनके लिए बहुत भावुक मूल्य है।वहीं बीते दिनों एलन मस्क ने जब लिंडा याकिरानो को ट्विटर का नया सीईओ बनाया था तो ट्वीट कर कहा था, इस प्लेटफॉर्म को X, एवरीथिंग ऐप में बदलने के लिए लिंडा के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। उनकी एक और कंपनी स्पेसएक्स में भी एक्स की झलक दिखती है। 2020 में, मस्क ने अपने एक बेटे का नाम X A-12 मस्क रखा था। Æ का उच्चारण ऐश होता है। 4 महीने पहले एलन मस्क ने ट्विटर की नीली चिड़िया हटाकर एक डॉग को ट्विटर का लोगो बनाया था। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था- जैसा वादा किया था, वह पूरा किया। हालांकि, बाद में उन्होंने दोबारा नीली चिड़िया को ट्विटर लोगो बना लिया था।एलन मस्क ने पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा था। इसके बाद कई बड़े फैसलों को लेकर मस्क चर्चा में रहे।ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने ट्विटर की कमान संभाली थी तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं।

# इस्तेमाल के लिए यह ट्रिक बेहद शानदार, इंटरेस्ट फ्री पीरियड का उठा सकेंगे ज्यादा लाभ

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। बदलते वक्त के साथ ही क्रेडिट कार्ड यूजर्स की संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। इस कार्ड के बहुत से फायदे हैं जैसे बैंक खाते में बिना पैसे के भी आप आसानी से शॉपिंग कर सकते हैं। इन पैसों को आप बिना किसी परेशानी के इंटरेस्ट फ्री पीरियड खत्म होने से पहले जमा कर सकते है। ऐसे में आपको किसी तरह का शुल्क नहीं देना पड़ेगा। बता दें कि इंटरेस्ट फ्री पीरियड वह अवधि है जिस दौरान आप कार्ड बिना ब्याज दिए केवल मूल राशि को चुका सकते हैं। ऐसे में इस पीरियड को बेहतर ढंग से समझा बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आप क्रेडिट कार्ड के कर्ज के जाल से खुद को बचा सकते हैं। आइए जानते हैं इंटरेस्ट फ्री पीरियड को कैसे बढ़ा सकते हैं?इंटरेस्ट फ्री पीरियड को ग्रेस पीरियड भी कहा जाता है जिस दौरान क्रेडिट कार्ड के बिल पर आपको किसी तरह का शुल्क नहीं देना पड़ता है। इस दौरान आपको बिल पर इंटरेस्ट नहीं देना पड़ता है। आमतौर पर अलग-अलग बैंकों के क्रेडिट कार्ड का इंटरेस्ट फ्री पीरियड अलग-अलग होता है। यह 20 से 50 दिन तक का हो सकता है। इस अवधि में आप उन पैसों की सेविंग कर सकते हैं और बाद में ड्यू डेट से पहले इस बिल का पेमेंट कर सकते हैं। अगर आप भी क्रेडिट कार्ड होल्डर हैं तो इस पीरियड का अच्छी तरह से इस्तेमाल करके दोगुना लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

# कंगाल पाकिस्तान पर फिर पड़ी मुसीबत, जुलाई में ही चुकाने होंगे अरबों डॉलर का कर्ज

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अपने 75 साल के इतिहास में पाकिस्तान सबसे बुरे आर्थिक हालात से गुजर रहा है। देश के पास विदेशी मुद्रा भंडार की लगातार बनी हुई है। ऐसे में वह दुनिया के अलग-अलग देशों जैसे चीन, सऊदी अरब आदि से भारी कर्ज ले चुका है। अब पाकिस्तान को पुराने लिए गए कर्ज का भुगतान करना है। द न्यूज इंटरनेशनल में छपी रिपोर्ट के अनुसार जुलाई के अंत तक पाकिस्तान को कुल 2.44 बिलियन डॉलर का कर्ज चुका है, जिसके लिए उसके पास विदेशी मुद्रा नहीं है। इस 2.44 बिलियन डॉलर में से चीन को 2.07 बिलियन डॉलर और सऊदी अरब को 195 मिलियन डॉलर का भुगतान करना है।गौरतलब है कि पाकिस्तान को चीन को 1 बिलियन डॉलर की सुरक्षित जमा राशि भी लौटानी है। ऐसे में पाकिस्तान को चीन को कुल 3 बिलियन डॉलर कर्ज जुलाई लौटाना है। इस कर्ज के भुगतान की डेट को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान और चीन आपस में बात कर रहे हैं। इस रिपोर्ट में यह भी जानकारी दी गई है कि इन सभी राशि के अलावा पाकिस्तान को चीन को 4 मिलियन डॉलर की जुर्माना राशि भी देनी होगी। इसके अलावा उसे यूरो बॉन्ड के लिए भी 40 मिलियन डॉलर का कर्ज लेना होगा। इसके अलावा पाकिस्तान को फ्रांस को भी 2.85 मिलियन डॉलर और जापान को 4.57 मिलियन डॉलर का कर्ज चुकाना है।अलग-अलग देशों के अलावा पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को लोन की अगली किस्त चुकानी है। इसमें 189.67 मिलियन डॉलर की बकाया राशि वापस करना है। इसमें से कुल 165.02 मिलियन डॉलर मूल राशि है और 24.65 मिलियन डॉलर इसमें ब्याज शामिल है।

# ब्रांड से बिक रहे थे नकली प्रोडक्ट, गौतम अडानी की कंपनी ने दर्ज कराई एफआईआर

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। गौतम अडानी की कंपनी अडानी विल्मर ने एक कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। कंपनी का आरोप है कि फॉर्च्यून ऑयल ब्रांड के नाम से नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं, जिसमें इस कंपनी का नाम सामने आया है।

ऐसे में अडानी विल्मर ने गौतमबुद्धनगर में पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। अडानी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड नाम से खाद्य तेल भारत के कई राज्यों में बेचती है। खाद्य तेल प्रमुख कंपनी ने नियमित बाजार सर्वेक्षण के दौरान इसका पता लगाया है। अपने एक बयान में कंपनी ने कहा कि नकली उत्पाद बनाकर बेचने के लिए बी2बी प्लेटफॉर्म के खिलाफ एजेंसी के माध्यम से प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले के बादलपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। अडानी विल्मर ने कहा कि जांच अधिकारियों ने बिजनेस टू बिजनेस प्लेटफॉर्म के गोदाम पर छापेमारी की, जिसमें अडानी विल्मर के फॉर्च्यून ऑयल के नाम नकली उत्पादों को जब्त किया गया। अधिकारियों की ओर से छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में फॉर्च्यून ब्रांड के तेल मिले हैं।

# कंपनी है कि कुबेर का खजाना? इन कर्मचारियों को 18 करोड़ रुपये तक की सैलरी देती है गूगल

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। गूगल का नाम आज कौन नहीं जानता? हर वह इंसान जो इंटरनेट यूज करता है, गूगल से परिचित है। दुनिया की आबादी की एक बड़ा हिस्सा अपने रोजाना के जीवन में गूगल की कई सर्विस का लगातार इस्तेमाल करता है। यही कारण है कि गूगल की गिनती अभी दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों में की जाती है। कंपनी अपने कर्मचारियों को उसी हिसाब से पैसे भी देती है। गूगल के कर्मचारियों को मिलने वाली सैलरी का आंकड़ा देखकर आप चौंक ही जाएंगे।

**गूगल के लीक डेटा से खुली बात**

बिजनेस इनसाइडर की एक हालिया रिपोर्ट से गूगल के कर्मचारियों की सैलरी का पता चला है। गूगल के इंटरनल डेटा के लीक होने से बिजनेस इनसाइडर के हाथ एक लिस्ट लगी, जिसमें गूगल के कर्मचारियों को मिलने वाली सैलरी का ब्यौरा था। उक्त शीट में बताया गया था कि गूगल ने अपने कर्मचारियों को 2022 में किस तरह से सैलरी दी।

**गूगल में औसत बेसिक सैलरी**

बिजनेस इनसाइडर के हाथ लगी लिस्ट में गूगल के करीब 12 हजार कर्मचारियों को पिछले साल मिली सैलरी के डिटेल्स हैं। लिस्ट में जिन कर्मचारियों की सैलरी के डिटेल्स हैं, वे सॉफ्टवेयर इंजीनियर से लेकर बिजनेस एनालिस्ट और सेल्स पर्सन जैसे पोस्ट पर काम कर रहे हैं। उन सभी करीब 12 हजार कर्मचारियों की पिछले साल की औसत सैलरी 2,79,802 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 2.30 करोड़ रुपये थी। यह आंकड़ा सिर्फ बेसिक सैलरी का है। गूगल अपने कर्मचारियों को कई अन्य फायदे भी देती है।साल 2022 में टॉप टेक कंपनियों के कर्मचारियों की औसत बेसिक सैलरी को देखें तो फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा तो गूगल से भी आगे है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, मेटा के कर्मचारियों की औसत बेसिक सैलरी 2022 में 2,96,320 डॉलर थी। औसत बेसिक सैलरी के मामले में मेटा के बाद गूगल का स्थान रहा। वहीं सेल्सफोर्स और एडोब क्रमशः 1,99,130 डॉलर और 1,70,679 डॉलर के साथ तीसरे व चौथे स्थान पर रही।गूगल में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले कर्मचारियों की बात करें तो बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के हिसाब से सबसे आगे सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। गूगल ने अपने सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को पिछले साल अधिकतम 7,18,000 डॉलर यानी करीब 5.90 करोड़ रुपये की बेसिक सैलरी दी।

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय- 05-56, सूर्य अस्त- 18-48
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 13 -42 तक उपरान्त सप्तमी
मास - अ.श्रावण शुक्ल पक्ष , सोमवार 24July
नक्षत्र - हस्त - 22-12 तक उपरान्त चित्रा
योग - शिव - 14 - 50 - तक उप सिद्ध
करण- तैतिल - 13 -42 - तक उप- गर
विशेषः-
व्रत -त्योहार - सिंह मे बुध रात्रि 04-31 से

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | | |
|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | कर्क | में | मेष-- | 23-29 | बजे |
| चंद्र- | कन्या | में | वृष-- | 01-13 | बजे |
| मंगल | सिंह | में | मिथुन.. | 03-15 | बजे |
| बुध- | कर्क | में | कर्क... | 05-26 | बजे |
| गुरु- | मेष | में | सिंह... | 07-39 | बजे |
| शुक्र- | सिंह | में | कन्या.. | 09-45 | बजे |
| शनि- | कुंभ | में | तुला... | 11-50 | बजे |
| राहु- | मेष | में | वृश्चिक. | 14-00 | बजे |
| केतु- | तुला | में | धनु..... | 16-14 | बजे |
| | | | मकर.. | 18-21 | बजे |
| | | | कुंभ... | 20-11 | बजे |
| | | | मीन .. | 21-49 | बजे |

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 07:31 से 09:08 तक**

### श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत. | 05:56 - 07:31 | शुभ | चंचल. | 18:48 - 20:14 | शुभ |
| काल. | 07:31 - 09:08 | अशुभ | रोग. | 20:14 - 21:37 | अशुभ |
| शुभ. | 09:08 - 10:45 | शुभ | काल. | 21:37 - 22:59 | अशुभ |
| रोग | 10:45 - 12:23 | अशुभ | लाभ. | 22:59 - 00:23 | शुभ |
| उत्पात | 12:23 - 13:59 | अशुभ | उत्पात | 00:23 - 01:46 | अशुभ |
| चंचल | 13:59 - 15:37 | शुभ | शुभ | 01:46 - 03:09 | शुभ |
| लाभ | 15:37 - 17:14 | शुभ | अमृत | 03:09 - 04:31 | शुभ |
| अमृत | 17:14 - 18:48 | शुभ | चंचल | 04:31 - 05:56 | शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप अपने निराशावादी रवैये के कारण कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह समझने का समय आ गया है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को धीमा कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित बदलाव देखेंगे।

**वृष** — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
उन पुरुषों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों को साकार करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपना घर और स्वास्थ्य त्याग देते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। अपने परिवार के सदस्यों के प्रति आपका प्रभुत्वपूर्ण रवैया केवल बेकार बहस को जन्म देगा।

**मिथुन** — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
कुछ आघातों का सामना करते समय आपको अत्यधिक साहस और शक्ति प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। आप अपने आशावादी रवैये से इन पर आसानी से काबू पा सकते हैं। मनोरंजन और विलासिता पर ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च न करें।

**कर्क** — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
मेलजोल का डर आपको परेशान कर सकता है। इसे दूर करने के लिए अपने आत्मसम्मान को प्रोत्साहित करें। आर्थिक स्थिति ख़राब होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुक जायेंगे। नया रिश्ता लंबे समय तक चलने वाला और बेहद फायदेमंद रहेगा।

**सिंह** — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
गर्दन/पीठ में लगातार दर्द से पीड़ित होने की संभावना। खासकर जब इसके साथ सामान्य कमजोरी भी हो तो इसे नजरअंदाज न करें। आज आराम बहुत महत्वपूर्ण रहेगा. वित्तीय समस्याएँ आपकी रचनात्मक सोचने की क्षमता को नष्ट कर देती हैं।

**कन्या** — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज एक विशेष दिन है क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण करने में सक्षम बनाएगा। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और वित्तीय सुरक्षा में वृद्धि करेगा। आज आपको निराशा महसूस होगी जब आपको पता चलेगा कि जिस पर आपने हमेशा भरोसा किया है वह आपके प्रति बहुत ईमानदार नहीं है।

**तुला** — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
हवाई महल बनाने में अपना समय बर्बाद न करें। बल्कि कुछ सार्थक करने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। अगर आप अपने पत्ते अच्छे से खेलते हैं तो आज आप कुछ अतिरिक्त नकदी कमाएंगे। रिश्तेदारों और दोस्तों से अप्रत्याशित उपहार और उपहार। पिछली ख़ुशनुमा यादें आपको व्यस्त रखेंगी।

**वृश्चिक** — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यदि आपका बच्चा परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता है तो उसे डांटें नहीं। आपको उसे अगली बार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। आपको याद रखना चाहिए कि सभी एक जैसे नहीं होते। कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए अपने नवोन्मेषी विचार का उपयोग करें।

**धनु** — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपका सबसे प्यारा सपना साकार होगा. लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि बहुत ज़्यादा ख़ुशी कुछ परेशानियाँ खड़ी कर सकती है। वित्तीय कठिनाइयाँ आलोचना और वाद-विवाद का कारण बन सकती हैं ।

**मकर** — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़्यादा खाने से बचें। आपके परिवार में किसी सदस्य के बीमार पड़ने से आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि इस समय आपको पैसों से ज्यादा उनके स्वास्थ्य की चिंता करनी चाहिए। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें।

**कुंभ** — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
परिवार के कुछ सदस्य अपने ईर्ष्यालु व्यवहार से आपको परेशान कर सकते हैं। लेकिन अपना आपा खोने की ज़रूरत नहीं है अन्यथा स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। याद रखें जिसे ठीक नहीं किया जा सकता उसे सहना होगा। आज किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आप अपना कारोबार अच्छा कर सकते हैं।

**मीन** — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
गैस की समस्या वाले मरीजों को तैलीय और वसायुक्त आहार से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीमारी बढ़ सकती है। जो लोग लंबे समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे उन्हें आज कहीं से धन की प्राप्ति हो सकती है, जिससे जीवन की कई परेशानियां पल भर में खत्म हो जाएंगी।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# चंदूभाई विरानी: किसान के बेटे ने शून्य से खड़ी कर दी 4000 करोड़ की कंपनी! संघर्षरत रहा सफर

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। देश में कई ऐसे बिजनेस की शुरुआत हुई है, जो लोगों के लिए प्रेरणा रही है। आज हम एक ऐसी ही कंपनी के बारे में बताने जा रहे हैं। एक किसान के बेटे ने कुछ ही सालों में हजारों करोड़ों की कंपनी खड़ी कर दी। इसने शून्य से शुरू करते हुए देशभर में अपने बिजनेस को फैलाया। इस सफल बिजनेस को खड़ा करने की उनकी यात्रा काफी प्रेरणादायक रही है। उन्होंने अपने इस सफर में कई चुनौतियों का सामना किया है। गुजरात में किसान परिवार में चंदूभाई विरानी का जन्म हुआ था। 15 साल की उम्र में चंदूभाई और उनका परिवार ढुंडोराजी चले गए और अपने पिता की कमाई पर निर्भर रहे। चंदूभाई और उनके दो भाइयों को 20,000 रुपये दिए गए थे। इन पैसों का इस्तेमाल इन्होंने राजकोट में एग्रीकल्चर प्रोडक्ट और एग्रीकल्चर यंत्रों का बिजनेस शुरू करने के लिए किया, लेकिन दुर्भाग्य से वह व्यवसाय दो साल के भीतर खत्म हो गया। ऐसे में परिवार और आर्थिक संकट में फंस गया। परिवार की वित्तीय स्थिति खराब होने के कारण चंदूभाई ने अपने परिवार के लिए छोट- मोटी नौकरियां भी की। उन्होंने एस्ट्रोन सिनेमा के एक कैंटीन में काम किया और फटी सीटों की मरम्मत भी की, कंपनी के पोस्टर भी चिपकाने का काम किया। चंदूभाई ने सिनेमा थिएटर में स्नैक्स भी बेचे। कैंटीन में इन्हें काम करने के 1000 रुपये हर महीने मिलते थे।लोगों की मांग को समझने के बाद चंदूभाई ने एक बार फिर बिजनेस करने का जोखिम उठाया। इस बार तैयारी अच्छी थी, जिस कारण उन्हें सफलता मिली और उनकी जिंदगी बदल गई। उन्होंने अपने घर में ही एक अस्थायी शेड बनाया और 10 हजार रुपये के मामूली निवेश के साथ चिप्स का बिजनेस शुरू किया। घर पर बने इस चिप्स को थिएटर के अंदर और बाहर दोनों जगहों पर अच्छा समर्थन मिला। इस सफलता के बाद चंदूभाई ने बड़ा रिस्क उठाया और 1989 में राजकोट के आजी जीआईडीसी में गुजरात की सबसे बड़ी आलू वेफर फैक्ट्री खोली।

# जलते मणिपुर के गुनाहगार कौन हैं ?

इंफाल, 23 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। क्या आप बता सकते हैं कि 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम उर्फ़ भारत-पाकिस्तान युद्ध से भारत को क्या लाभ हुए? आप नहीं बता सकते क्योंकि भारत को इस खामखा के युद्ध से कोई लाभ नहीं हुआ उलटे हानि हुई और वो भी जबरदस्त। सर्वप्रथम भारत की अर्थव्यवस्था पर युद्ध के खर्च का भारी बोझ पड़ा लेकिन इसके बदले भारत को एक इंच भी जमीन नहीं मिली। परिणाम भयंकर और अभूतपूर्व महंगाई। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में 1971 के बाद पहले शरणार्थियों की समस्या उत्पन्न हुई फिर वामपंथियों और कांग्रेस पार्टी की कृपा से पूरा पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत घुसपैठियों से भर गया। अब तो दिल्ली, मुंबई और कश्मीर तक आपको घुसपैठिए नजर आ जाएंगे। सन 1970 तक मणिपुर में जहाँ 2-4 प्रतिशत कुकी ईसाई घुसपैठिए थे आज घुसपैठ और धर्मान्तरण के गंदे खेल के चलते मणिपुर में कुकी ईसाईयों की संख्या 21 प्रतिशत हो चुकी है। इतना ही नहीं हिंदूविरोधी नीतियों के कारण जहाँ हिन्दू मैतेई ईसाई बहुल पहाड़ी स्थानों में जमीन नहीं खरीद सकते वहीं ईसाई हिन्दू बहुल घाटियों में आराम से जमीन खरीद सकते हैं। साथ ही कांग्रेस पार्टी ने ईसाई को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देकर आरक्षण और अन्य लाभ दे दिए जो अनुसूचित जातियों और जनजातियों को दिए जाते हैं वो वही हिन्दू मैतेई अपने ही हिन्दूबहुल देश में मुंहतका बनकर रह गए।

फिर मणिपुर और केंद्र दोनों में भाजपा की सरकार बनी और निर्णय लिया गया कि मणिपुर के मैतेई हिन्दुओं के साथ पिछले 50 सालों से होनेवाले अन्याय और गैर बराबरी को दूर किया जाए और उनको भी अनुसूचित जनजाति का दर्जा दे दिया जाए जिससे मैतेई हिन्दू भी आरक्षण का लाभ उठा सकें और ईसाई बहुल क्षेत्रों में जमीन भी खरीद सकें। लेकिन अब तक मणिपुर के ईसाई चीन और कांग्रेस मदद से इतने शक्तिशाली हो चुके थे कि जब चाहे तब भारतीय सेना का मार्ग रोकने लगे थे। मणिपुर के ईसाई बहुल ईलाकों की तुलना हम अफगानिस्तान के तालिबानी क्षेत्रों से कर सकते हैं क्योंकि यहाँ भी अत्याधुनिक हथियारों से युक्त सेना बन चुकी है साथ ही तालिबानी क्षेत्रों की तरह गांजे और अफीम की खेती भी जमकर होती है। जैसे ही मैतेई हिन्दुओं को आरक्षण देने की घोषणा की गई ईसाईयों ने मैतेई हिन्दुओं के साथ-साथ भारतीय सेना और सुरक्षा बलों पर हमले शुरू कर दिए और हिंसा की आग में पिछले 50 सालों से जल रहे मणिपुर में हिंसा की आग और भी तेजी से भड़क उठी जिसे हिन्दू विरोधी कांग्रेस ने और भी भड़काया, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से तो उसका समझौता है ही।

इस बीच केंद्र सरकार ने मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में उग्रवादियों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया आखिर कब तक भारतविरोधी शक्तियों को पाला जाए और बर्दाश्त किया जाए। बस तभी से कांग्रेस पार्टी के पेट में दर्द शुरू है वो देश-विदेश में भारत को बदनाम करने के अभियान में जुटी हुई है। एक पूरा-का-पूरा टूल किट गैंग सक्रिय है अन्यथा बंगाल में चुनाव के दौरान हुई हिंसा, हत्याएं, बलात्कार और महिलाओं को नंगा करके घुमाने की घटनाएँ न्यायपालिका को नजर नहीं आती लेकिन मणिपुर की नजर आ जाती है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार का मंत्री सदन में खड़े होकर ख़ुद कह रहा है कि उनकी सरकार प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा करने में असफल हो गई है। उन्होंने यहाँ तक कह दिया, 'मणिपुर के बजाय हमें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।' लेकिन मी लार्ड को फिर भी राजस्थान में कोई अत्याचार नजर नहीं आता। यह नहीं कहता कि मणिपुर में दो कुकी महिलाओं के साथ जो कुछ भी हुआ वो सही था लेकिन जब न्यायपालिका कांग्रेस और भाजपा शासित राज्यों के बीच भेदभाव करने लगेगी तो उस पर सवाल तो उठेंगे ही क्योंकि लोक से बड़ा न तो संविधान है और न ही तंत्र। कितनी विचित्र बात है कि केंद्र में नौ सालों से भाजपा की सरकार है लेकिन सिस्टम पर आज भी कांग्रेस का कब्जा है। अब मोदी सरकार ने भी मानों हार मान ली है जिस तरह से किरण रिजीजू को कानून मंत्री के पद से हटाया गया उससे तो ऐसा ही लगता है।

अब तक आपको भी कांग्रेस के टूल किट गैंग और मणिपुर पर हंगामे की क्रोनोलॉजी समझ में आ गई होगी इसलिए भावनाओं में आकर बहिए नहीं क्योंकि उनको भी पता है कि हिन्दू भोले और दयालु होते हैं और वे अबतक इसका फायदा भी उठाते रहे हैं। इसी तरह कांग्रेस ने 2004 में भी आपको कथित ताबूत घोटाले के नाम पर भड़काया था और वाजपेयी जैसे ईमानदार नेता चुनाव हार गए थे। फिर भारत की अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार सत्ता में आई थी और देश को कई साल पीछे धकेल दिया था। इस समय भी कांग्रेस उसी खेल को दोहरा रही है। भारत की अर्थव्यवस्था और विदेश नीति इस समय पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण बनी हुई है। भारत बहुत जल्द जर्मनी और जापान को पछाड़ कर वैश्विक अर्थव्यवस्था में नंबर तीन पर काबिज होने जा रहा है और यह हम नहीं विश्व बैंक और तमाम रेटिंग एजेंसियां कह रही हैं. लगता है जैसे हम जागती आँखों से सपने देख रहे हैं।

# कैसे हुस्न के जाल में फंस जाते हैं बड़े-बड़े तुर्रम खां?

## पाकिस्तान के हनीट्रैप में फंसे डीआरडीओ वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर

- डीआरडीओ के साइंटिस्ट प्रदीप कुरुलकर को पाकिस्तान ने हनीट्रैप में फंसाया
- गिरफ्तार वैज्ञानिक की चैट्स से पता चला, कितनी आसानी से फंस गए थे
- सेक्सुअल फंतासी को जरिया बनाकर हुस्न के जाल में फंसाया जाता है

पुणे, 23 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हनीट्रैप में फंसे डीआरडीओ वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर पर लगे आरोप बेहद गंभीर हैं। अन्यथा उनकी 'वर्चुअल प्रेम कहानी' हंसी का पात्र होती। प्रदीप ने पाकिस्तानी इंटेजिलेंस के ऑपरेटिव को 'जारा दासगुप्ता' समझकर गहरे राज बता दिए। पुणे में रहने वाले वैज्ञानिक को जून में डीआरडीओ की शिकायत पर अरेस्ट किया गया। उनपर ऑफिशियल्स सीक्रेट्स एक्ट (ओएसए), 1923 की धाराएं लगी हैं। महाराष्ट्र एटीएस ने डीआरडीओ वैज्ञानिक के खिलाफ 1,800 पन्नों की चार्जशीट दायर की है। 203 गवाहों के बयान दर्ज किए हैं। 59 साल के शादीशुदा मजनू का बेटा है जो बालिग हो चुका है, आखिर वह सोच क्या रहे थे? जाहिर है, नैशनल सिक्योरिटी के बारे में तो नहीं! पाकिस्तानी जासूस ने अपने हैंडलर्स की मदद से प्रदीप कुरुलकर के सीने में दबी आग को हवा दी। प्रदीप की सेक्सुअल फैंटेसी को 'जारा' ऑनलाइन पूरा कर रही थी। प्रदीप की नजर में जारा लंदन में बैठी हुई थी। उसने एक टेक्स्ट में लिखा, 'तुम मुझे अपनी ब्रह्मोस दिखाओ, बेब.... और मैं तुम्हें अपने बू*स दिखाऊंगी!

कुरुलकर ने इश्कबाजी में ब्रह्मोस से लेकर अग्नि 6 मिसाइल लॉन्चर और अन्य मिसाइल व डिफेंस सिस्टम से जुड़ी बेहद गोपनीय जानकारियां लीक कर दीं। फोटोज, डायग्राम और वीडियोज भी भेजे। एक पाकिस्तानी लैला ने देसी मजनू को ऐसा बेवकूफ बनाया कि वह सही-गलत की सुध खो बैठा।

**बुजुर्गों को यह क्या हो गया है!**

अभी तक यह भी साफ नहीं कि ये दोनों विदेशी जमीन पर कभी मिले भी थे या नहीं। हालांकि, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। डीआरडीओ वैज्ञानिक से राज उगलवाने के लिए सेक्सटिंग ही काफी साबित हुई। जी हां, इतना आसान है! कुरुलकर के फोन का फोरेंसिक एनालिसिस करने वाली एजेंसियां बता रहीं हैं कि ऐसी आपत्तिजनक स्थितियां उसके लिए नई नहीं थीं। कुरुलकर के कई एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर रहे हैं, एक महिला तो डीआरडीओ वेंडर थी। आखिर खास उम्र के बुजुर्गों को हो क्या रहा है?

83 साल के अल पचीनो ने हाल ही में पुष्टि की कि उनकी 29 साल की गर्लफ्रेंड नूर अलफल्लाह पेट से हैं। पचीनो एक और सुपरस्टार रॉबर्ट डी नीरो की राह पर हैं जो 79 की उम्र में सातवें बच्चे के पिता बने। हाई प्रोफाइल बूढ़े ऐलान ऐसे करते हैं जैसे कोई बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली हो। 80 प्लस की उम्र में पिता बनकर वह अपनी यौन क्षमता का प्रदर्शन करना चाहते हैं? उनमें से कुछ तो परदादा तक बन चुके हैं।

**बुढ़ापे में यौन क्षमता का प्रदर्शन क्यों**

बात लिबिडो या कामेच्छा की करें तो दिवंगत सिल्वियो बर्लुस्कोनी को कौन भूल सकता है? इटली के पीएम रहे बर्लुस्कोनी ने 86 साल की उम्र में दम तोड़ा। अपनी 33 साल की गर्लफ्रेंड मार्टा फसीना के लिए वसीयत में 100 मिलियन डॉलर छोड़ गए। उन्हें यह पता था कि फैसले की आलोचना होगी, एक लेटर में उन्होंने ऐसा लिखा भी था।

प्रदीप कुरुलकर एक इंटेलिजेंट, पढ़ा-लिखा, सोच-विचार करने वाले व्यक्ति हैं, मगर महत्वपूर्ण फैसलों में हार्मोन्स की सुनते हैं। वह गाना याद है, मैं क्या करूं राम मुझे बुड्ढा मिल गया? डीआरडीओ वैज्ञानिक ने न सिर्फ टॉप-सीक्रेट वेपंस प्रोग्राम की डीटेल्स शेयर कीं, बल्कि दो साथी वैज्ञानिकों के नंबर भी 'जारा' को बता दिए। कुरुलकर ऐसी बेवकूफी करने वाले पहले शख्स नहीं। इतिहास, किताबों और फिल्मों में ऐसी महिला जासूसों की कहानियां भरी पड़ी हैं जो प्राइवेट पार्ट्स से सोचने वाले पुरुषों के लिए मुसीबत बनीं।

# विश्व हिंदू तख्त का नारा हिन्दू घटा तो देश बँटा

## गृह राज्यमंत्री ने विश्व हिन्दू तख्त के केसरिया ध्वज का किया विमोचन

अम्बाला, 23 जुलाई (एजेंसियां)। देश के गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी ने भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या से 4 जून को हजारों संतों की मौजूदगी में सरयू घाट पर महाआरती के बाद गठित विश्व हिन्दू तख्त के केसरिया ध्वज को विश्व मे बैठे सनातनियों को समर्पित करते हुए तख्त के ध्वज का विमोचन किया। उन्होंने विश्व हिन्दू तख्त के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख वीरेश शांडिल्य को बधाई देते हुए कहा कि विश्व हिन्दू तख्त का ध्वज अपनी ओर आकर्षित करता है । उन्होंने कहा विश्व हिन्दू तख्त सनातन का सरंक्षण करेगा व शांडिल्य के नेतृत्व में बेहद आगे बढ़ेगा और सनातनियों को इससे संबल मिलेगा।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा ने कहा कि अयोध्या के उन तमाम संतो को भी नमन करते हैं जिनके नेतृत्व में सरयू नदी के किनारे विश्व हिन्दू तख्त ने महाआरती के बाद सनातन धर्म की रक्षा का बिगुल बजाया। मिश्रा ने अपने दिल्ली आवास पर विश्व हिन्दू तख्त के ध्वज के विमोचन के बाद कहा कि सनातनी इतिहास हजारों वर्ष पुराना है और अयोध्या जहां मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्री राम ने जन्म लेकर न केवल दानवों का अंत किया बल्कि अहंकार का अंत किया और एक ऐसे समाज व धर्म का संदेश दिया जहां नारी का सम्मान हो।

केंद्रीय गृह मंत्री मिश्रा ने कहा वीरेश शांडिल्य के नेतृत्व में विश्व मे सनातन धर्म व सनातन संस्कृति मजबूत होगी। अजय मिश्रा ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी 2024 में राम मंदिर देश व विश्व के सनातनियों को समर्पित तो करेंगे ही बल्कि वो देश में राम राज लेकर आएंगे अब देश सोने की चिड़िया नहीं बल्कि मोदी व शाह की जोड़ी हिंदुस्तान को सोने का शेर बनाएगी।

अजय मिश्रा ने कहा कि विश्व हिन्दू तख्त की हर मुहिम में केंद्र सरकार उनके साथ है। तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने गृह मंत्री अजय मिश्रा का आभार जताया कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए उन्होंने विश्व हिन्दू तख्त के ध्वज के विमोचन किया व इससे पूरे विश्व मे संदेश जाएगा।

उन्होंने अजय मिश्रा से कहा कि विश्व हिन्दू तख्त घर-घर में विश्व हिन्दू तख्त के इस झंडे को हर सनातनी के घर पर लगाएगी बल्कि देश के 100 करोड़ सनातनियों सहित विश्व मे बैठे सनातनियों तक यह बात लेकर जायेंगे की मोदी व शाह की जोड़ी ने 9 वर्ष में इस हिंदुस्तान व सनातन के लिए क्या किया।

विश्व हिन्दू तख्त का लक्ष्य 2024 राम मंदिर के उद्घzाटन से पहले 100 करोड़ सनातनियों में माथे पर तिलक, शिखा रखना ,जनेऊ धारण करने सहित 2024 में मोदी को 2014, व 2019 से भी बड़ा बहुमत देकर मोदी से इस देश मे राम राज बनवाना है। शांडिल्य ने कहा हिन्दू घटा तो देश बँटा, सनातन सर्वोपरि है था और रहेगा ।यह प्रचार विश्व हिन्दू तख्त पूरे विश्व मे करेगी। वीरेश शांडिल्य ने इस मौके पर देश के गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को विश्व हिन्दू तख्त की तरफ से दोशाला व स्मृति चिन्ह भेंट किया ।

# अब युवाओं के साथ मुख्यमंत्री की भेंट-मुलाकात

## युवती ने गाया-मोर छत्तीसगढ़ के माटी गाना; सीएम बघेल बोले-कका अभी जिंदा है, बातचीत कर जानी समस्याएं

रायपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अब युवाओं से भेंट मुलाकात कर रहे हैं। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सीएम बघेल ने युवाओं से सीधे संवाद किया। यह कार्यक्रम खासा लोकप्रिय भी रहा और सोशल मीडिया में ट्रेंड भी करता रहा।

इस कार्यक्रम में युवाओं, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, राजीव गांधी मितान क्लब के मेंबर्स ने शिरकत की। इसके अलावा कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स के साथ भी मुख्यमंत्री ने चर्चा की। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कका अभी जिंदा है, आप लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

**रायपुर संभाग के 5 जिलों से आए युवा**

इस आयोजन में रायपुर संभाग के सभी 5 जिलों रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबाजार से युवा पहुंचे। इन युवाओं ने मुख्यमंत्री से अलग-अलग मुद्दों में सवाल पूछे और अपनी समस्याओं को भी साझा किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में धमतरी से आए एक युवा सोमेश गंजीर ने ऋग्वेद के श्लोक के साथ भाषण की शुरुआत की। जिससे स्टेडियम में बैठे युवाओं ने जोशीले अंदाज में छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया के नारे लगाए। गरियाबंद की इंद्राणी साहू ने मोर छत्तीसगढ़ के माटी गाना भी सुनाया।

**कई मांगों को भी मुख्यमंत्री ने किया मंजूर**

एक युवा दुर्गेश साहू ने गरियाबंद कॉलेज में PG के कोर्सेज बढ़ाने की मांग रखी। जिसके लिए मुख्यमंत्री ने सहमति भी दे दी। वहीं युवा धनुष नायक ने बताया कि उन्होंने टैटू आर्ट का कोर्स किया है। उन्होंने महादेवघाट को कला केंद्र के रूप में घोषित करने की मांग की, ताकि टैटू कलाकारों को प्रोत्साहन मिले। जिस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अच्छा सुझाव है, निश्चित रूप से हम इस पर विचार करेंगे।

**युवाओं के लिए की कई घोषणाएं**

भेंट मुलाकात में सीएम ने ऐलान किया कि, अब एमबीबीएस छात्रों की तरह डेंटल के स्टूडेंट्स को भी ग्रामीण क्षेत्रों में 2 साल सेवा देने का मौका मिलेगा। स्टायफंड बढ़ाने पर भी छात्रों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही छात्रा समृद्धि शुक्ला की मांग पर सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में फीजियोथेरेपिस्ट की नियमित नियुक्ति होगी।

**इससे पहले विधानसभा वार हुई थी भेंट-मुलाकात**

ये आयोजन राज्य के अलग-अलग विधानसभा में आयोजित हुए भेंट-मुलाकात कार्यक्रम का विस्तार माना जा रहा है। इसके पहले मुख्यमंत्री ग्रामीण और शहरी विधानसभा क्षेत्रों में लोगों के बीच पहुंचे थे। सीएम ने गांवों में चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं और योजनाओं का फीडबैक भी जाना था

भेंट मुलाकात विथ यूथ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अलावा आदिम जाति और अनुसूचित जाति विकास मंत्री मोहन मरकाम, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, रायपुर महापौर एजाज ढेबर साथ ही छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन समेत कई अधिकारी शामिल हुए।

# 12 नक्सलियों के खिलाफ एफआईआर

## वनकर्मी की हत्या मामले में दर्ज हुई प्राथमिकी, इन माओवादियों के नाम हैं शामिल

लातेहार, 23 जुलाई (एजेंसियां)। लातेहार जिले में वनकर्मी की हत्या के मामले में भाकपा माओवादी के 12 सदस्यों के ऊपर एफआईआर दर्ज की गयी है। इस बात की पुष्टि लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने की है। बुधवार को हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस की ओर से लगातार छापेमारी की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी भी कर ली जाएगी। सरकारी कर्मचारी की हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस प्राथमिकी में तीन अहम नक्सलियों के नाम भी शामिल हैं। इनमें एरिया कमांडर छोटू खारवार, मनीष, उज्जवल और प्रदीप के नाम शामिल हैं।

**पीटीआर में काम करता था कर्मी**

राजधानी रांची से तकरीबन 150 किलोमीटर दूर नेतरहाट थानाक्षेत्र के दुरुप पंचायत में बुधवार रात को 15 नक्सलियों के ग्रुप ने वन कर्मी देव कुमार प्रजापति (35) की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। घटना में चार अन्य लोग घायल हो गए थे। जानकारी के मुताबिक देव प्रजापति पलामू बाघ अभयारण्य में डेली वैजेज पर काम किया करता था। इधर सीआरपीएफ की 112वीं बटालियन के कमांडेंट प्रमोद साहू ने कहा कि जवानों ने लातेहार जिले के गारू पुलिस थानाक्षेत्र अंतर्गत नक्सल प्रभावित कुकू गांव से एक आईईडी बम बरामद किया। जिसे बाद में निष्क्रिय कर दिया गया।

**हत्या के बाद घर पर लिखा संदेश**

बताया जा रहा है कि माओवादियों ने वनकर्मी की हत्या के बाद उसके घर की दीवार पर लाल स्याही से एक संदेश भी लिखा। जिसमें लोगों को पुलिस के मुखबिर के तौर पर काम ना करने की चेतावनी दी गई है। माओवादियों के दल ने बुधवार रात को इलाके के दो गांवों में धावा बोल दिया। नक्सलियों ने पहले पुरनदीह गांव में धावा बोला। जहां उन्होंने चार लोगों को बुरी तरह से पीटा।

इसके बाद वह दुरुप गांव पहुंच गए। जहां उन्होंने देव कुमार प्रजापति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस हमले में घायल सभी लोगों को इलाज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# बॉम्बे आवास में पुलिस चेकिंग से हड़कंप

## 250 जवान, 18 टीआई और 7 बड़े अधिकारी पहुंचे

## एक-एक मकान को खुलवाकर की गई जांच, 10 अरेस्ट

दुर्ग, 23 जुलाई (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस ने रविवार तड़के मोहन नगर थाना क्षेत्र स्थित बॉम्बे आवास उरला में सरप्राइज चेकिंग की। कार्रवाई के दौरान 7 राजपत्रित अधिकारी 18 टीआई और 250 जवानों का बल मौजूद रहा। इस दौरान पुलिस ने 10 ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके खिलाफ स्थाई और अन्य वारंट जारी हुए थे।

एएसपी सिटी संजय ध्रुव ने बताया कि बॉम्बे आवास उरला में 2000 से अधिक मकान बने हैं। एसपी दुर्ग शलभ कुमार सिन्हा को लगातार शिकायतें मिल रही थी, कि वहां के लोग आए दिन चोरी, मारपीट और अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इसे देखते हुए एसपी दुर्ग ने एएसपी संजय ध्रुव के नेतृत्व में एक जंबो टीम तैयार की। सभी लोगों को रविवार सुबह 4 बजे पुलिस कंट्रोल रूम बुलाया गया। इसके बाद पूरी टीम एक साथ बॉम्बे आवास पहुंची।

एक साथ भारी पुलिस बल को देख लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारियों ने एक-एक मकान को खुलवाकर वहां रह रहे लोगों से पूछताछ की। इस दौरान मकान मालिकों को निर्देश दिया गया कि बिना पुलिस वेरिफिकेशन के किराए में मकान नहीं दें। किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। इसके साथ ही अनजान व्यक्तियों के इस क्षेत्र में नजर आने पर भी पुलिस को सूचित करें।

**कम्युनिटी पुलिसिंग पर दुर्ग पुलिस का फोकस**

दुर्ग एसपी इस समय कम्युनिटी पुलिसिंग पर पूरा ध्यान दे रहे हैं। उनका मानना है कि इससे नशा के खिलाफ और अपराध को रोकने में पुलिस को काफी मदद मिलेगी। दुर्ग एसपी ने अब तक इस तरह की दो बड़ी कार्रवाई की है। इससे पहले भिलाई के तालपुरी कॉलोनी में पुलिस की टीम ने सरप्राइज चेकिंग की थी। वहां भी बड़े आरोपियों को पकड़ने के साथ ही सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया गया था।

# बीजेवाईएम ने भिलाई विधायक का पुतला फूंका

## बरसते पानी में निकाला जुलूस, जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया

भिलाई, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा दिए गए 4500 लीज आवंटन का मामला राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। एक तरफ भिलाई नगर विधायक यह कह रहे हैं कि जो काम भाजपा 15 सालों में नहीं कर पाई वो उन्होंने 5 सालों में कर दिखाया है। वहीं भाजपा इस लीज रजिस्ट्री को पूरी तरह से भिलाई की जनता के साथ धोखा बता रही है। इसी मुद्दे को लेकर शनिवार शाम भाजयुमों कार्यकर्ताओं ने बरसते पानी में जुलूश निकाला और बेरोजगार चौक में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का पुतला जलाया। बेरोजगार चौक सिविक सेंटर में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा निकाले गए जुलूश में बीएसपी के लीज धारक भी शामिल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक द्वारा जनता के साथ छल कपट करके लीज के विषय पर भ्रम फैलाया जा रहा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कहा विधायक के द्वारा छठवें चरण की लीज लाने की बात कही थी जो अभी तक नही हुआ। उन्होंने कहा भाजपा लीज के विरोध में नहीं है, लेकिन इसे लेकर जो भ्रम फलाया जा रहा है वो गलत है।

# झारखंड सरकार 18 माह बाद फिर लाएगी मॉब लिंचिंग विधेयक

## दिसंबर 2021 में विधानसभा में हुआ था पास, राज्यपाल ने मार्च 2022 में लौटा दिया था

रांची, 23 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड सरकार 18 महीने बाद अब फिर मॉब लिंचिंग विधेयक लाएगी। इस बार इसे भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा/हत्या की रोकथाम विधेयक-2023 के नाम से विधानसभा के मानसून सत्र में लाने की तैयारी है। इससे पहले इसे कैबिनेट से पास कराया जाएगा। इससे पहले दिसंबर 2021 में विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भीड़ हिंसा रोकथाम और मॉब लिंचिंग निवारण विधेयक-2021 पास कराकर इसे राज्यपाल को भेजा गया था। लेकिन तत्कालीन राज्यपाल रमेश बैस ने 18 मार्च 2022 को कुछ आपत्तियों के साथ इस विधेयक को सरकार को लौटा दिया था।

राज्य सरकार ने महाधिवक्ता की राय के बाद राज्यपाल द्वारा उठाई गई आपत्तियों को दूर कर लिया है। सरकार का मानना है कि उन्मादी भीड़ द्वारा कानून को अपने हाथ में लेकर की जाने वाली हिंसा और हत्या गंभीर चिंता का विषय है। इस पर रोक जरूरी है। इसलिए यह विधेयक फिर से लाया जा रहा है। ताकि मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर रोक लग सके और दोषियों को दंडित किया जा सके।

# नोवा स्कॉशिया में पांच दशकों बाद आई बाढ़, पूरे प्रांत में तबाही का मंजर

ओटावा, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अटलांटिक कनाडा के नोवा स्कॉशिया में पांच दशकों में सबसे ज्यादा बारिश हुई। इसके कारण यहां बाढ़ आ गई और भारी नुकसान हुआ। अधिकारियों का कहना है कि दो बच्चों सहित चार लोग लापता हैं।

**50 से अधिक वर्षों बाद आया तूफान**

कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प के मौसम विज्ञानी रयान स्नोडन के अनुसार, इस साल आई बारिश ने सन1971 में आए तूफान के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। दरअसल, नोवा स्कॉशिया में शुक्रवार को तूफान आया और तेज बारिश शुरू हो गई।

**तीन महीने की बारिश एक दिन में बरसी**

यहां 24 घंटे के अंदर कुछ क्षेत्रों में 25 सेमी (10 इंच) से अधिक बारिश हुई। आमतौर पर इतनी बारिश तीन महीनों में होती है। एक दिन में इतनी भयंकर बारिश के कारण बाढ़ आ गई। इसकी वजह से सड़कें बह गईं, पुल क्षतिग्रस्त हो गए और इमारतें डूब गईं। पूरे प्रांत में तबाही का मंजर है।

**सरकार से मांगेंगे मदद**

नोवा स्कॉशिया के प्रीमियर टिम ह्यूस्टन ने कहा कि हमारे सामने एक डरावनी स्थिति है। कम से कम सात पुलों को बदलना होगा या उनका पुनर्निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि घरों का डूबना सबसे बड़ी क्षति है। यह अकल्पनीय है। स्थिति को सामान्य करने के लिए प्रांत संघीय सरकार से मदद मांगेंगे। वहीं, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी बाढ़ को लेकर चिंता जताई। उन्होंने वादा किया कि हर संभव मदद करेंगे।

**मौसम संबंधी आपदाओं से घिरा यह साल**

कनाडा में यह साल मौसम संबंधी आपदाओं से घिरा देखा गया है। पहले ही यहां जंगल में लगी आग ने रिकॉर्ड संख्या में हेक्टेयर को जला दिया, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका में धुएं के बादल देखे जा सकते हैं। वहीं, इस महीने की शुरुआत में तेज बारिश के कारण कई पूर्वी अमेरिकी राज्यों में बाढ़ आ गई।

**लोगों को दी सलाह**

नोवा स्कॉशिया के सबसे बड़े शहर हैलिफैक्स और चार अन्य क्षेत्रों को मौजूदा स्थिति के कारण अधिकारियों द्वारा आपातकाल की स्थिति में रखा गया है। हैलिफैक्स में क्षेत्रीय नगर पालिका ने सड़कों और बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान होने की सूचना दी है। निवासियों को घर पर रहने की सलाह दी गई है। साथ ही लोगों से यह भी कहा है कि वह अपने वाहनों का इस्तेमाल न करें।

**80 हजार लोग बिना बिजली के**

पुलिस का कहना है कि उन्हें जानकारी मिली है कि ह्यूस्टन में एक कार पानी में डूब गई, जिसकी वजह से दो बच्चे लापता हो गए। वहीं, एक अलग घटना में एक व्यक्ति और एक युवक के भी लापता होने की सूचना मिली जब उनका वाहन पानी में डूब गया। इसके अलावा, एक समय पर 80,000 से अधिक लोग बिना बिजली के रह रहे थे।

## ऐतिहासिक ब्रुकलिन ब्रिज हादसे का शिकार, क्रेन ने मारी जोरदार टक्कर

ब्रुकलिन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क शहर के ऐतिहासिक ब्रुकलिन ब्रिज से नाव पर लदी एक क्रेन टकरा गई। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, 19 जुलाई को सामने आई इस घटना के दौरान के दौरान प्रतिष्ठित ब्रिज की संरचना का एक स्टील बीम टूट गया। सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि नाव पुल के नीचे से गुजरती है तो एक क्रेन को उठाया जाता है। कुछ ही सेकंड में यह ट्रैक सिस्टम में फंसता हुआ नजर आता है। ब्रुकलिन ब्रिज का निर्माण 19वीं सदी में जॉन ए। रोबलिंग नामक इंजीनियर द्वारा किया गया था इसका निर्माण 1869 में शुरू हुआ, जो 1883 में पूरा हुआ। यह ब्रिज मैनहट्टन और ब्रुकलिन को जोड़ता है। ऐतिहासिक ब्रुकलिन ब्रिज अपनी पत्थर की वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। इसपर यातायात के लिए छह लेन हैं। यहां पैदल यात्री और साइक के लिए एक साझा मार्ग भी है। न्यूयॉर्क प्रशासन की वेबसाइट के मुताबिक, साल 2018 तक ब्रुकलिन ब्रिज पर प्रतिदिन लगभग 1,16,000 वाहन, 30,000 पैदल यात्री और 3,000 साइकिल चालक आते थे। न्यूयॉर्क प्रशासन का कहना है कि इस हादसे के बाद बीम में दरार या गड्ढा होने के बावजूद पुल को कोई संरचनात्मक नुकसान नहीं हुआ है। दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। कोस्ट गार्ड ऑपरेशंस यूनिट के एक अधिकारी ने कहा, 'क्रेन बजरा पुल के नीचे से गुजर रही थी। क्रेन ने रखरखाव के लिए पुल के नीचे एक ट्रैक सिस्टम को टक्कर मार दी।

## पीटीआई अध्यक्ष के बेटे मूनिस इलाही को लाहौर कोर्ट ने घोषित किया भगोड़ा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे

इस्लामाबाद, 23 जुलाई (एजेंसियां)। लाहौर की एक अदालत ने पाकिस्तान के पूर्व संघीय मंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता मूनिस इलाही को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भगोड़ा घोषित कर दिया। पिछले साल, संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने 720 मिलियन रुपये के घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता से संबंधित एक मामले में इलाही और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। इस समय पूर्व पीएमएल-क्यू नेता मनी लॉन्ड्रिंग के दो मामलों का सामना कर रहे हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, उन पर अवैध रूप से अरबों रुपये देश से बाहर ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। कोर्ट के आदेश के बाद इलाही के पहचान पत्र, पासपोर्ट, बैंक खाते और संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने उन्हें इलाही की यात्रा जानकारी, बैंक खाता, पासपोर्ट, पहचान पत्र विवरण और सही आवासीय पता प्रदान करने के भी आदेश जारी किए थे। हालांकि, एंटी करप्शन सर्कल पंजाब ने भी इलाही समेत चार संदिग्धों के खिलाफ केस दर्ज कर चालान कोर्ट में पेश कर दिया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, जांच एजेंसी ने इलाही के दो करीबी सहयोगियों नवाज भट्टी और मजहर इकबाल को भी गिरफ्तार किया है। उन्हें इलाही को पैसे का गबन करने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

## हिमाचल में भवन सामग्री के दाम बढ़े, आशियाना बनाना हुआ और महंगा

कुल्लू, 23 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में आपदा के बीच लोगों के सामने एक और मुसीबत खड़ी हो गई है। भवन सामग्री के दाम बढ़ने से नया आशियाना बनाना महंगा हो गया है। दूसरी ओर प्रदेश में डीजल पर तीन रुपये वैट बढ़ाने से भी भवन निर्माण की सामग्री के दाम चढ़ गए हैं। इस वजह से बीते दिनों आई बाढ़ में तबाह हुए भवन, होटल, दुकानों को नए सिरे से बनाना महंगा हो गया है। भारी बारिश और ब्यास में बाढ़ से जिला कुल्लू में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। सड़कों, बिजली व पेयजल स्कीमों को भारी नुकसान हुआ है। सैकड़ों मकानों और दुकानों का नामोनिशान मिट गया है। इन मकानों को दोबारा बनाने के लिए लोगों को जेब ढीली करनी होगी। भवन निर्माण सामग्री के दामों में बढ़ोतरी की वजह से होटल, मकान और दुकानें बनाने में खासा बजट व्यय करना होगा। खासकर बजरी, रेत और ईंटों के दाम में भी वृद्धि हो गई है। टिपर और ट्रक मालिक शुभम चौहान कहते हैं कि पांच से छह माह पूर्व पहले बजरी का टिपर 6,000 रुपये में आता था, अब 6,500 से 7,000 रुपये में मिल रहा है।

# पाकिस्तान में आसमान से बरस रही आफत

## पंजाब शहर में बारिश के कहर से 4 लोगों की मौत, 8 घायल

लाहौर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में मूसलाधार मानसूनी बारिश की वजह से चार लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बारिश से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। वहीं, नालों में उफान से कई गांवों में बाढ़ की भी खबरें हैं। कुछ दिनों पहले से, मध्य पाकिस्तानी क्षेत्र जिसमें लाहौर भी शामिल है, भारी बारिश के कारण बाढ़ का सामना कर रहा है। इस बीच, पाकिस्तान में लगातार मानसून के मौसम में बारिश से संबंधित कई मौतें और घटनाएं हुई हैं।

**अधिकारियों ने बढ़ते जल स्तर को देखते हुए लोगों को दी सलाह**

डॉन के अनुसार, परिस्थितियों को देखते हुए, पीडीएमए ने जनता को संवेदनशील घरों से दूर रहने की सलाह दी है जो नदी, नालों और बिजली के खंभों और तारों के करीब थे। इस बीच, लाहौर के अधिकारियों ने बढ़ते जल स्तर के बीच एक सप्ताह के लिए नागरिकों को रावी नदी और नहरों में तैरने से मना किया है, साथ ही बच्चों को तटों पर खेलने से बचने की सलाह दी है।

**लोगों को रावी नदी और नहरों में स्नान न करने की दी सलाह**

स्थिति को देखते हुए लाहौर की डिप्टी कमिश्नर (डीसी) राफिया हैदर ने शनिवार को एक अधिसूचना में कहा कि स्थानीय लोग विशेषकर युवा, रावी नदी और नहरों में स्नान कर रहे हैं या पानी में नाव परिभ्रमण पर जा रहे हैं, जिससे उनकी जान को ज्यादा खतरा है। अधिसूचना में कहा गया है, इस मौसम में भारी बारिश से डूबने की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हो सकती हैं और बहुमूल्य मानव जीवन की हानि हो सकती है।

## महिलाओं से बदतमीजी कर रहा था युवक, पब से बाहर निकाले जाने पर भड़का, लगा दी आग, 11 की मौत

मेक्सिको, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मेक्सिको में एक शख्स ने जानबूझकर एक बार में आग लगा दी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वाले लोगों में 4 महिलाएं भी शामिल हैं। इस दौरान 4 लोग घायल भी हुए हैं जिनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना सैन लुईस रियो कोलोराडो नाम के शहर में हुई। जानकारी के मुताबिक वह शख्स पब में महिलाओं के साथ बदतमीजी कर रहा था। इसके बाद वहां मौजूद कर्मचारियों ने उसे पब से बाहर निकाल दिया। कर्मचारियों द्वारा बाहर निकाले जाने पर नशे में धुत्त व्यक्ति भड़क गया और उसने बार में आग लगा दी। सोनोरा में स्थित अटॉर्नी जनरल ने शनिवार को कहा कि आग में 7 पुरुषों और 4 महिलाओं की मौत हुई है।

## आसिफ जरदारी लंदन में नवाज शरीफ से करेंगे मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

इस्लामाबाद, 23 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी लंदन में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ से मुलाकात करेंगे। पीपीपी के सूत्रों के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति जल्द ही दो दिवसीय यात्रा पर दुबई से लंदन के लिए रवाना होंगे लेकिन यात्रा को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि जरदारी-नवाज की मुलाकात प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ शुरुआती मुलाकातों की ही कड़ी है पिछले हफ्ते पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। पीएम कार्यालय के एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने दोनों नेताओं का उनके आगमन पर स्वागत किया। बैठक में उन्होंने देश की समग्र राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। शरीफ परिवार के प्रवक्ता मुहम्मद जुबैर के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री और पीएमएल-एन नेता नवाज शरीफ सऊदी अरब से लंदन जाएंगे, जबकि मरियम नवाज कुछ दिनों में पाकिस्तान लौट आएंगी। नवाज लंदन लौटेंगे, जहां वह इलाज कराने के बहाने 2019 से रह रहे हैं।

## पत्नी के भरण पोषण के लिए 29 हजार की चिल्लर लेकर थाने पहुंचा पति, गिनने में छूटे पुलिस के पसीना

ग्वालियर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। पति पत्नी के बीच चल रहे न्यायालयीन विवाद में उस समय अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गई, जब पत्नी को गुजारे भत्ते के रूप में दी जाने वाली रकम को पति ने पत्नी को नहीं भेजा। जब इसकी शिकायत पत्नी ने न्यायालय में की तो कुटुंब न्यायालय से पति के खिलाफ वारंट निकल गया। वारंट की तामील कराने के लिए पुलिस ने पति बलदेव अग्रवाल को हिरासत में लेकर कोतवाली थाने में बंद कर दिया। पुलिस ने उसके सामने शर्त रखी कि वह यदि महिला को उसके मेंटेनेंस के 30 हजार रुपये जमा करा देता है तो उसे छोड़ा जा सकता है। लेकिन मिठाई कारोबारी बलदेव अग्रवाल ने कहा कि वह इस समय पैसे उपलब्ध कराने में असमर्थ है, यदि उसे एक दिन का समय मिल जाए तो वह पैसे का इंतजाम कर लेगा। लेकिन पुलिस ने जब उससे स्पष्ट रूप से तत्काल पैसे जमा कराने की बात कही तो उसने अपने घर पर लड़के को भेज कर चिल्लर से भरे दो बोरे मंगा लिए। जिसमें 29600 की चिल्लर निकली। बाकी चार सौ रुपये बलदेव अग्रवाल ने नगद जमा करा दिए लेकिन पुलिस दो बैग में भरे चिल्लर को गिनती गिनती परेशान हो गई। किसी ने मोबाइल से इस गिनती के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें पुलिस अब हास्य का पात्र बन रही है। वहीं, पुलिस की जिम्मेवारी की कुछ लोग तारीफ कर रहे हैं। पता चला है कि पति पत्नी के बीच लंबे अरसे से कुटुंब न्यायालय में विवाद चल रहा है, न्यायालय के आदेश पर पति को हर महीने गुजारा भत्ते के लिए अपनी पत्नी को 5 हजार रुपये की राशि देना होती है, लेकिन पिछले छह महीने से बलदेव अग्रवाल ने अपनी पत्नी को यह राशि नहीं दी थी, तब उसने न्यायालय में कोर्ट के आदेश की अवहेलना का मामला लगाया था।

# पिता की जगह अजनबी को दफना दिया

## फ्यूनरल होम्स के खिलाफ 60 मिलियन डॉलर का केस

वाशिंगटन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में दो बहनों ने अंतिम संस्कार गृहों पर 60 मिलियन डॉलर का मुकदमा दायर किया है। दरअसल लड़कियों के दिवंगत पिता के स्थान पर अंतिम संस्कार गृहों ने अजनबी को दफना दिया है। स्टेसी होल्जमैन और मेगन जेनर ने आरोप लगाया है कि फ्लेचर फ्यूनरल एंड क्रिमेशन सर्विस और स्टार ऑफ डेविड ने उनके दिवंगत पिता के अंतिम संस्कार में गड़बड़ी की है और एक अजनबी के शरीर को दफना दिया है। इस मुकदमें को न्यूयॉर्क में दायर किया गया है। इस मुकदमें के मुताबिक फ्लेचर फ्यूनरल एंड क्रिमेशन सर्विस ने गलती से अजनबी शख्स के शरीर को उन लड़कियों का पिता क्लिफोर्ड जेनर समझ लिया और कपड़ों में रखकर दफन कर दिया।

**मृतक पिता के बजाय दूसरे के शव को दफनाया**

बहनों ने फ्लेचर फ्यूनरल पर आरोप लगाया कि उनके पिता को मुर्दाघर के अंदर ही छोड़ दिया गया था और उन्हें यहूदी परंपराओं के अनुसार दफनाया नहीं गया है। मेगन ने कहा, मेरे साथ गलत हुआ है। आप इन लोगों पर भरोसा करते हैं? आप नहीं जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं। यह हर दिन नहीं होता है। हम अपने जीवन में एक बार अपने पिता को खोते हैं। बहनों के मुताबिक जब उन्होंने इस मुद्दे को उजागर करने की कोशिश की तो स्टार ऑफ डेविड ने जोर देकर कहा कि जिस शव को उन्होंने दफनाया है वह उनके दिवंगत पिता का ही है। इस बीच स्टार ऑफ डेविड ने एक वेबसाइट को बताया कि परिवार ने दिवंगत शरीर को दफनाने से पहले कब्रिस्तान में मृतक के पहचान की पुष्टि की थी। डब्ल्यूसीबीएस से संबद्ध सीबीएस ने बताया कि दोनों बहनों में से एक को संदेह तब हुआ जब स्टेसी ने देखा कि उसके पिता की मूंछें गायब थीं। जब इसपर स्टेसी ने सवाल किया तो अंतिम संस्कार निदेशक ने इसे बताया कि हर किसी के शरीर को दफनाने से पहले शेव किया जाता है। यह एक मानक अभ्यास है। स्टेसी की चिंता फिर बढ़ गई।

इसके बाद स्टेसी ने मृतक के सिर पर अटोप्सी और शव परीक्षण के निशान देखे। जबकि रिपोर्ट में बताया गया कि पिता के शव का परीक्षण नहीं किया गया था। स्टेसी ने फिर कहा कि ये सही नहीं है, मैं इन्हें पहचान नहीं पा रही हूं। बावजूद इसके फ्यूनरल होम ने बहनों की चिंता को नकार दिया।

# न्यायिक सुधार बिल के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच पीएम नेतन्याहू अस्पताल में भर्ती, की जाएगी सर्जरी

यरूशलम, 23 जुलाई (एजेंसियां)। इस्राइल में न्यायिक सुधार विधेयक के खिलाफ प्रदर्शनकारियों ने बड़ी संख्या में रैली निकाली। न्यायिक सुधार बिल पर पहले से ही बवाल मचा हुआ है। बिल के लिए अगले सप्ताह की शुरुआत में अंतिम मतदान किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने नेसेट के पास एक टेंट सिटी स्थापित की है। इस बीच इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को रविवार तड़के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया है कि उन्हें असंतुलित धड़कनों की वजह से अब पेसमेकर लगाया जाएगा। पीएम के कार्यालय ने रविवार तड़के यह जानकारी दी। बताया गया है कि इस्राइली प्रधानमंत्री को सिडेशन (बेहोशी की हालत) में रखा जाएगा। गौरतलब है कि नेतन्याहू को पिछले हफ्ते भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब भी उनके सीने में दर्द की समस्या थी, जिसके बाद उन्हें इमरजेंसी वॉर्ड में भर्ती किया गया। अधिकारियों ने कहा था कि वे बेहोश हो गए थे, लेकिन अस्पताल में वह पूरी तरह से होश में थे। वे चलकर अस्पताल के इमरजेंसी रूम पहुंचे थे।

**न्यायिक सुधार विधेयक को लेकर घिरे हैं नेतन्याहू**

प्रदर्शनकारियों ने न्यायिक बदलाव के खिलाफ रैली निकालते हुए तेलअवीव और यरूशलम में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने चार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। इस्राइली मीडिया के अनुसार, नेतन्याहू सरकार देश के न्यायिक व्यवस्था में सुधार के लिए एक प्रस्ताव लाई है, जिसके बाद शनिवार को प्रदर्शन किया गया। बिल लागू होने के बाद सरकार को न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार मिल सकेगा। विधेयक को कानून बनने में अतिरिक्त दो वोटों के पारित होने की आवश्यकता है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बिल के कारण देश दो धड़ों में बंट गया है। बिल ने इजराइल के इतिहास में सबसे बड़े विरोध आंदोलनों में से एक को जन्म दिया है।

**लोकतंत्र को खतरा**

नेतन्याहू सरकार के खिलाफ लोगों का आरोप है कि सरकार की योजना देश की जांच व्यवस्था पर हमला है। उनका मानना है कि सरकार के इस कदम से लोकतंत्र खतरे में आ जाएगा। यहूदी महिलाओं की राष्ट्रीय परिषद प्रमुख शीला काट्ज ने कुछ समय पहले कहा था कि यह न्यायिक सुधार के बारे में नहीं है, यह लोकतंत्र के बारे में है। कोर्ट पवित्र होते हैं। कोर्ट लोगों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए होते हैं, इसलिए कोर्ट को राजनीति से दूर रखना चाहिए।

**न्यायिक सुधार नीति में यह होंगे प्रावधान**

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू सरकार की न्यायिक सुधार नीति के तहत कोर्ट की शक्तियां काफी कम हो जाएंगी। योजना के तहत अब संसद में कोर्ट के किसी भी फैसले को बहुमत के जरिए बदल सकते हैं। अदालत संसद द्वारा बनाए गए कानूनों की समीक्षा नहीं कर पाएगी। चूंकि इस्राइली संसद में नेतन्याहू के पास बहुमत है इसलिए वह कोर्ट के किसी भी फैसले को पलटने में सक्षम हैं।

## काला सागर के साथ यूक्रेनी कृषि भंडारण केंद्रों पर हमले, रूसी हमलों में सैकड़ों मीट्रिक टन मटर-जौ नष्ट

कीव, 23 जुलाई (एजेंसियां)। रूस ने अनाज समझौते से बाहर होने के बाद यूक्रेन से भी अनाज आपूर्ति रोकने के लिए पहले तो काला सागर बंदरगाह पर लगातार तीन दिन हमले किए और अब कृषि भंडारण भवनों पर हमले शुरू कर दिए हैं। रूस ने शनिवार को न सिर्फ काला सागर की नाकाबंदी की बल्कि ओडेसा क्षेत्र में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे से लेकर कृषि भंडारण केंद्रों पर भी हमले किए। यूक्रेन के 11 क्षेत्रों पर हुए हमलों में 8 नागरिक मारे गए। यदि विश्व को अनाज आपूर्ति के बड़े केंद्र यूक्रेन के बंदरगाहों और अनाज भंडारण केंद्रों पर इसी तरह हमले हुए, तो नया वैश्विक अनाज संकट खड़ा होने की आशंका संयुक्त राष्ट्र जता चुका है। रूस द्वारा किए गए मिसाइल हमले यूक्रेन में 11 अहम ठिकानों पर किए गए जिसमें 8 नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इसमें पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र में क्षेत्रीय अभियोजक के दफ्तर ने बताया कि एक विवाहित जोड़े समेत यहां कम से कम चार लोग मारे गए। यहां रूसी सेना ने रात भर बखमुत शहर पर हमले किए। उसने यहां एक गैस पाइपलाइन को भी नष्ट कर दिया। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा, भंडारण स्थल पर हुए हमले में 100 मीट्रिक टन मटर तथा 20 मीट्रिक टन जौ नष्ट कर दिया गया। रूसी नेता सर्गेई वर्शिनिन ने कहा कि डील खत्म होने के बावजूद रूस अफ्रीकी देशों की जरूरतें पूरी करेगा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अफ्रीका के गरीब देशों को अनाज मुहैया कराने का वादा किया है। उधर, अनाज समझौते में अहम भूमिका निभाने वाले तुर्किये के अनाज गलियारा बहाल करने की मांग की है। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई वर्शिनिन ने इन हमलों पर स्पष्ट कहा कि रक्षा मंत्रालय इस सप्ताह की शुरुआत में ही काला सागर क्षेत्र को शिपिंग के लिए खतरनाक घोषित कर चुका है। वह यहां आने वाले जहाजों को हथियारों से लदा हुआ मानेगा और शत्रुवत मानते हुए यूक्रेन की ओर से संघर्ष में भागीदार मानते हुए हमला करेगा। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र समुद्री मानवीय गलियारा नहीं है, वहां बढ़े हुए सैन्य खतरे का क्षेत्र है। काला सागर में चेतावनियों और बंदरगाह पर हमलों के बावजूद यूक्रेन ने कहा है कि उसके जहाज अनाज का निर्यात करते रहेंगे।

# राठौड़ बोले-सीएम के आंख की किरकिरी बन गए थे गुढ़ा

## नेता प्रतिपक्ष का डोटासरा पर पलटवार, सचिवालय में जो पैसे मिले उसकी जांच करा लें

सीकर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने अपने साथी राजेंद्र गुढ़ा के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र उदयपुरवाटी में जाकर कहा था कि गुढ़ा जी आप नहीं होते तो मेरी सरकार नहीं बनती, मैं आपका एहसानमंद हूं। गुढ़ा जी सचिन पायलट के साथ उनकी जन संघर्ष यात्रा के सहभागी बने और सीएम के आंख की किरकिरी बने।

गुढ़ा ने विधानसभा में वही बात कही जो बात राजस्थान का आम आदमी कह रहा है, एनसीआरबी रिपोर्ट के आंकड़े कह रहे हैं। गुढ़ा ने कहा मणिपुर की बात छोड़ो पहले राजस्थान में महिलाओं पर अत्याचार की बात करो... राजस्थान में महिला अत्याचार रोकने में सरकार विफल रही और गुढ़ा जी बर्खास्त हो गए।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यां तो मुख्यमंत्री जी को इस बात को सिद्ध करना चाहिए कि गुढ़ा जी ने जो बात बोली वह ठीक नहीं या फिर किस कारण से राजेंद्र गुढ़ा बर्खास्त हुए इसकी सारी बात सामने आनी चाहिए। राठौड़ ने कहा कि अब पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा कह रहे हैं कि हम राजेंद्र राठौड़ की जांच करवाएंगे कि वह उनके साथ मिले थे या नहीं मिले।

मैं डोटासरा जी से कहना चाहूंगा कि वह मेरी जांच करवाने से पहले राजस्थान सचिवालय में जो पैसे मिलते हैं उसकी जांच करवा ले, पेपर लीक मामले के अंदर आरपीएससी के सदस्य पकड़े गए हैं उनकी जांच करवा लें, इन्हीं की सरकार में पूर्व मंत्री रहे गोपाल केसावत पकड़े जाते हैं उनकी जांच करवा ले, महिला दुष्कर्म के नाम पर खाजूवाला हो या हिंडौन हो उसकी जांच करवा ले तो ठीक होगा।

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ 27 जुलाई को सीकर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर जैन भवन में आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेने आए थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से वार्ता करते हुए यह बात कही। राठौड़ ने सभा की तैयारियों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं से जानकारी ली और सभा स्थल स्टेडियम का जायजा भी लिया।

बैठक में राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से कहा कि राजस्थान जब बदल रहा होता है तो शेखावाटी से ही बदलता है।

अब राजस्थान के बदलने का समय आ गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रधानमंत्री की इस सभा को शेखावाटी के लोगों ने ऐतिहासिक बनाना है। इसलिए घर-घर पीले चावल बांटने के लिए जुट जाए।

# जयपुर में कच्छा बनियान गिरोह

## छह बदमाश हथियारों के साथ घूमते हुए दिखे, पुलिस ने लोगों से कहा- अलर्ट रहें

जयपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में कच्छा बनियान गिरोह के सीसीटीवी कैमरे में कैद होने से इलाके में डर का माहौल हो गया है। फुटेज करधनी थाना इलाके में स्थित हाथोज फाटक गोकुल धाम सिरसी रोड की है। इसमें छह बदमाश घूमते दिख रहे हैं। अब तक फिलहाल किसी घटना की जानकारी पुलिस को नहीं मिली है, लेकिन एक कारखाने के सीसीटीवी में कैद हुई इस फुटेज ने लोगों में दहशत फैला दी है।

कारखाने के मालिक सत्य नारायण शर्मा ने बताया- 22 जुलाई की रात 3 बजे उनके परिचित दूसरे माले पर सो रहे थे। वॉश रूम के लिए उठे तो उन्होंने छह लोगों को मुंह पर कपड़ा बांध कर कॉलोनी से निकलते हुए देखा। जिस पर ध्यान दिया गया तो दिखाई दिया की कुल लोग कच्छा बनियान पहन कर सड़क पर घूम रहे थे। सभी ने कमर

में हथियार बांध रखे थे। सुबह रिश्तेदार ने सत्य नारायण को इस बारे में बताया। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज चैक किए। जिस में छह बदमाश हथियारों के साथ कॉलोनी में घूमते हुए दिखाई दिए।

इस पर सत्य नारायण ने यह सीसीटीवी फुटेज पुलिस को और कॉलोनी के अन्य लोगों को दी। हालांकि अभी तक कही से भी कोई वारदात होने की जानकारी सामने नहीं है। लेकिन इन बदमाशों के मूवमेंट से इलाके के लोग डरे हुए हैं। करधनी थाने के सीआई हीरालाल ने बताया- इस सीसीटीवी में दिखाई देने वाले बदमाशों को देख कर लग रहा है कि यह कच्छा बनियान गिरोह हो सकता है। ये लोग वारदात करने के लिए ही घूम रहे थे, लेकिन अच्छी बात यह है कि इस इलाके में कोई वारदात नहीं हुई। लोगों को अब और ज्यादा अलर्ट रहने की जरूरत है। क्यों की ये लोग कभी भी और कहीं भी वारदात कर सकते हैं। गिरोह पैसा और जेवरात लूटने के लिए किसी भी हद को पार कर सकते हैं। हत्या करना इन के लिए बड़ा टास्क नहीं होता। यह गिरोह वारदात करने से पहले कच्छा-बनियान पहनते हैं। कमर में एक जोड़ी कपड़े और कुछ हथियार रखते हैं, जिससे की मकान के ताले तोड़े जा सके, साथी गैंग के कुछ सदस्य कमर में पत्थर भी बांध लेते है। वारदात करने के बाद इन के पीछे पुलिस या अन्य को लोग पड़ जाएं तो ये उन पर पथराव करते हैं। पकड़े जाने का डर हो तो ये लोग भागते हुए कमर से कपड़े निकाल कर पहन कर भीड़ का हिस्सा हो जाते हैं। गैंग के हर सदस्य को बताया जाता हैं कि वारदात के बाद कहां पहुंचना हैं। इस लिए वारदात करने के बाद ये लोग चारों दिशा में जाते हैं। वारदात करने के लिए एक साथ मकान में घुसते है साथ ही वारदात के बाद पकड़े ना जाए इस लिए अलग-अलग दिशा में भागते हैं। ये बदमाश परिवार के लोगों के साथ मारपीट और कभी हत्या तक कर देते हैं।

# अग्रवाल समाज ने विधानसभा चुनाव में 20 टिकट मांगे

## अध्यक्ष बोले- व्यापारी बोर्ड नहीं, आयोग चाहिए; सराफ ने कहा- भाजपा आई तो पहले यही काम होगा

जयपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भविष्य की राजनीतिक और सामाजिक दिशा तय करने के लिए विद्याधर नगर स्टेडियम में रविवार को अग्रवाल समाज ने राजनीतिक दलों के सामने अपनी मांगें रखी हैं। अग्रवाल समाज की मांग है कि अगले चुनावों में समाज के प्रतिनिधि को हर राजनीतिक दल से 20-20 टिकट दिए जाएं। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं ऑल अग्रवाल समाज सेवा समिति के बैनर तले हो रहे इस महाकुंभ में बड़ी संख्या में लोग जुटे।

**राजस्थान में होगा अग्रसेन कल्याण बोर्ड का गठन**

महाकुंभ में पहुंचे तकनीकी शिक्षा मंत्री सुभाष गर्ग ने कहा- मैं विश्वास दिलाता हूं कि प्रदेश में अग्रसेन कल्याण बोर्ड का भी गठन होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बातचीत करूंगा।

**हमें बोर्ड नहीं, आयोग चाहिए : राष्ट्रीय अध्यक्ष**

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने कहा कि 10

करोड़ का अग्रवाल समाज व्यापारी के रूप में देश का खजाना भरता है। भारी-भरकम जीएसटी इकट्ठा कर दिया गया, लेकिन जीएसटी भरने वालों पर भी ईडी कार्रवाई कर रही है। ये कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। छोटे व्यापारियों की दुकान में यदि कोई घटना हो जाए, आग लग जाए तो उसे मुआवजा मिलना चाहिए। अभी तो ये शुरुआत है, जयपुर के बाद आगरा, लखनऊ, हरियाणा, भोपाल में भी अग्रवाल महाकुंभ होगा।

गर्ग ने कहा कि हमने 2018 में व्यापारी कल्याण आयोग बनाने की मांग की, लेकिन यूपी, हरियाणा और राजस्थान सरकार ने व्यापारी कल्याण बोर्ड बना दिया। हमें बोर्ड नहीं, आयोग चाहिए।

भाजपा सरकार सबसे पहले आयोग बनाएगी: सराफ

विधायक कालीचरण सराफ ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद सबसे पहला काम यदि कोई होगा तो व्यापारी कल्याण आयोग के गठन का होगा।

सराफ ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनाने के आंदोलन की शुरुआत भी एक अग्रवाल अशोक सिंघल ने की थी। हमारे समाज के लोग राजनीति में कदम रखते हैं तो सबसे पहले हमारे घरवाले ही टांग खींचते हैं। राजनीति में यदि आप लोग रुचि नहीं लेंगे तो हमारे समाज की जैसी उपेक्षा हो रही है, वैसी होती रहेगी। हमारे बच्चों को आईएएस-आईपीएस बनाइए, तभी हमारे समाज की पकड़ मजबूत होगी।

**सारे राजनीतिक दल वोटों के भिखारी**

सराफ ने कहा- सारे राजनीतिक दल वोटों के भिखारी हैं, जब उन्हें लगेगा कि अग्रवाल समाज में एकता आ गई है तो जितनी सीट आप चाहते हो, उतनी सीट मिलेगी। भाजपा-कांग्रेस ने अग्रवाल समाज को कई टिकट दिए, लेकिन कुछ ही जीते। लोगों को अपने समाज के प्रत्याशियों को जिताने के लिए भी मेहनत करनी चाहिए।

**गरीब की मदद की योजना बनाएं, किसी से मांगना नहीं पड़ेगा : गुप्ता**

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि गरीब की मदद के लिए हमें एक व्यवस्था बनानी चाहिए। इस तरह की योजना को लेकर हम काम करेंगे तो हमें किसी से कुछ मांगने की जरूरत नहीं होगी।

उत्तर प्रदेश के रिटायर्ड पूर्व चीफ सेक्रेटरी दीपक सिंघल ने कहा- मैं कोई नेता नहीं 40 साल से देश की सेवा की है। 71 देशों में जाकर देखा है। 71 देशों में एक ही नायक है। वह अग्रसेन महाराज है।

मददगार पहुंचे जरूरतमंद तक कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों ने एक बैठक की। बैठक में दीपक सिंघल ने प्रस्ताव रखा कि समाज में आर्थिक रूप से कमजोर या किसी जरूरतमंद की मदद के लिए, एक विश्वसनीय वेबसाइट तैयार की जाए। इसके जरिए जो मदद कर सकता हो वह मदद चाहने वाले तक पहुंच जाएगा।

**राजनीतिक दलों को सोच बदलनी होगी**

महाकुंभ के स्वागताध्यक्ष राजेंद्र केडिया ने बताया- समाज अपना मांगपत्र तैयार कर चुका है। अब हम आर-पार के मूड में हैं। राजनीतिक दलों को अपनी सोच बदलनी होगी। जो दल अग्रवाल समाज को सिर्फ आर्थिक सहयोग की नजर से देखते हैं, उनसे दूरी बनाने का समय आ चुका है। महाकुंभ के मंच से यह तय किया जाएगा कि आगामी विधानसभा चुनावों में अग्रवाल समाज की भागीदारी किस तरह से होगी और क्या होगी।

# सीपी जोशी का बयान-सीएम गहलोत मानसिक दिवालियापन के शिकार

## बीजेपी का नाम लेकरअपने ही विधायकों व मंत्रियों पर कस रहे तंज

जयपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लगाए गए आरोपों पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने पलटवार किया है। जोशी ने बयान जारी करते हुए कहा कि सीएम अशोक गहलोत की सोच का मानसिक दिवालियापन निकल चुका है। वे बार-बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर टिप्पणी करते हैं। प्रधानमंत्री तो जब-जब राजस्थान आते हैं तो यहां विकास कार्यों का बिगुल बजाते है।

उन्होंने कहा कि सीएम को पीड़ा होना स्वाभाविक है। मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता को घोषणाओं और झांसेबाजी से आकर्षित करना चाहते है, जबकि धरातल पर शून्य है। ऐसे में वो बार-बार पीएम मोदी को टारगेट करते हैं।

दरअसल आज सीएम गहलोत ने प्रेस कांफ्रेंस करके मणिपुर की घटना पर पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि 77 दिन हो गए थे। पीएम ने एक शब्द नहीं

बोला। लेकिन जैसे ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया तो फिर पीएम बोले। गहलोत ने कहा था अगर एक राज्य में आग लग रही हो और आप कुछ नहीं करें।

भाजपा का नाम लेकर अपनों पर तंज

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा सीएम गहलोत भाजपा का नाम लेकर अपनी ही पार्टी के नेताओं और विधायकों पर तंज कस रहे हैं। क्योंकि जिन विषयों की बात सीएम ने आज की। उन विषयों को लेकर उनकी पार्टी के नेता और विधायको ने ही सरकार पर सवाल उठाए है। वे भी जान चुके है कि आप महिलाओं को सुरक्षा दे नहीं सकते, पेपर लीक रोक नहीं सकते, अपराध कम कर नहीं सकते, युवाओं को रोजगार दे नहीं सकते, किसानों का ऋण माफ कर नहीं सकते, दलितों पर बढ़ते अत्याचारों पर गम्भीर हो नहीं सकते, लेकिन आप घोषणा वीर, बयान वीर जरूर हो। प्रदेश की जनता आपको पूर्णतया नकार चुकी है।

नहीं सहेगा राजस्थान अभियान से डर गए गहलोत

सीपी जोशी ने कहा प्रदेश भाजपा के नहीं सहेगा राजस्थान अभियान की सफलता से मुख्यमंत्री गहलोत भयभीत हो चुके है। क्योंकि इस अभियान को जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और कांग्रेस सरकार का भ्रष्टाचार उजागर हो रहा है। मुख्यमंत्री गहलोत अपनी राहत की दुकान बंद करके घर में बैठ चुके हैं। उन्हें प्रदेश के युवा, किसान, बुजुर्ग, महिला, दलित पीड़ा कैसे नजर आ सकती हैं।

# विधायक ने जलदाय मंत्री को लिखा पत्र

## हरीश चंद्र मीना बोले-दूनी को अमृत 2.0 योजना में शामिल करें, शहरी क्षेत्र की तरह मिले पानी

दूनी, 23 जुलाई (एजेंसियां)। दूनी नगरपालिका की पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए देवली उनियारा विधायक हरीश चंद्र मीना ने जल संसाधन मंत्री महेश जोशी को पत्र लिखा है। विधायक हरीश मीना ने मंत्री जोशी को लिखे पत्र में अवगत कराया कि अभी दूनी कस्बे की पेयजल व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्र के तहत है। ऐसे में दूनी को अभी पानी कम मिल रहा है, जबकि उसमें कई नई बस्तियां, कॉलोनियां जुड़ गई हैं। इसके चलते दूनी कस्बे की जलापूर्ति के लिए शहरी क्षेत्र की तरह नई पेयजल व्यवस्था

होनी चाहिए।

विधायक ने बताया कि दूनी की आबादी 2011 के अनुसार 11 हजार 295 है। 12 साल में यह आबादी करीब 20 हजार हो गई है। जबकि पेयजल व्यवस्था पुरानी ही चल रही है। वह ग्रामीणों क्षेत्र की है। अब दूनी नगर पालिका को अमृत 2.0 योजना में सम्मिलित किया जाए। ताकि दूनी नगर पालिका क्षेत्र के लोगों को भी शहरी क्षेत्र की तरह पर्याप्त पानी मिल सके। उन्होंने बताया कि अब दूनी नगर पालिका बन चुकी है। 3 दिन पहले ही दूनी ग्राम पंचायत विधायक हरीश चंद्र मीना की मांग पर नगर पालिका बनी है। इसको लेकर अब दूनी कस्बे के लिए सभी सरकारी फंड भी शहरी क्षेत्र के हिसाब से मिलेगा। उसी क्रम में विधायक मीना ने पेयजल व्यवस्था भी शहरी क्षेत्र के बराबर करने की मांग की है।

# तैरना नहीं आता था, नाड़ी में डूबे 2 चचेरे भाई

## नहाने गए थे, चरवाहों ने जूते-कपड़े देखे तो शक हुआ

राजसमंद, 23 जुलाई (एजेंसियां)। राजसमंद में नाड़ी (तालाब) में डूबने से 13-13 साल के दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। जिले के नाथद्वारा थाना सर्कल की नमाणा ग्राम पंचायत में सांगाखेड़ा गांव के पास कियावास गांव में नाड़ी में दोनों भाई नहाने गए थे।

दोपहर 12 बजे के करीब गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर सांगाखेड़ा गांव में हाथी बावजी के पास नाड़ी में नहाने गए थे। दोनों को तैरना नहीं आता था। गहरे पानी की ओर जाने के कारण वे

डूब गए।

जब आसपास के चरवाहों ने नाड़ी के पास बच्चों के कपडे देखे तो उन्हें बच्चों के डूबने का शक हुआ। उन्होंने गांव में सूचना दी तो परिजन सहित ग्रामीण वहां इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर बच्चों की पानी में तलाश शुरू की।

दोपहर करीब 1 बजे पानी से बच्चों को बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। नाथद्वारा पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमॉर्टम के लिए शव आरके हॉस्पिटल पहुंचाए।

हादसे से दो परिवारों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार कियावास गांव के नाड़ी में दीपल उर्फ दीपू (13) पुत्र उदय लाल व पुष्कर भील (13) पुत्र सोहन लाल भील छठी क्लास में पढ़ते थे।

# बाइक खाई में गिरी, 3 युवकों की मौत

## एक ही गांव के रहने वाले थे सभी, मध्य प्रदेश जाते समय रास्ते में हुई अनियंत्रित

झालावाड़, 23 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान और मध्य प्रदेश के बॉर्डर पर बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। बाइक के खाई में गिरने से 3 युवकों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मध्य प्रदेश की माचलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शव को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शवों का पोस्टमॉर्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। एक ही गांव के 3 युवकों की मौत के बाद गांव में मातम पसर गया। मरने वाले सभी युवक झालावाड़ जिले के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार बकानी क्षेत्र के भानपुरिया गांव निवासी प्रकाश पुत्र मांगीलाल लोधा, कमलेश पुत्र धन्नालाल लोधा और कालूलाल पुत्र भूरालाल लोधा शनिवार देर शाम को अपने गांव से मध्य प्रदेश की तरफ जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में सुंदरपुरा और पिपलिया गांव के बीच बाइक का बैलेंस बिगड़ गया। इनकी अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर माचलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को खाई से बाहर अस्पताल पहुंचाया, जहां पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम करवाया। हादसे की सूचना मिलने पर गांव में मातम पसर गया।

# हेडमास्टर के मोबाइल में मिले बच्चियों के न्यूड फोटो

## फॉरेंसिक लैब ने रिकवर किए; कोर्ट में पेश होगी 1500 पेज की चार्जशीट

डूंगरपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी स्कूल के हेडमास्टर रमेश चंद्र कटारा (55) के मोबाइल में बच्चियों से हैवानियत के कई सबूत मिले हैं। उसके मोबाइल से छात्राओं के कई न्यूड फोटो रिकवर हुए हैं। पुलिस से बचने के लिए हेडमास्टर ने अपने मोबाइल से फोटो डिलीट कर दिए थे। आरोप है कि कटारा ने अपने ही स्कूल की 8 से 12 साल की कई लड़कियों के साथ रेप किया था। इसके बाद काफी हंगामा मचा था। 3 जून को हेडमास्टर कटारा की गिरफ्तारी हुई थी। 24 जुलाई को 8 बच्चियों से रेप के मामले में 1500 पेज की चालान रिपोर्ट (चार्जशीट)

पुलिस पेश करेगी। मामला डूंगरपुर जिले का है। डीएसपी राकेश शर्मा ने बताया- 1500 पेज की चार्जशीट तैयार की है। इसमें करीब 1000 पेज की मोबाइल फोन की लोकेशन डिटेल है। हेड मास्टर छुट्टियों के दिन भी अपने गांव से स्कूल जाता था। लोकेशन रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हो गई है। इसके अलावा मासूम बच्चियों के बयान, मेडिकल रिपोर्ट, घटना से जुड़े सबूत भी पुलिस की ओर से लगाए गए हैं।

एसपी कुंदन कवरिया ने बताया- मामले की गंभीरता को देखते हुए कड़े सबूत जुटाए गए हैं। सदर थाना पुलिस को चालान पेश करने के लिए आदेश जारी कर दिए हैं। आरोपी रमेशचंद्र कटारा को 24 जुलाई को जेल से कोर्ट में पेश किया जाएगा। उसी दिन पुलिस की ओर से मामले में चालान भी पेश किया जाएगा। इस मामले को केस ऑफिसर स्कीम में लेकर जल्द से जल्द फैसला करवाने के प्रयास किए जाएंगे। डीएसपी राकेश शर्मा ने बताया- रमेश चंद्र कटारा के मोबाइल फोन को जब्त कर जांच के लिए एफएसएल भेजा था। करीब डेढ़ महीने बाद पुलिस को मोबाइल फोन की FSL रिपोर्ट मिल गई है। आरोपी हेड मास्टर के मोबाइल से कई आपत्तिजनक चीजें मिली हैं। एफएसएल जांच में मोबाइल से मासूम बच्चियों के न्यूड फोटो रिकवर किए गए हैं। ये फोटो आरोपी हेडमास्टर के घर के हैं।

हेडमास्टर बच्चियों को अपने घर ले गया था और उनको न्यूड कर उनके फोटो लिए थे। मामला पुलिस में आने के बाद रमेशचंद्र कटारा ने ये फोटो मोबाइल से डिलीट कर दिए थे।

# सड़क पर खड़ी वॉल्वो बस में अचानक लगी आग

## 4 दमकलों ने 2 घंटे में पाया काबू; इंजन में हीट से हादसे का शक

जोधपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर शहर के डाली बाई सर्किल के पास खड़ी वॉल्वो बस में शनिवार रात 2 बजे अचानक से आग लग गई। फायर ब्रिगेड की 4 दमकलों ने 2 घंटे में आग पर काबू पाया। तब तक बस जलकर राख हो चुकी थी। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

बताया जा रहा है कि बस के इंजन में हीट होने की वजह से अचानक उसमें आग लग गई। जानकारी के अनुसार डाली बाई मंदिर के पास 2 वॉल्वो बसें खड़ी

थीं। रविवार अलसुबह 2 बजे के करीब एक बस में अचानक से आग लग गई।

देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई। आग लगने की सूचना से आस पास की जगह पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं सूचना मिलने के बाद बासनी और शास्त्रीनगर फायर स्टेशन से गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। टीम ने 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई। फायर ब्रिगेड टीम के जितेंद्र ने बताया कि रात 2 बजे के करीब आग लगी। इस पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। आग पर काबू पाया तब तक बस पूरी तरह से जल चुकी थी। बस का ड्राइवर भी मौके पर नहीं मिला। प्रारंभिक तौर पर इंजन में अधिक हीट होने की वजह से आग लगने की संभावना लग रही है। हालांकि गनीमत रही कि बस में कोई सवारी नहीं थी। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची।

# पंचकुंडीय हरिहर महायज्ञ में श्री शिव सहस्त्र नाम अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री जगन्नाथ मंदिर, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स में श्री पंचकुण्डीय हरि हर महायज्ञ का आयोजन जारी है। यह 25 जुलाई तक किया जा रहा है। प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यज्ञ में मध्याह्न 1 बजे से 3 बजे तक शिव सहस्र नाम की अर्चना का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता, अन्य यजमानों में अंजनेश अग्रवाल-श्रीमती रंजना अग्रवाल, विनोद डाकोतिया-श्रीमती संगीता डाकोतिया, प्रवीण डाकोतिया-श्रीमती कविता डाकोतिया, विनय सोन्थलिया-श्रीमती संगीता सोन्थलिया, नवीन दिल्लीवाले - ममता दिल्लीवाले, आनंद अग्रवाल-श्रीमती रमादेवी अग्रवाल, रितेश जगनानी-श्रीमती अर्चना जगनानी, धनराज सोनी-श्रीमती शोभा सोनी, रजनीश अग्रवाल आदि उपस्थित थे। यज्ञ का संचालन काशी नगरी के यज्ञाचार्य वै. प्र. सुनील लक्ष्मीकान्त दीक्षित एवं उनके 54 पंडितों द्वारा किया जा रहा है। यज्ञ प्रातः 8-30 बजे से पूजा अर्चना के पश्चात 12-30 बजे तक चला मध्याह्न प्रसाद एवं शिव सहस्र अर्चना के तत्पश्चात् यज्ञ पुनः 3-30 बजे से सायं 6-30 बजे तक किया गया। सोमवार 24 जुलाई को मध्याह्न 1 बजे से 3 बजे तक सवा लाख पार्थिव शिव लिंग का रुद्राभिषेक किया जाएगा। मंगलवार 25 जुलाई को महालक्ष्मी सहस्रनाम् अर्चना करवाई जाएगी इच्छुक सदस्य समिति के मानद मंत्री सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले / यज्ञ संयोजक शंकरलाल अग्रवाल से संपर्क कर अपना नाम पंजीकृत करवा सकते हैं। हरिहर भगवान को नरेंद्र कुमार गोयल, सुरेश अग्रवाल विनोद डाकोतिया, अशोक चंद अग्रवाल, रघुनन्दन अग्रवाल द्वारा प्रसाद चढ़ाया गया। आज के यज्ञ कार्यक्रम में सुरेंद्र कुमार गोयल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, मुकुंद लाल सोन्थलिया , मुन्ना लाल अग्रवाल, प्रताप नारायण संघी, सुरेश कुमार दिल्लीवाले, अशोक चंद अग्रवाल, प्रमोद सरायवाले, गोपाल चंद अग्रवाल, मधुसुदन सोन्थलिया, राकेश नालपुरिया, विनोद टिकमानी, ईश्वर लाल अग्रवाल, मंसाराम अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल ऑयल वाले, रघुनन्दन अग्रवाल,सीए हरी अग्रवाल, सुभाष कुमार दिल्लीवाले, सीए रवींद्र अग्रवाल, माणिक चंद गुप्ता, गुलाब चंद अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, पवन कुमार गुप्ता, कमल कांत डाकोतिया , ताराचंद बंसल, विनोद डाकोतिया, पवन कुमार गुप्ता आदि एवं अत्यधिक संख्या में महिलाएँ उपस्थित थे।

## तीन तरफ से कटा हुआ है सिरपुर (टी) मंडल

कुमराम भीम आसिफाबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल रविवार को ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के बाद उफान पर आई नदियों और वर्धा नदी के कारण तीन तरफ से कटा हुआ है।

बारिश का पानी चंद्रपुर जिले के हुडकिली और पोडसा और सिरपुर (टी) मंडल के वेंकटरावपेट में वर्धा नदी पर बने पुलों के बीम को छू गया, जिसके परिणामस्वरूप इन संरचनाओं पर यातायात निलंबित हो गया। इस बीच, वर्धा की एक धारा और सहायक नदी ने सिरपुर (टी) मंडल के परिगांव गांव में एक उच्च स्तरीय पुल को डुबो दिया, जिससे सिरपुर (टी)-कौताला मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ।

कोटाला, चिंतालमनेपल्ली और महाराष्ट्र के निवासियों को विभिन्न जरूरतों के लिए कागजनगर तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्ते अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिरपुर (टी) मंडल केंद्र और आसपास के गांवों के नागरिक कोटाला और महाराष्ट्र में प्रवेश नहीं कर सके। महाराष्ट्र और कोटाला मंडलों की ओर जाने वाले पुल और सड़कों के उपयोग को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस तैनात की गई है।

# मारवाड़ी युवा मंच मेडचल ने लगाया रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुकृपा सेवा समिति-मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा मेडचल स्थित श्रीनिवास कल्याण मण्डपम में जारी आयोजित श्रीमद्भागवत कथा को रात्रि जागरण में राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक ओम मुँडेल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा रक्त दान का विशाल शिविर लगाया गया, जिसमें रक्त योधाओं ने बड़ छड़ कर भाग लिया। इस रक्तदान शिविर में युवा मंच द्वारा 121 यूनिट रक्त संग्रहित किया। यह रक्त दान शिविर तलसीमिया सोसायटी सिकल सेल के सायोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आन्ध्र तेलंगाना प्रांतीय रक्तदान संयोजक मनोज जैन, सहसंयोजक प्रेम कच्छावा, प्रांतीय उपाध्यक्ष जोन 2 के कैलाश प्रजापति, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, पर्वत सोलंकी, मुकेश चावड़ा जितु चावड़ा उपस्थित हुआ। कार्यक्रम में विशेष सायोग जयंतीलाल सोलंकी, पुकराज भाटी, दिनेश सिरवी, मांगीलाल सिरवी, गोविंद माली का रहा। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोगाराम राम सिरवी, उपाध्यक्ष चिमनाराम सिरवी, सचिव मोहनलाल, सहसचिव सोहनलाल द्वारा युवा मंच की ओर से सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया गया।

## श्री पोतलिंगन्ना स्वामी मंदिर में बोनम और अन्न प्रसादम आयोजित

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। छतरीनाका ओल्ड पीएस के पास स्थित श्री पोतलिंगन्ना स्वामी मंदिर में मारू बोनम और अन्न प्रसादम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मंदिर समिति ने श्री पोतलिंगन्ना स्वामी की विशेष पूजा, मारू बोनम और आरती की और बाद में अन्न प्रसादम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 800 लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रतिनिधि पी.केदव राव, एन.कृष्णा चारी, एसपी क्रांति कुमार, पी.राममोहन, विनय कुमार शिंदे, पी.रघुमोहन, नरसिंग ठाकुर, सदानंद और अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं को देखा।

## बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज शाखा ने की बैठक

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज शाखा द्वारा पान बाजार हेड ऑफिस में बैठक रखी गयी। इसमें महाकाली जातरा में विशेष सहयोग देने के लिए अध्यक्ष को जनरल सेक्रेटरी मनीष कुमार गुप्ता ने धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन नहीं रुकना नहीं चाहिए तथा इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन अधिक से अधिक होना चाहिए।

इसमें उपस्थित तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंह, मनीष कुमार गुप्ता, पॉन बाजार एरिया अध्यक्ष संतोष यादव, हसमतपेट अध्यक्ष सुनील कामत, बंसीलालपेट एरिया अध्यक्ष विकास पासवान, पॉन बाजार एरिया जनरल सेक्रेटरी विकास कुमार सिंह, राम लखन यादव और लोग उपस्थित हुए।

## अग्रणी महिला मंच ने दी तिलक और आज़ाद को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया कि डीडी कॉलोनी स्थित रितु गर्ग के निवास स्थान पर बाल गंगाधर तिलकजी और चंद्रशेखर आज़ादजी की जयंती पर उन्हें याद किया गया।

दोनो की जयंती पर देश के इतिहास के बारे में बात हुई। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनयना नरसरिया, रीता अग्रवाल, रूपा गुप्ता, रितु गोयल, प्रीति गोयल आदि उपस्थित थे।

पटेल नगर में आयोजित बोनालू उत्सव में बतौर अतिथि भाग लेतु हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, भाजपा नेता जी. श्रीनिवास यादव, शैलेंद्र यादव, धनराज, अरुण, प्रमोद, रामकृष्णा, भानु प्रकाश, बंटी, हरिनाथ व अन्य।

## मौसम में बदलाव से आंखों का संक्रमण कर रहा लोगों को परेशान

कुमरम भीम आसिफाबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम में बदलाव के कारण आंखों का संक्रमण लोगों को परेशान कर रहा है। जिला में आंखों के मरीजों की संख्या बढ़ गई। रोजाना सैंकड़ों तक मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सक उनको दवाई देने के साथ ही बचाव की सलाह दे रहे हैं। पिछले एक सप्ताह से आंखों में संक्रमण के मरीज अधिक आ रहे हैं। आंख लाल होना, खुजली, पानी आना, जलन, सूजन की शिकायत देखने को मिल रही है। यह सभी एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस बीमारी के लक्षण हैं, जिसमें बैक्टीरिया से होने वाला संक्रमण होता है। बारिश के मौसम में कीट-पतंगे हवाओं में उड़ते रहते हैं, जिनके कारण यह संक्रमण फैलता है। इनमें भी सबसे ज्यादा 40 साल तक की उम्र वाले मरीज हैं, जिनको दवाई देने के साथ ही बचाव के तरीके बताए जा रहे हैं।

## महिला ने बेटी को पीट-पीटकर मार डाला

विशाखापत्तनम, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के दुव्वाडा में एक महिला ने कथित तौर पर अपनी बेटी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, 19 साल की स्नेहा 17 जुलाई की दोपहर अपनी बेटी गीताश्री को खाना खिला रही थी। जब गीताश्री खाने से इंकार कर रही थी, तो उसने कथित तौर पर उसके सिर पर करछुल से हमला कर दिया। अत्यधिक खून बह रहा गीताश्री बेहोश हो गयी और बाद में उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद स्नेहा ने उसे अपने आवास के पीछे झाड़ियों में दफना दिया। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण मिट्टी का कटाव होने के कारण शव ऊपर आ गया और शनिवार दोपहर सड़क के कुत्तों ने उसे बाहर खींच लिया। स्थानीय लोगों ने शव की पहचान की और पुलिस को सूचित किया, पुलिस ने स्नेहा को हिरासत में ले लिया और जांच कर रही है।

बोनालू महोत्सव के अवसर पर तेलंगाना राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष मन्ने कृशांक ने सिकंदराबाद छावनी निर्वाचन क्षेत्र 150 डिवीजन के वार्ड 3 में नल्ला पोचम्मा मंदिर (अम्बेडकर नगर), श्री महानकाली मंदिर (आजाद चन्द्रशेखर नगर) और श्री सीताला पोचम्मा मंदिर (भालरामराय), दांडू मरम्मा मंदिर (भालरामराय) का दौरा किया और विशेष पूजा में भाग लिया।

मुरलीधर मंदिर, हाईकोर्ट रोड, हैदराबाद में पुरुषोत्तम माह के पावन उपलक्ष्य में आयोजित श्री अष्टलक्ष्मी महायज्ञ में भाग लेते हुए पंडित संजय शर्मा, श्रीकिशन शर्मा, यज्ञ यजमान श्रीमती निमिशा-गोपाल गोयल, आरती यजमान राकेश नरसिंगपुरिया, आशीष अग्रवाल व अन्य श्रद्धालु।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति द्वारा बाल गंगाधर तिलक जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए डॉ. भगवंत राव, किरोड़ीमल, समाजसेवी नरेन्द्र गोयल, श्रीराम व्यास, कमल जाजु, धर्माराम ढाका, नारायण सारडा, सतीश सराइवाला, अंकित अग्रवाल, भाजपा नेता पी. कृष्णा, अमरसिंह राजपुरोहित, अशोक यादव व अन्य।

## अग्रवाल समाज हब्सीगुड़ा द्वारा सावन की सैर आयोजित

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज हब्सीगुडा द्वारा सावन की सैर का आयोजन घटकेसर स्थित रिसोर्ट में किया गया। मानद मंत्री मनीष अग्रवाल ने बताया कि सावन की सैर के संयोजक संदीप अग्रवाल एवं पुनीत अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। शाखा अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आए हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद दिया। सभी सदस्यों ने सावन की सैर का भरपूर आनंद उठाया। सावन की सैर में शाखा के सदस्य रंजीत बजाज, कार्यकारिणी सदस्य हरिमोहन सराफ, सजन सराफ, आलोक, अरविंद अग्रवाल, एमसी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, हरिकिशन सराफ, सुमित अग्रवाल, सभी सदस्य परिवार उपस्थित हुए। हरिमोहन ने केंद्रीय समिति द्वारा पिग्गी बैंक एवं अग्रसेन भगवान जी की हर घर में फोटो रखने के विषय में जानकारी दी।

चिंतल में आयोजित स्व. श्रीमती पुकलीदेवी पंवार की श्रद्धांजलि सभा में भाग लेते हुए डगलाराम, प्रेम पंवार (सहसचिव) जीडिमेट्ला सीरवी समाज कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग, चौथाराम, थानाराम, नारायणलाल पंवार, संतोष चोयल, मोहनलाल काग व अन्य।

माथुर वैश्य समाज, भाग्यनगर द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों ने रक्तदान किया और सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट दिए गये।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### मणिपुर वायरल वीडियो ...

हजारों लोग पलायन को मजबूर हैं। मणिपुर सरकार ने भी कह दिया है कि वो अपने मैतेई लोगों को चार्टर्ड फ़्लाइट से इवेक्युएट कराएगी। शनिवार को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल मणिपुर पहुंचीं। एयरपोर्ट पहुंचते ही उन्होंने कहा, वह सीएम बीरेन सिंह से मिलने आई हैं।

**मिजो जनजाति कुकी के काफी करीब :**
मिजोरम राज्य में रहने वाली मिजो जनजाति का कुकी-जोमी समुदाय से ऐतिहासिक तौर पर एक भावनात्मक लगाव रहा है। मणिपुर में जिस तरह से हालात बदल रहे हैं उसकी वजह से दूसरे राज्यों में रहने वाले मैतेई समुदाय की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मणिपुर में रहने वाले अब तक 12 हजार से ज्यादा कुकी समुदाय के लोगों को मिजोरम राज्य में शरण मिली है।

मिजोरम में मैतेई समुदाय के कितने लोग रहते हैं :
मणिपुर मूल के मैतेई समुदाय के कई सारे लोग नॉर्थ ईस्ट के अलग-अलग राज्यों में नौकरी और बिजनेस के चलते वहां रहते हैं। मिजोरम की राजधानी एजवाल में ही करीब 2000-2100 मैतेई लोग रहते हैं।

**22 जुलाई को मणिपुर में फिर हुई हिंसा, स्कूल-घर जलाया :**
शनिवार (22 जुलाई) को चुराचांदपुर और इंफाल के पास मैतेई और कुकी समुदाय के बीच रात भर फायरिंग हुई। बिष्णुपुर के थोरबुंग में भीड़ ने एक स्कूल और कई घरों में आग लगा दी।

इस दौरान ऑटोमैटिक राइफल्स, पॉम्पी गन्स, विस्फोटकों से हमला किया गया। मौके पर सीआरपीएफ, बीएसएफ और असम रायफल के जवान तैनात हैं। रविवार को भी थोरबुंग, कांगवाय के अंदरूनी इलाकों में फायरिंग हुई थी।
।

### बरेली में कांवड़ियों ...

जो आरोपी होंगे गिरफ्तार किए जाएंगे। सीसीटीवी फुटेज में आरोपियों की पहचान की जा रही है।

**पूर्व पार्षद पर पथराव कराने का आरोप :**
हंगामा कर रहे कांवड़ियों ने पुलिस से भी हाथापाई की। कावड़ियों में नितिन, राजन भोला, सोनू, सागर और अन्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व पार्षद उस्मान अलवी ने अपने एक दर्जन लोगों के साथ मिलकर पथराव कराया है। छतों से भी पत्थर फेंके गए। मौके पर हिंदू संगठन के पदाधिकारी भी पहुंच गए हैं।

**संवेदनशील है जोगी नवादा :**
बारादरी थाना क्षेत्र में जोगी नवादा इलाका पहले से ही संवेदनशील है। यहां से करीब 200 मीटर की दूरी पर वनखंडी नाथ मंदिर है, जबकि 400 मीटर की दूरी पर मस्जिद भी है। कांवड़ियों के अलग-अलग जत्थे थे। डीजे के साथ कांवडिए डांस भी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक से पथराव किया गया।

रात में आंवला के मनौना में हुआ था हंगामा :
इससे पहले शनिवार रात को भी आंवला के मनौना में दूसरे समुदाय ने कांवड़ियों का रास्ता रोक दिया था। जिसके बाद वहां माहौल तनावपूर्ण हो गया था। रात ढाई बजे के करीब भारी पुलिस फोर्स की निगरानी में कांवड़ियों को गांव से बाहर निकाला गया था।

# चिराग-सात्विक ने जीता कोरिया ओपन बैडमिंटन

## वर्ल्ड नंबर 1 जोड़ी को हराया; यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी

येओसू, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन स्टार सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने कोरिया ओपन का खिताब जीत लिया है। चिराग-सात्विक की जोड़ी ने वर्ल्ड नंबर 1 फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान की इंडोनेशियाई जोड़ी को 17-21, 21-13, 21-14 के अंतर से हराया।

कोरिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट पहली बार 1991 में हुआ। टूर्नामेंट तब से हर साल साउथ कोरिया के अलग-अलग शहरों में हो रहा है। ये ग्रेड-2 का टूर्नामेंट है, जो बैडमिंटन सुपर-500 कैटेगरी में आता है। इसमें भी मेंस, विमेंस सिंगल्स कैटेगरी के साथ मेंस, विमेंस और मिक्स्ड डबल्स के 5 इवेंट होते हैं।

2017 में पीवी सिंधु ने विमेंस सिंगल्स का खिताब जीता था। वह कोरिया ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनी थीं।

उनके बाद अब मेंस डबल्स में सात्विक साई राज और चिराग सेट्टी ने 2023 में खिताब जीता। दोनों की जोड़ी डबल्स इवेंट का खिताब जीतने वाली पहली डबल्स जोड़ी बनी।

**किस चैंपियनशिप में कितने रेटिंग पॉइंट्स...**

बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट की ग्रेड से डिसाइड होती है। BWF वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट में सुपर 1000, 750, 500, 300 और सुपर 100 मुकाबले होते है। रैंकिंग के हिसाब से विनर को पॉइंट मिलते हैं। जैसे सुपर 1000 मुकाबले के विनर को 12 हजार पॉइंट्स मिलते है। वहीं, सुपर 100 टूर्नामेंट जीतने वाले को 5 हजार 500 पॉइंट्स मिलते है।

सबसे ज्यादा 13 हजार पॉइंट्स वर्ल्ड चैंपियनशिप और ओलिंपिक जीतने पर मिलते है। टोटल पॉइंट्स आधार पर वर्ल्ड रैंकिंग तय होती है।

विनर के अलावा फाइनलिस्ट, सेमीफाइनलिस्ट से लेकर टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले शटलर्स को भी ग्रेड और पायदान के हिसाब से पॉइंट्स दिए जाते है।

# हरमनप्रीत के समर्थन में उतरी स्मृति मंधाना

## बोली- 'पुरुष क्रिकेट में कई बार ऐसा देखने को मिला है'

मीरपुर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम के बीच खेला गया आखिरी वनडे मैच ड्रॉ पर समाप्त हो गया।

भारत की महिला क्रिकेट टीम को शनिवार (22 जुलाई) को बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम वनडे मैच में रोमांचक मुकाबले में टाई का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप दोनों टीमों को श्रृंखला साझा करनी पड़ी। मैच के बाद मैच के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर अंपायर के फैसले से खुश नजर नहीं आई जिसका गुस्सा उन्होंने मैदान पर तो निकाला ही साथ ही मैच के बाद पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में भी तीखा बयान देकर अपनी भड़ास निकाली।

कप्तान हरमनप्रीत कौर के इस बर्ताव की जहां कई एक्सपट्र्स द्वारा आलोचना की जा रही है वहीं दूसरी ओर उनकी साथी और अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना

ने कौर का समर्थन किया है। मंधाना का कहना है कि खेल भावना को बनाए रखने के लिए यह चीजें स्वीकार्य नहीं है, मगर हरमनप्रीत कौर ने जो किया वो पुरुष क्रिकेट में भी कई बार देखने को मिला है। ये सिर्फ हीट ऑफ द मूमेंट है।

**ये सब खेल का हिस्सा है- स्मृति मंधाना**

मंधाना ने क्रिकबज के हवाले से कहा, "बीच में जो हुआ वह खेल का हिस्सा है; हमने पहले भी ऐसी घटनाएं देखी हैं जब हम पुरुष क्रिकेट देखते हैं।मुझे लगता है कि किसी भी मैच में, कभी-कभी ऐसा होता है कि आप वास्तव में इस तरह के (फैसलों) से खुश नहीं होते हैं, और खासकर जब मैच में कोई डीआरएस नहीं होता है, तो मैं इसे कुछ फैसलों के संदर्भ में अंपायरिंग के बेहतर स्तर में कहूंगी क्योंकि यह बहुत स्पष्ट था, जब गेंद पैड से टकरा रही थी, जब हमारे बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे थे, तब एक बार भी विचार नहीं किया गया।"

वनडे सीरीज से बहुत कुछ सीखने को मिला है- स्मृति

दौरे की सकारात्मकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मंधाना ने टीम के लिए सीखने के अवसरों पर प्रकाश डाला। बांग्लादेश से दो बार हारने के बावजूद, उन्होंने कहा कि टीम ने बहुमूल्य अनुभव प्राप्त किया है और उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां वे सुधार कर सकते हैं। मंधाना ने हरलीन देयोल के बल्लेबाजी प्रदर्शन, अमनजोत कौर की गेंदबाजी और वनडे में जेमिमाह रोड्रिग्स की वापसी को श्रृंखला के महत्वपूर्ण सकारात्मक पहलुओं के रूप में सराहा।

# आईएसएसएफ जूनियर शूटिंग चैंपियनशिप

## जूनियर निशानेबाजों ने दिलाए दो कांस्य

## भारत के खाते में अब तक 14 पदक

चैंगवॉन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। टीम पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर बरकरार है। चीन ने अब तक 12 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 26 पदक अपने नाम किए हैं।

भारतीय पुरुष और महिला 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल टीमों ने शनिवार को कोरिया के चांगवोन में चल रही आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ) विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दो और कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के सातवें दिन इन दो पदकों के बाद भारत के नाम चार स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक हो गए हैं।

टीम पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर बरकरार है। चीन ने अब तक 12 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 26 पदक अपने नाम किए हैं। उनिश होलिन्दर, रणदीप सिंह और अक्षय कुमार ने पुरुषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में कुल 1671 का स्कोर बनाकर टीम को कांस्य पदक दिलाया।

याशिता शौकीन, प्रार्थना खन्ना और तियाना ने महिलाओं की संबंधित स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीनों का कुल स्कोर 1573 था। एक साथ चल रहे पुरुष और महिला ट्रैप क्वालिफायर के दूसरे दिन कुछ भारतीय निशानेबाज शीर्ष छह में जगह बनाने के लिए अच्छी स्थिति में थे। पुरुषों की स्पर्धा में शपथ भारद्वाज चार दौर के बाद 94 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं। शपथ के साथी बख्तियारुद्दीन मालेक और शार्दुल विहान 93 अंकों के साथ क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर रहे। महिलाओं में आशिमा अहलावत चार दौर में 88 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर है। प्रीति रजक 87 अंकों के साथ नौवें और भव्या त्रिपाठी 86 अंकों के साथ 10वें स्थान पर है। पांचवें और अंतिम क्वालिफाइंग दौर के बाद ट्रैप फाइनल रविवार को होना है।

# एशियन गेम्स 2023: मंत्रालय की अनुमति हो तो फुटबाल संघ एशियाड में टीम भेजने को तैयार, सुनील छेत्री होंगे कप्तान

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय के नियम के अनुसार टीम स्पर्धा में वहीं टीम भाग ले सकती है जो शीर्ष आठ में शामिल हो। भारतीय फुटबाल टीम ने हाल में सैफ चैंपियनशिप जीती है और वह फीफा रैंकिंग में सौ से कम पायदान पर आ गई है।

अखिल भारतीय फुटबाल संघ कप्तान सुनील छेत्री की अगुआई में अपनी शीर्ष टीम को एशियाई खेलों में भेजने को तैयार है, बशर्ते उसे खेल मंत्रालय की ओर से हरी झंडी मिल जाए। पिछली बार 2018 के जकार्ता खेलों में भारतीय फुटबाल टीम को भाग लेने की अनुमति नहीं मिली थी। भारतीय टीम इस समय एशिया में 18वें नंबर पर है।

खेल मंत्रालय के नियम के अनुसार टीम स्पर्धा में वहीं टीम भाग ले सकती है जो शीर्ष आठ में शामिल हो। भारतीय फुटबाल टीम ने हाल में सैफ चैंपियनशिप जीती

है और वह फीफा रैंकिंग में सौ से कम पायदान पर आ गई है। मौजूदा टीम में अंडर-23 आयुवर्ग के सात खिलाड़ी हैं और तीन उम्रदराज खिलाड़ियों में सुनील छेत्री, गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और रक्षक संदेश झींगन जा सकते हैं।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने पहले योजना बनाई थी कि राष्ट्रीय सीनियर टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक थाईलैंड में किंग्स कप (7 से 10 सितंबर) के बाद चीन के हांगझोऊ में 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों में अंडर-23 टीम की देखरेख करेंगे। 2002 से लेकर अब तक एशियाई खेलों में फुटबॉल की अंडर-23 टीमें ही खेलती हैं और एक टीम में इससे ज्यादा उम्र के सिर्फ तीन खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति दी जाती है।

एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरन ने कहा था, इस साल भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद उत्साहजनक रहा है। अगर उन्हें एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिलता है तो यह फुटबॉल के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन होगा, खासकर अंडर-23 लड़कों के लिए।

आईओए ने 2018 एशियाई खेलों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम को इसी आधार पर मंजूरी देने से इनकार कर दिया था कि वह एशिया में शीर्ष-8 में स्थान पर नहीं थी। आईओए और एनएसएफ को भेजे गए खेल मंत्रालय के निर्देशों में एक प्रावधान है, जो कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाले एआईएफएफ को आशा की किरण दे सकता है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को भेजे गए पत्र में खेल मंत्रालय ने कहा है, "टीम स्पर्धाओं के लिए केवल उन्हीं खेलों को शामिल किया जाएगा जिन्होंने एशिया के भाग लेने वाले देशों के बीच पिछले एक साल में एक से आठवीं रैंकिंग तक हासिल की है।" रैंकिंग में भारत एशिया में टॉप-8 के आसपास भी नहीं है। टीम इंडिया मौजूदा समय में एशियाई फुटबॉल परिसंघ के तहत देशों में 18वें स्थान पर है।

# ओलिंपिक मेडलिस्ट रवि दहिया रेसलिंग ट्रायल्स में हारे

## आतिश तोडकर ने चित्त किया; सुजीत कलकल ने 65 किग्रा कैटेगरी में पहला राउंड जीता

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाले रवि दहिया एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। उन्हें रेसलिंग ट्रायल्स के पहले राउंड में ही महाराष्ट्र के आतिश तोडकर ने चित्त कर हरा दिया। वहीं 65 किग्रा वेट कैटेगरी में सुजीत कलकल ने भी पहला राउंड जीत लिया है।

65 किग्रा वेट कैटेगरी में बजरंग पूनिया का सिलेक्शन पहले से हो चुका है। इस कैटेगरी में जीतने वाले रेसलर को स्टैंड बाय प्लेयर के रूप में एशियन गेम्स खेलने भेजा जाएगा।

**रवि 20-8 स्कोर लाइन के बाद फॉलआउट में हारे**

रवि दहिया और आतिश तोडकर के बीच पहले राउंड का मुकाबला खेला गया। रवि पहले राउंड में 20-8 से आगे चल रहे थे, लेकिन आतिश ने टाइम खत्म होने से ठीक पहले अपना फिनिशंग मूव लगाया और फॉलआउट दांव लगाकर रवि दहिया को चित्त कर दिया। फॉलआउट में विपक्षी रेसलर के दोनों कंधों को एक सेकेंड से ज्यादा समय के लिए जमीन से टकराना होता है।

एशियन गेम्स में रेसलिंग कॉम्पिटिशन का हिस्सा बनने वाले भारतीय खिलाड़ियों के लिए ट्रायल्स दिल्ली में जारी है। इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव रेसलिंग कॉम्प्लेक्स में शनिवार को ट्रायल्स शुरू हुए थे। तब विमेंस कैटेगरी के साथ ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल के ट्रायल्स भी हुए। आज मेंस फ्रीस्टाइटल इवेंट में 57, 65, 74, 86, 97 और 125 किग्रा वेट कैटगरी ट्रायल्स चल रहे हैं।

**पहले दिन अंतिम पंघल जीतीं**

विमेंस कैटेगरी में शनिवार को ट्रायल्स खत्म हो गए 53 किग्रा वेट कैटेगरी में अंतिम पंघल ने क्वालिफाई किया। लेकिन वह स्टैंड-बाय प्लेयर के रूप में एशियन गेम्स खेलेंगी, क्योंकि इस वेट कैटेगरी में विनेश फोगाट का सिलेक्शन पहले से हो चुका है। मैच के अंतिम ने कहा, 'मैंने फेयर ट्रायल जीते हैं और मैं हाई कोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करूंगी।' पढ़ें पूरी खबर...

**बजरंग-विनेश के चयन पर भड़के पेरेंट्स**

बजरंग पूनिया और विनेश फोगट को बिना ट्रायल के एशियाड में डायरेक्ट एंट्री मिलने पर बाकी पहलवानों के पेरेंट्स शुक्रवार को स्टेडियम पहुंचे और विरोध जताया। अंडर-20 चैंपियन अंतिम पंघल और विकास कालीरमन के पेरेंट्स की एडहॉक कमेटी के साथ तीखी नोकझोंक हो गई। पेरेंट्स के आक्रोश के बाद बंद दरवाजों के पीछे ट्रायल्स कराने का फैसला लिया गया।

**23 जुलाई तक करनी है स्क्वॉड की घोषणा**

एशियन गेम्स में शामिल होने वाले भारतीय पहलवानों के नामों की घोषणा करने की आखिरी तारीख 23 जुलाई है। ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया तक अगर उस तारीख तक नाम नहीं भेजे गए, तो गेम्स में भारतीय कुश्ती दल का भाग लेना मुमकिन नहीं होगा।

ज्ञान सिंह ने कहा कि हमारा काम ट्रायल आयोजित करना है। जो भी पहले आएगा हम उसका नाम आईओए को भेज देंगे।

**अंतिम पंघल और सुजीत कलकल ने हाईकोर्ट में अपील की थी**

ओलिंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को एशियन गेम्स-2022 में डायरेक्ट एंट्री के विरोध में युवा रेसलर्स ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

अंतिम पंघल और सुजीत कलकल एडहॉक कमेटी के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें एडहॉक कमेटी ने एक दिन पहले बजरंग और विनेश को 22-23 जुलाई को दिल्ली केडी जाधव स्टेडियम में होने वाले नेशनल ट्रायल से छूट दी थी।

# चौथा ऐशेज टेस्ट : मार्नस लाबुशेन का शतक

## ऑस्ट्रेलिया बढ़त से 61 रन पीछे, स्कोर- 214/5; पांचवें दिन भी बारिश की आशंका

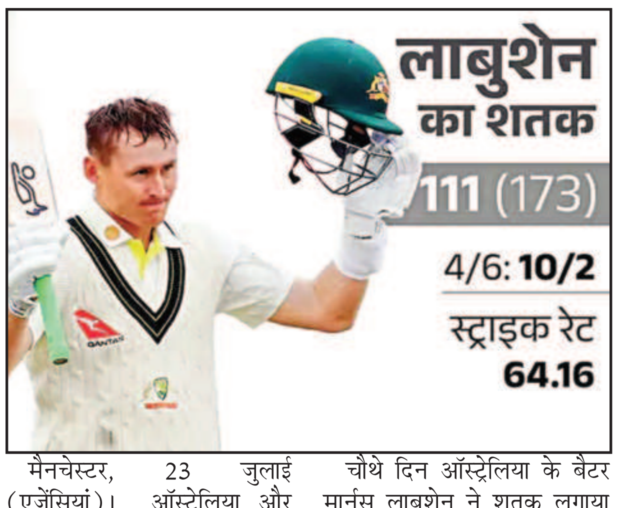


मैनचेस्टर, 23 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ऐशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान खेला जा रहा है। चौथे दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खो कर 214 रन बना लिए। कैमरून ग्रीन 3 और मिचेल मार्श 31 रन बना कर नाबाद रहे। मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड पहली पारी में 592 रन पर ऑल आउट हो गया।

चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया के बैटर मार्नस लाबुशेन ने शतक लगाया और 111 रन की पारी खेली।

पहले सेशन में बारिश के कारण एक भी बॉल नहीं फेंकी जा सकी। दूसरे और तीसरे सेशन में भी बारिश लगातार खलल डालती रही, जिस कारण समय से पहले ही दिन का खेल खत्म करना पड़ा। चौथे दिन 30 ओवर का ही गेम हो सका। पांचवें दिन भी भारी बारिश की आशंका है। इंग्लैंड मजबूत पोजिशन में है, लेकिन बारिश के कारण मैच ड्रॉ हुआ तो सीरीज की स्कोरलाइन 2-1 पर ही रहेगी।

चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 113/4 के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया। मार्नस लाबुशेन 111 रन की शतकीय पारी खेल कर आउट हुए। जो रूट ने लाबुशेन का विकेट लिया।कैमरून ग्रीन 3 और मिचेल मार्श 31 रन बना कर नाबाद रहे। दोनों पांचवें दिन ऑस्ट्रेलिया की पारी आगे बढ़ाएंगे।

तीसरे दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 4 विकेट खो कर 113 रन बना लिए। मार्नस लाबुशेन (44) और मिचेल मार्श (1) दिन का खेल खत्म होने के बाद नॉट आउट रहे। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 317 रन बनाए थे।

पहली पारी में इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो 99 रन बनाकर नॉट आउट रहे, उनके सामने टीम के आखिरी बैटर जेम्स एंडरसन एलबीडब्ल्यू हो गए।

# डायमंड लीग: केन्या की फेथ किपयोगेन ने डायमंड लीग में किया कमाल, दो माह में तोड़ा तीसरा विश्व कीर्तिमान

खेल डेस्क, 23 जुलाई (एजेंसियां)। ओलंपिक में दो बार 1500 मीटर की चैंपियन रहीं किपयोगेन ने कहा कि यह बेहद जज्बाती क्षण है, यह सब आशीर्वाद जैसा है। हर बार जब आप दौड़ते हो तो ऐसा नहीं होता।

केन्या की फेथ किपयोगेन ने डायमंड लीग में महिलाओं के मील रिकॉर्ड में पांच सेकंड का सुधार किया। पिछले दो महीनों में उन्होंने तीसरी बार विश्व कीर्तिमान बनाया। 29 साल की फेथ ने चार मिनट 7.64 सेकंड के साथ नीदरलैंड की सिफान हसन का पिछला रिकॉर्ड (4 :12.33) तोड़ा। पिछले महीने उन्होंने फ्लोरेंस और पेरिस में 1500 मीटर और 5000 मीटर में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया था।

ओलंपिक में दो बार 1500 मीटर की चैंपियन रहीं किपयोगेन ने कहा कि यह बेहद जज्बाती क्षण है, यह सब आशीर्वाद जैसा है। हर बार जब आप दौड़ते हो तो ऐसा नहीं होता। मैंने इस दौड़ का लुत्फ लिया। मैं विश्व रिकॉर्ड बनाना चाहती थी। ईश्वर का आभार। यह सब अद्भुत है। आयरलैंड की सिएरा मैगिन (4 :14.08) दूसरे स्थान पर रहीं।

# फीफा महिला विश्व कप: सोफिया स्मिथ के दो गोल से अमेरिका ने जीता; जापान, इंग्लैंड और डेनमार्क का भी विजयी आगाज

हैमिल्टन, 23 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में खेले गए ग्रुप-सी के अन्य मुकाबले में जापान ने जांबिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी। ग्रुप-डी में इंग्लैंड और डेनमार्क ने भी जीत के साथ शुरुआत की। इंग्लैंड ने हैती को 1-0 और डेनमार्क ने चीन को 1-0 से हराया।

सोफिया स्मिथ के दो गोल (14 और 45+7वें मिनट) की मदद से मौजूदा विजेता अमेरिका ने शनिवार को महिला फुटबॉल विश्वकप में वियतनाम को 3-0 से हरा दिया। टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम अमेरिका खिताबी हैट्रिक लगाने की कोशिश में है। वहीं, न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में खेले गए ग्रुप-सी के अन्य मुकाबले में जापान ने जांबिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी। ग्रुप-डी में इंग्लैंड और डेनमार्क ने भी जीत के साथ शुरुआत की। इंग्लैंड ने हैती को 1-0 और डेनमार्क ने चीन को 1-0 से हराया।

अमेरिका के लिए मैच में तीसरा गोल लिंडसे होरन ने 77वें मिनट में दागा। अमेरिका ने वियतनाम के खिलाफ पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। स्मिथ को साल की सर्वश्रेष्ठ अमेरिकी फुटबालर चुना

गया था। अमेरिका की 14 खिलाड़ी पहली बार महिला विश्वकप में खेल रही हैं और उसमें से स्मिथ एक खिलाड़ी हैं।

जापान की हिनाता के दो गोल

जापान की तरफ से हिनाता मियाजावा (43 और 62वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि मीना तनाका (55वां मिनट) और एंडो (71वां मिनट) ने एक-एक गोल दागे। उनके अलावा जापान ने पेनाल्टी हासिल की जिसे रिको उएकी (90+11वां मिनट) ने गोल में बदल दिया।

**इंग्लैंड और डेनमार्क को मिली मुश्किल जीत**

ब्रिसबेन में जॉर्जिया स्टेनवे के 29वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल की मदद से इंग्लैंड ने हैती को 1-0 से हराया। इंग्लैंड के लिए यह मैच आसान माना जा रहा था, लेकिन हैती की टीम ने उसे दूसरा गोल नहीं मारने दिया। इंग्लैंड को इस ग्रुप में डेनमार्क और चीन से टक्कर मिलेगी। डेनमार्क ने चीन को हराकर विजयी आगाज किया। उसके लिए मैच समाप्त होने से कुछ देर पहले एमेली वैंग्सगार्ड (89वें मिनट) ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। एमेली का यह पहला अंतरराष्ट्रीय गोल है। चीन की टीम इस मैच को ड्रॉ कराने के करीब पहुंच गई थी, लेकिन अंतिम लम्हों में मैच उसके हाथ से निकल गया।

## तेलंगाना के जिलों के लिए एलो अलर्ट जारी

**इस सप्ताह हैदराबाद में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी**

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को निवासियों को सुहावना मौसम देखने को मिला, जब भारी बारिश रुकी हुई दिखाई दी, हालांकि शहर बादलों से ढका रहा और बीच-बीच में बूंदाबांदी भी हुई। हालाँकि, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग- हैदराबाद के क्षेत्र-वार पूर्वानुमान के अनुसार, शहर में भारी बारिश का संकेत देने वाला पीला और नारंगी अलर्ट जारी किया गया है।

रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आने वाले सप्ताह में शहर में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाएगा। रविवार को मौसम पूर्वानुमान में, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद ने कहा कि सप्ताह के बाकी दिनों में हैदराबाद और तेलंगाना के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इसके अलावा, तेलंगाना के मंचेरियल, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की उम्मीद है।

आईएमडी ने अगले 48 घंटों में आदिलाबाद, कुमुराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगित्याल, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव सहित जिलों में आंधी और बिजली के साथ भारी बारिश की चेतावनी देते हुए एक पीला अलर्ट जारी किया।

## आदिलाबाद को लगातार बारिश से मिली राहत

आदिलाबाद, हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिला, जो लगातार पांच दिनों तक लगातार बारिश से जूझ रहा था, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ था, रविवार को बारिश पर ब्रेक लगने से राहत मिली। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी के अनुसार, आदिलाबाद जिले की औसत वर्षा 14 मिमी थी, जबकि शनिवार को 99 मिमी दर्ज की गई थी। कुमराम भीम आसिफाबाद की औसत वर्षा 3.6 मिमी थी, जबकि शुक्रवार को 68 मिमी थी। निर्मल और मंचेरियल दोनों जिलों में नगण्य वर्षा हुई।एक दिन की शांति ने कृषक समुदाय को कृषि गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए प्रेरित किया। इसने किसानों को कपास की फसल में उगे खरपतवारों को हटाने की सुविधा हुई।

# मिशन काकतीय से फसल की खेती में उल्लेखनीय वृद्धि हुई : हरीश राव

## मंत्री ने मिशन काकतीय की सफलता पर पुस्तक का अनावरण किया

वारंगल, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी परियोजना मिशन काकतीय की उल्लेखनीय सफलता पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तक का अनावरण किया है। डॉ. बनोत रजिता द्वारा लिखित पुस्तक, 2015 से 2021 तक वारंगल जिले में किए गए व्यापक शोध के परिणामों पर प्रकाश डालती है। काकतीय विश्वविद्यालय (केयू), वारंगल में समाजशास्त्र विभाग में एक शोध विद्वान, रजिता को प्रशंसा मिली क्योंकि उन्हें इस साल की शुरुआत में 'मिशन काकतीय और ग्रामीण विकास: तेलंगाना राज्य के वारंगल जिले में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन' शीर्षक वाली थीसिस के लिए केयू द्वारा पीएचडी की डिग्री से सम्मानित किया गया था। रजिता द्वारा किए गए शोध में टैंकों/तालाबों में गाद जमा होने और फसल की पैदावार पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के महत्वपूर्ण मुद्दे का पता लगाया गया। हालाँकि, निष्कर्षों से यह भी पता चला कि "मिशन काकतीय" ने राज्य भर में प्रभावशाली 10 लाख एकड़ भूमि को सफलतापूर्वक स्थिर कर दिया, जिससे फसल की खेती में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

रविवार को सिद्दीपेट में पुस्तक अनावरण समारोह के दौरान, मंत्री ने डॉ. रजिता को उनके काम और परियोजना के प्रति समर्पण के लिए बधाई दी। विशेष रूप से, रजिता मुलुगु जिले के वेंकटपुर मंडल के पपैयापल्ली गांव में एक आदिवासी परिवार से हैं। उनकी पीएचडी थीसिस में प्रस्तुत व्यावहारिक शोध के अनुसार, मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के दूरदर्शी नेतृत्व के नेतृत्व में एक प्रमुख कार्यक्रम, "मिशन काकतीय" ने राज्य के कृषि क्षेत्र में छोटे और सीमांत किसानों की आय में काफी वृद्धि की है। अपने शोध के हिस्से के रूप में, उन्होंने आगे सुझाव दिया कि कृषि क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह के प्रभावशाली कार्यक्रम देश भर में लागू किए जाने चाहिए, यह देखते हुए कि भारत की आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है।

## तेलंगाना सरकार दलित कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : मंत्री

सिद्दीपेट, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में दलित कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। रविवार को सिद्दीपेट जिले के चेरियाल मंडल की 140 दलित महिलाओं को सिलाई मशीनें सौंपने के बाद बोलते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले नौ वर्षों के दौरान राज्य भर में दलित और आदिवासी छात्रों के लिए 1,000 से अधिक आवासीय संस्थान खोले हैं। सरकार ने बाद में उन्हें जूनियर कॉलेजों में भी अपग्रेड किया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पिछड़े समुदायों की लड़कियां बिना किसी बाधा के अपनी शिक्षा जारी रख सकें।

अकुनुरु, डुड्डेडा, मुस्ताला और चेरियाल गांवों की 140 से अधिक महिलाओं ने अपने गांवों में सावित्री बाई फुले कल्याण संगठन द्वारा दी जाने वाली सिलाई का प्रशिक्षण लिया। जनगांव विधायक मुतिरेड्डी यादगिरी रेड्डी ने सिद्दीपेट में हरीश राव द्वारा लाभार्थियों को सिलाई मशीनें भेंट करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इससे पहले, हरीश राव ने सिद्दीपेट में अपने कैंप कार्यालय में 46 नवनियुक्त आशा कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग विभाग के कामकाज को मजबूत करने के लिए जिले में 835 आशा कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सरकार सत्ता में थी तो वह आशा की नौकरियां बेचती थी। दूसरी ओर, बीआरएस सरकार पारदर्शी तरीके से भर्ती कर रही है और आशा कार्यकर्ताओं को उनके मोबाइल बिलों का भुगतान करने के अलावा देश में सबसे अधिक वेतन (9,900 रुपये) भी दे रही है। बाद में मंत्री ने सिद्दीपेट में वीर शिव बलिजा संगम बैठक में भाग लिया।

## क्रिकेट सट्टेबाजी में हार के बाद युवक ने आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में क्रिकेट सट्टेबाजी में भारी नुकसान झेलने के बाद एक युवक ने आत्महत्या कर ली। सतीश बाबू (20) ने शनिवार रात चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत एक निजी छात्रावास में फांसी लगा ली। पड़ोसी आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के एक डिग्री छात्र, सतीश ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान सट्टेबाजी के लिए विभिन्न स्रोतों से ऋण लिया था। जबकि उनके परिवार ने कुछ कर्ज चुका दिया था, बाकी कर्ज न चुका पाने के कारण वह उदास थे। पुलिस के मुताबिक, सतीश करीब एक महीने पहले नौकरी की तलाश में हैदराबाद चला गया था और एक निजी हॉस्टल में रह रहा था। नौकरी न मिलने से वह उदास था। युवक विजयवाड़ा के एक निजी कॉलेज में अंतिम वर्ष का छात्र था। पुलिस ने उनके परिवार को आत्महत्या की जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

## पुल्ला करुणाकर ने भूपालपल्ली के एसपी के रूप में पदभार ग्रहण किया

भूपालपल्ली, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुल्ला करुणाकर ने रविवार को यहां जिला पुलिस कार्यालय में नए पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने आम लोगों की सहायता के लिए उप-निरीक्षकों (एसआई) से लेकर जिला पुलिस अधिकारियों तक सभी के लिए पहुंच सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने न्याय चाहने वाले पीड़ितों को बिचौलियों के पास न जाने का सुझाव भी दिया। करुणाकर ने जोर देकर कहा कि वामपंथी उग्रवाद और असामाजिक गतिविधियों दोनों से सख्ती से निपटा जाएगा।

जिला पुलिस टीम के कई पुलिस अधिकारियों ने उनसे मुलाकात की। नए एसपी से मिलने वालों में भूपालपल्ली डीएसपी ए. रामुलु और कटाराम डीएसपी जी. राममोहन रेड्डी शामिल थे।

इस पोस्टिंग से पहले, करुणाकर ने वारंगल में पूर्वी क्षेत्र के डीसीपी के रूप में कार्य किया था। कमलापुर मंडल के उप्पल गांव के रहने वाले, वह 2010 से पुलिस सेवा में हैं, और तत्कालीन आंध्र प्रदेश, शादनगर और जगतियाल के प्रोद्दातुर में डीएसपी के रूप में कार्यरत हैं। वह हैदराबाद में अतिरिक्त डीसीपी (यातायात) भी थे।

## सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

नलगोंडा, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को जिले के पेद्दावूरा के उप-बाजार यार्ड के पास एक लॉरी ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान पिल्ली शंकर (39) के रूप में हुई, जो कार चला रहा था। पुलिस के अनुसार, सड़क दुर्घटना तब हुई जब शंकर और उनके दो रिश्तेदार, अलीमिनेटी मैसैया और सिलोपु वेंकटरमण, एक रिश्तेदार के घर में एक समारोह में शामिल होने के लिए अपने मूल स्थान मिर्यालागुडा से देवरकोंडा जा रहे थे।

विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार लॉरी ने कार को टक्कर मार दी। घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए नलगोंडा के सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पेद्दावूरा पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में लॉरी चालक वेंकट रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

## केसीआर बनेंगे हैट्रिक सीएम : जगदीश

सूर्यापेट, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव अगले चुनाव में भी मुख्यमंत्री पद बरकरार रखकर हैट्रिक बनाएंगे। सूर्यापेट नगर पालिका के 16वें वार्ड का दौरा करते हुए, जगदीश रेड्डी ने लोगों से बातचीत की और क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के बारे में उनसे पूछताछ की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वार्ड में कोई समस्या हो तो उन्हें उनके संज्ञान में लाएं। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार द्वारा सूर्यापेट नगर पालिका को स्वीकृत 30 करोड़ रुपये की धनराशि से वार्ड में विकास कार्य भी किए जाएंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि बीआरएस लोगों के समर्थन से अगले चुनाव में राज्य में फिर से सत्ता में आएगी। तेलंगाना के लोगों ने कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जारी रखने के लिए अगले चुनाव में बीआरएस को वोट देने का फैसला पहले ही कर लिया था। कांग्रेस और भाजपा नेताओं ने पहले ही कहा था कि अगर वे सत्ता में आए तो बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी।

यह दोहराते हुए कि बीआरएस राज्य में फिर से सत्ता में आएगी, उन्होंने कहा कि पार्टी अगले लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष पेरुमल्ला अन्नपूर्णा और अन्य भी मंत्री के साथ थे।

## बंडी का गुस्सा बीजेपी नेतृत्व को नागवार गुजरा

### पार्टी नेतृत्व ने बंडी को दे डाली गलत टिप्पणियां न करने की चेतावनी

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेतृत्व की यह धारणा कि तेलंगाना पार्टी इकाई में नेतृत्व परिवर्तन से विभिन्न गुटों के बीच मतभेद खत्म हो जाएंगे और स्थिरता आएगी, गलत साबित हो रही है क्योंकि नेता एक-दूसरे को आगे बढ़ाने के लिए एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। जिस बैठक में नवनियुक्त पार्टी अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को पदभार संभाला, उस बैठक के दौरान पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय का गुस्सा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ अच्छा नहीं रहा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राज्य चुनाव प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को कोर कमेटी की बैठक के दौरान पार्टी में अपने विरोधियों के खिलाफ टिप्पणियों के लिए संजय की खिंचाई की। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतें अब बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने कथित तौर पर संजय से पूछा कि यदि आपके पास कोई मुद्दा है, तो पार्टी मंच पर चर्चा करें। आपको अपने विचार सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने की आवश्यकता क्यों है?

यहां तक कि दुब्बाका विधायक एम रघुनंदन राव को उनकी दिल्ली यात्रा के दौरान पार्टी नेतृत्व के खिलाफ उनकी हालिया टिप्पणियों के लिए जावड़ेकर और उनके डिप्टी सुनील बंसल ने फटकार लगाई है। उन्हें अनुशासन बनाए रखने और पार्टी से जुड़े सभी मुद्दों को पार्टी फोरम के भीतर उठाने और मीडिया के पास न जाने की सलाह दी गई। पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले अपने व्यवहार से संजय पार्टी के भीतर काफी चर्चा में हैं। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व, विशेषकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समर्थन के बावजूद सभी नेताओं को अपने नेतृत्व में लाने में असमर्थता के कारण उन्हें अपना पद गंवाना पड़ा। और अब अपने विरोधियों के खिलाफ उनका गुस्सा एक बार फिर उनके लिए परेशानी लेकर आया है।

दूसरी ओर, भाजपा राज्य चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष इटेला राजेंदर को भी भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो उन्हें राज्य में पार्टी को मजबूत करने के कार्यक्रमों को चलाने के लिए आवश्यक समर्थन नहीं दे रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

## 2 छात्रों की करंट लगने से मौत

नरसरावपेटा, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात यहां फिल्म अभिनेता सूर्या के जन्मदिन समारोह के सिलसिले में फ्लेक्सी लगा रहे दो छात्रों की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मोपुरीवराईपालेम गांव के वेंकटेश और बापटला जिले के जे. पंगलुरु के पोलुरी साई, दोनों एक निजी कॉलेज में दूसरे वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम में पढ़ रहे थे, अपने दोस्तों के साथ शहर में फ्लेक्सी लगा रहे थे, तभी फ्लेक्सी का लोहे का फ्रेम पास की बिजली लाइनों के संपर्क में आ गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए नरसरावपेटा सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस जांच कर रही है।

## जहीराबाद मंडी से 75 किलो टमाटर चोरी

संगारेड्डी, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के एक अज्ञात व्यक्ति ने जहीराबाद बाजार से 75 किलो टमाटर चुरा लिया। यह हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। टमाटर की कीमत 7,800 रुपये लगाई गई. पास के गांव के एक किसान ने रविवार की सुबह सब्जी बाजार में टमाटर का एक भार खरीदा था। किसान ने सब्जियाँ बाजार में रख दीं और चाय पीने चला गया। जब वह वापस लौटा तो देखा कि टमाटर की तीन क्रेट गायब हैं।

सीसीटीवी फुटेज में एक आदमी हेलमेट पहने हुए बाइक पर आता हुआ और तीन बार यात्रा करता हुआ दिखाई दे रहा है, हर बार उसकी बाइक पर एक-एक टोकरा है। किसान ने जहीराबाद पुलिस से संपर्क किया है, जो टमाटर चोर की पहचान करने और उसे पकड़ने का प्रयास कर रही है।

## आरोग्य महिला : 1,85,000 से अधिक महिलाओं को मिला नि:शुल्क चिकित्सा परीक्षण

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी अस्पतालों में महिलाओं को विशेष स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से 8 मार्च को शुरू की गई आरोग्य महिला पहल के तहत 1,85,492 महिलाओं को मुफ्त नैदानिक चिकित्सा परीक्षण की सुविधा मिली। सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को, राज्य स्वास्थ्य विभाग तेलंगाना के सभी हिस्सों में 272 आरोग्य महिला क्लिनिक आयोजित कर रहा है, जिसमें महिलाओं के लिए 57 विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। आरोग्य महिला पहल का अनूठा पहलू मुफ्त कैंसर जांच है जिसका उद्देश्य शीघ्र निदान और उपचार करना है। अब तक, कुल 1,42,868 महिलाओं ने मुंह के कैंसर की जांच कराई, जिनमें से 859 को आगे के मूल्यांकन के लिए पहचाना गया है। इसी तरह, 1,41,226 महिलाओं ने स्तन कैंसर की जांच कराई है, जिनमें से 1,313 व्यक्तियों को लक्षण पाए जाने के बाद इलाज के लिए रेफर किया गया।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि आरोग्य महिला कार्यक्रम मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के दृष्टिकोण के अनुरूप है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तेलंगाना में महिलाओं के स्वास्थ्य को अत्यधिक महत्व दिया जाए।

## नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में दो व्यक्ति अंदर

हैदराबाद, 23 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्कफोर्स (पश्चिम) टीम ने दो लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक में नौकरी की व्यवस्था करने के नाम पर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को कथित तौर पर धोखा दिया था। अधिकारियों ने उनके पास से सात फर्जी जॉब लेटर जब्त किये। पकड़े गए लोगों में मोराचिक्कम संजीवैया उर्फ जीवैया और फिरोज सुलेमान हैं जबकि उनका साथी किरण फरार है। गिरोह ने भारतीय रिज़र्व बैंक में क्लर्क और अटेंडर की नौकरी का वादा करके पीड़ितों भार्गवी, शशिरेखा और सात अन्य से भारी रकम एकत्र की। इंस्पेक्टर खलील पाशा ने कहा कि पैसा इकट्ठा करने के बाद ठगों ने उन्हें फर्जी नौकरी के प्रस्ताव पत्र सौंपे।

शिकायत पर चदरघाट पुलिस ने मामला दर्ज किया था। कमिश्नर की टास्क फोर्स ने संजीवैया और फ़िरोज़ का पता लगाया और रविवार को उन्हें पकड़ लिया। दोनों व्यक्तियों को आगे की कार्रवाई के लिए चादरघाट पुलिस को सौंप दिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.